रांची, गुरुवार | 10 जुलाई 2025 | वर्ष-26, अंक- 158, पृष्ठ-12 | आषाढ़ शुक्ल पक्ष 15, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

वाईफाई से युक्त होंगे झारखंड के सभी सरकारी अस्पताल

स्वास्थ्य जानकारी तक मरीजों की होगी आसान पहुंच : अजय सिंह

बोले स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव, मरीज और उनके अटेंडेंट को मुफ्त मिलेगी सुविधा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों को मुफ्त वाई-फाई सुविधा से युक्त करने का बड़ा फैसला लिया है। इस नई पहल के तहत अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके साथ आने वाले परिजनों को मुफ्त इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे वे स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, सरकारी योजनाएं और अन्य डिजिटल सेवाओं तक आसानी से पहुंच बना सकेंगे। सरकार की ओर से बीएसएनएल द्वारा सभी अस्पतालों में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि यह पहल डिजिटल हेल्थकेयर की दिशा में राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि यह सुविधा मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू की जा रही है, जिससे उन्हें अस्पताल में प्रतीक्षा के दौरान उपयोगी जानकारी हासिल करने में सहायता मिलेगी।

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि 1 महीने के भीतर राज्य के सभी जिला अस्पतालों में वाई-फाई की सुविधा चालू हो जाएगी। 6 महीने के भीतर सभी सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) और पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) भी इस सुविधा से लैस कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, यह पहल मरीजों को एक डिजिटल सपोर्ट सिस्टम प्रदान करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। अब अस्पताल परिसर में बैठकर भी लोग स्वास्थ्य पोर्टल्स, जानकारीपूर्ण वेबसाइट्स और सरकारी योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

अस्पतालों में सेवा की गुणवत्ता में होगा सुधार

सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त वाई-फाई सुविधा देने की राज्य सरकार की यह योजना न केवल मरीजों की जागरूकता बढ़ाने में मददगार साबित होगी, बल्कि अस्पतालों में पारदर्शिता भी आएगी। सेवा की गुणवत्ता में भी सुधार लाने का कार्य करेगी।

ज्यादा बारिश से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में घटा अंतर

दिन में भी लोगों को हो रहा ठंड का अहसास

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में बारिश के चलते तापमान में काफी गिरावट आई है। तापमान में कमी के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में अंतर कम हो गया है। बारिश के कारण लोगों को दिन में भी ठंड का अहसास हो रहा है। राजधानी रांची में बुधवार को अधिकतम तापमान 25.8 और न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो मात्र 2.8 डिग्री का अंतर है। यह अंतर जमशेदपुर में सात डिग्री, डालटनगंज में आठ डिग्री, बोकारो में सात और चाईबासा में यह अंतर केवल चार डिग्री है।

इधर, राजधानी रांची में बुधवार को सुबह से बारिश होती रही और मौसम में ठंडक महसूस की गई। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद के पुपकुनी में 67 मिमी बारिश दर्ज की गई।

ट्रेड यूनियनों की हड़ताल के समर्थन में सड़क पर उतरा झामुमो

देश को बेचा जा रहा कॉरपोरेट घरानों के हाथ : सुप्रियो भट्टाचार्य

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य बुधवार को रांची के अलबर्ट एक्का चौक पर ट्रेड यूनियनों की देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में झामुमो की रांची जिला कमेटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मौके पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां श्रमिक और किसान विरोधी हैं। मजदूरों की यूनियन को कमजोर किया जा रहा है। निजी कंपनियों के हित में कानून बदले जा रहे हैं और पब्लिक सेक्टर का निजीकरण करके देश को कॉरपोरेट के हाथों बेचा जा रहा है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि देश के किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ सात महीने तक ऐतिहासिक आंदोलन किया। इसमें कई किसानों ने अपनी जान गंवाई। अब केंद्र सरकार मजदूरों को भी उन्हीं हालात में धकेलना चाहती है। लेकिन, झामुमो इसके खिलाफ चुप नहीं बैठेगा। झारखंड में किसी भी मजदूर विरोधी कानून को लागू नहीं होने दिया जाएगा। इसके पहले, झामुमो के कार्यकर्ताओं ने राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किया। इसके बाद अलबर्ट एक्का चौक पहुंचकर हड़ताल में शामिल विभिन्न संगठनों का साथ दिया।

- **झामुमो के केंद्रीय महासचिव ने कहा, केंद्र सरकार की नीतियां श्रमिक और किसान विरोधी हैं**

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा कि झामुमो गरीबों, आदिवासियों और मजदूरों की पार्टी है। केंद्र सरकार की नीति कॉरपोरेट को फायदा पहुंचाने और श्रमिकों को गुलाम बनाने की है। जो कानून लाया जा रहा है, उसमें बिना फैक्ट्री मालिक की अनुमति के मजदूर अपनी मांग तक नहीं रख सकते। प्रदर्शन करनेवालों में झामुमो के केंद्रीय सदस्य अश्विनी शर्मा, कुदूस अंसारी, कलाम आजाद, आदिल इमाम, अफरोज अंसारी, जीत गुप्ता, फरीद खान, सज्जाद अंसारी, अंशु लकड़ा, अंकिता वर्मा, सीमा लकड़ा, अनमोल रतन सांचा एवं अन्य शामिल थे।

पूंजीपतियों के इशारे पर काम कर रही केंद्र सरकार : अजय सिंह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ट्रेड यूनियनों की राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल और चक्का जाम आंदोलन के तहत रांची में विपक्षी दलों और ट्रेड यूनियनों ने बुधवार को केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध किया। हड़ताल को लेकर बुधवार को रांची के अलबर्ट एक्का चौक पर सुबह से ही मजदूर संगठनों के कार्यकर्ता, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जुटे। इस दौरान भाकपा के नेता अजय कुमार सिंह ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की।

मौके पर अजय कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार पूंजीपतियों के इशारे पर काम कर रही है। चार लेबर कोड लागू कर केंद्र सरकार ने करोड़ों मजदूरों की सुरक्षा और अधिकारों को छीन लिया है। आज देश के 40 करोड़ से ज्यादा श्रमिक सड़कों पर हैं, लेकिन सरकार चुप है। यह चुप्पी अब नहीं चलेगी। हम गांव-गांव, गली-गली तक इस आवाज को पहुंचाएंगे और मजदूरों के खिलाफ लाए गए काले कानूनों को वापस लेने के लिए सरकार को विवश करेंगे। मौके पर सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि जब तक मजदूरों की मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर कांग्रेस के संजीव कुमार, राजद के रंजन यादव, एटक के अशोक यादव, सच्चिदानंद मिश्रा, भाकपा माले के विनोद सिंह, शुभेंदु सेन, सीटू के प्रतीक मिश्रा, माकपा के समीर दास, कर्मचारी महासंघ के सुनील साहू, सुखनाथ लोहारा, छुमु उरांव सहित कई संगठनों के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

अमित शाह पहुंचे रांची, हुआ स्वागत

रांची। सेना के विशेष विमान से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रांची पहुंचे। सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक गीत संगीत और फूलों की वर्षा से उनका स्वागत किया। वहां से वे होटल रेडिशन ब्लू के लिए रवाना हो गए। सीएम हेमंत सोरेन उनके बाद पहुंचे जो आज की बैठक में शामिल होंगे। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के करीब 70 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। श्री शाह का रांची एयरपोर्ट पर बाबूलाल मरांडी, डॉ रविंद्र राय, रघुवर दास,अर्जुन मुंडा, वरुण साहू, बलराम सिंह सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

कांग्रेस प्रभारी पहुंचे झारखंड, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

रांची। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू बुधवार को राज्य के दौरे पर आए। के. राजू देवघर पहुंचे, जहां एयरपोर्ट पर पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद पार्टी प्रभारी पार्टी नेताओं के साथ संगठन की मजबूती पर चर्चा की। इसके बाद वे गोडडा पहुंचे और पार्टी की ओर से आयोजित गोडडा, साहेबगंज और पाकुड़ जिले के प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड पर्यवेक्षक और मंडल अध्यक्ष एवं जिला पर्यवेक्षकों बैठकी की बैठक में शामिल हुए। प्रदेश प्रभारी गुरुवार को गिरिडीह जाएंगे, जहां वे नवनिर्मित जिला कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन करेंगे।

तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम 'टैक्सपेयर हब' शुरू

करदाताओं में विकसित होगी कर प्रणाली की बेहतर समझ

- **पहले दिन नवीन आयकर बिल 2025, टीडीएस, आयकर रिटर्न अपडेट पर दी गई जानकारी**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के रांची क्लब में बुधवार को तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम 'टैक्सपेयर हब' का शुभारंभ हुआ। इसका आयोजन आयकर विभाग ने किया था। झारखंड और बिहार क्षेत्र के करदाताओं के लिए यह आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य करदाताओं में कर प्रणाली की बेहतर समझ विकसित करना, स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक वर्गों के साथ सहभागिता को मजबूत करना है। यह कार्यक्रम 10 और 11 जुलाई 2025 को भी जारी रहेगा।

आज के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), नई दिल्ली के प्रधान महानिदेशक (प्रशासन एवं करदाता सेवा), प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (बिहार एवं झारखंड), आयकर महानिदेशक (अन्वेषण), पटना तथा मुख्य आयकर आयुक्त, रांची सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में करदाता, पेशेवर, व्यापारी, छात्र और आम नागरिक भी शामिल हुए। आज पहले दिन की प्रमुख गतिविधियों में नवीन आयकर बिल 2025, टीडीएस, आयकर रिटर्न अपडेट, कर छूट, शिकायत निवारण प्रणाली तथा प्रेरक अभियान जैसे विषयों पर विशेष जानकारी सत्र आयोजित किए गए। बड़े उद्योगों, राज्य कर्मियों और व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद सत्र भी सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

इसके साथ ही, विद्यालयी छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बुधवार को क्षेत्रीय अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें बार एसोसिएशन, आईसीएआई और व्यापारिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता देखी गई।

'नए भारत की नई कर संस्कृति' की ओर ठोस प्रयास है 'टैक्सपेयर हब'

'टैक्सपेयर हब' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह 'नए भारत की नई कर संस्कृति' की ओर एक ठोस प्रयास है। यह पहल पारदर्शिता, सहभागिता और करदाता-सुविधा को केंद्र में रखकर आयकर विभाग की सेवा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह कार्यक्रम आगामी दो दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें और भी विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। विभाग इस नवाचार को देशभर के अन्य हिस्सों में विस्तार देकर एक राष्ट्रीय मॉडल के रूप में विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

विचार-विमर्श

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित रक्षा मंत्रालय में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान रांची के विधायक, पूर्व मंत्री और झारखंड के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह भी मौजूद थे।

टैक्स के मुकाबले जनता नहीं पा रही सुविधाएं : रामप्रकाश

रांची। स्वतंत्र राष्ट्रवादी पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष राम प्रकाश तिवारी ने कहा है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार आम जनता से विभिन्न तरह के टैक्स आयकर, जीएसटी टैक्स, बिजली बिल, होल्डिंग टैक्स वसूलती है, लेकिन उस हिसाब से आम नागरिकों को सुविधाएं नहीं देती है। उन्होंने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सरकारी योजनाओं की लूट और घोटालों से भ्रष्ट नेता, अफसर, ठेकेदार और दलाल एवं राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय कंपनियां मालामाल हो रही हैं। दूसरी ओर अधिकांश आबादी मुल सुविधाओं से वंचित है। केंद्र और राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं, मजदूरों को रोजगार मुहैया नहीं करा रही है। तिवारी ने कहा कि दलाल और बिचौलिए किसानों का हक मार रहे हैं।

आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वन प्रजातियों के आनुवंशिक सुधार पर कार्यशाला शुरू

हरित क्रांति का देश की कृषि पर पड़ा सकारात्मक प्रभाव : डॉ सुजय रक्षित

डॉ अमित ने बंजर भूमि योग्य वनीय पौधों के आनुवंशिक सुधार के लिए विशेष शोध की बात कही

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, वन उत्पादकता संस्थान, रांची में निदेशक डॉ अमित पांडेय के मार्गदर्शन में 'आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वन प्रजातियों के आनुवंशिक सुधार में उभरती प्रौद्योगिकी' विषय पर वैज्ञानिकीय सम्मेलन के लिए बुधवार को तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारतीय कृषि-जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची के निदेशक डॉ सुजय रक्षित एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। कार्यशाला में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डॉ अमित पांडेय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने संस्थान द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार के शोध कार्यों की चर्चा की और झारखंड के बंजर भूमि योग्य वनीय पौधों के आनुवंशिक सुधार के लिए विशेष शोध करने का आह्वान किया। वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन और उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला के वरीय वैज्ञानिक डॉ अनिमेष सिन्हा ने मंचासीन अतिथियों का परिचय कराते हुए कार्यशाला की विस्तृत रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

आज व कल वृक्ष प्रजनन, जीआईएस जैसे विषयों पर दी जाएगी जानकारी : तीन दिवसीय कार्यशाला में आगामी दो दिनों में वृक्ष प्रजनन, रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस, सांख्यिकीय मॉडलिंग जैसे विषयों पर तकनीकी सत्र, प्रयोगात्मक प्रदर्शन एवं सहभागिता आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सभी प्रतिभागियों को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, वन उत्पादकता संस्थान, रांची के उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला, जैव रसायन, आणविक, मिट्टी जांच आदि प्रयोगशालाओं एवं उत्तक संवर्धन प्रशाखा द्वारा तैयार पौधों की नर्सरी और पौधों की वृद्धि संबंधित जानकारी दी जाएगी।

इंडिया

पूज्य गुरुदेव मास्टर साहब से सेवा प्रदाता व्यवसायी तक

गुरु पूर्णिमा पर्व हिंदू, बौद्ध और जैन अपने आध्यात्मिक शिक्षकों के सम्मान और उन्हें अपनी कृतज्ञता अर्पित करने के रूप में आषाढ़ की पूर्णिमा (जून-जुलाई) को मनाते रहे हैं । महात्मा गांधी अपने आध्यात्मिक गुरु श्रीमद राजचन्द्र को सम्मान देने के लिए मनाते थे । भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत उच्च और पूजनीय माना गया है। 'गु' का अर्थ है अंधकार और 'रु' का अर्थ है प्रकाश। जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाए, वही सच्चा गुरु होता है। गुरु हमें सही मार्ग दिखाते हैं, जीवन को सार्थक बनाते हैं। सनातन भारतीय परंपरा में यह दिन गुरु को प्रणाम करने, उनसे आशीर्वाद लेने और उनके उपदेशों को स्मरण करने का होता है जिस कारण अध्यात्म, शिक्षा, संस्कृति और संस्कारों के रूप में जुड़ा हुआ है। प्राचीन गुरुकुल प्रणाली से लेकर आज के विदेशी मॉडल के आधुनिक शिक्षण संस्थानों तक, गुरु का स्थान अपरिवर्तित रहा है। वे न केवल विषय ज्ञान देते हैं बल्कि चरित्र निर्माण, नैतिकता, अनुशासन और आदर्शों का बीजारोपण भी करते हैं। कबीरदास जी ने कहा था-'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताए।

'प्राचीन भारत में शिक्षक को गुरु यानी राह दिखाने वाला माना जाता था और इसलिए गोविंद यानी ईश्वर से भी ऊपर उनका स्थान बताया गया था जो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग बताते थे ।गुरु और शिष्य की परंपरा एक संस्कार की तरह थी जिसमें से योग्य नागरिक या राजा निकलते थे ।गुरुकुल में कृष्ण और सुदामा एक साथ पढ़ते थे वहां कोई राजा या कोई दरिद्र नहीं था ।धीरे धीरे भारत में लुटेरे और आक्रमणकारी आए और यहां की सभ्यता संस्कृति के ताने बाने को नष्ट कर दिया । पश्चिमी और पूर्वी सभ्यता में भी मौलिक अंतर भावना का था ।शिक्षक बिना किसी भेदभाव के पढ़ाने को अपना धर्म समझते थे पर जैसे जैसे राजा और प्रजा में अंतर आता गया वैसे वैसे दोनों की शिक्षा बदलती चली गई। भेदभाव का यह अंतर अंग्रेजों के राजकाज में सबसे ज्यादा बढ़ा और एक स्पष्ट सीमारेखा सी खींच दी गई ।भारत की आजादी के बाद सत्ता पक्ष और धनाढ्य वर्ग अधिक से अधिक पैसे खर्च कर सबसे अच्छे शिक्षकों की सेवा लेने लगा जबकि आम आदमी सरकारी या कम पैसे में काम करने वाले शिक्षकों के पास बच्चों को पढ़ाने को अपनी कमजोरी मान बैठा। यहां से एक वर्ग संघर्ष और पैसे कमाने के लिए कोई भी रास्ता अपनाने की होड़ मच गई जिससे समाज में भ्रष्टाचार बढ़ा। आज यह खाई इतनी बड़ी हो गई है कि समाज में बड़े अंग्रेजी स्कूलों और श्रेष्ठ संस्थानों में पढ़े और हिंदी माध्यम से पढ़े लोगों के बीच एक दूसरे के प्रति अविश्वास और भय बना हुआ रहता है या बहुत हद तक घृणा का भाव आ गया है ।सरकारी शिक्षण संस्थानों के श्रेष्ठ शिक्षक जो कभी भारत के सच्चे नागरिक देने वाले गुरु थे अब पैसे लेकर सेवा देने वाले सेवा प्रदाता बनते जा रहे हैं जिससे उनके अंदर भी पैसे की भूख बढ़ी है दूसरी ओर विद्यार्थी जो पहले उनके पैर छूता था अब पश्चिमी देशों की तरह साथ में पार्टी मनाने का ऑफर कर रहा है। यह इस परंपरा और मूल्यों वाले देश के घातक है। सरकारें समान शिक्षा व्यवस्था के नाम पर पाठ्यक्रम तक समान नहीं कर पा रही हैं। पब्लिक स्कूलों की किताबें और सरकारी स्कूलों की किताबें तक अलग हैं । नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी कितनी कारगर हो पाएगी और केंद्रीय सरकार देश भर में फैले शिक्षा माफिया के सामने कितनी मजबूती से टिक पाएगी यह देखना शेष है ।अभी कमजोर पड़ती सरकारी शिक्षा व्यवस्था और जड़ें जमाती कोचिंग और निजी शिक्षा में अंतर सिर्फ खर्च या गुणवत्ता का नहीं है बल्कि माहौल का है।

सरकारी शिक्षण संस्थान अलाभकारी होने के कारण भारत की शिक्षा की मूल अवधारणा शिक्षा दान पर आधारित थे जबकि निजी संस्थान लाभकारी व्यवसाय की अवधारणा पर आधारित होने के कारण श्रेष्ठता का प्रयास तो करते ही हैं पर उनका लक्ष्य सिर्फ लाभ कमाना होने के कारण उनके शिक्षक महंगे सेवा प्रदाता बन जाते हैं जिससे संस्थान रिजल्ट तो अच्छा देते हैं पर शिक्षकों का वह सम्मान नहीं रह पाता जो कभी गुरु का हुआ करता था। अनेक विद्यार्थी मेडिकल, इंजीनियरिंग,आइटी या प्रबंधन जैसे संस्थानों ने निकलकर सेवा नहीं मात्र मेवा की राह संभवतः इसीलिए पकड़ते हैं।

अड़की के कोचांग के पास जंगल में 18 आईईडी बरामद

नवीन मेल संवाददाता

रांची/पश्चिम सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान में बुधवार को सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली। चाईबासा पुलिस, खूँटी पुलिस, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान दल ने चाईबासा और खूंटी जिले की सीमा से लगे जंगली पहाड़ी क्षेत्र (अड़की थाना क्षेत्र के कोचांग के पास) में तलाशी अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए करीब 18 शक्तिशाली आईईडी (प्रत्येक का वजन लगभग तीन-तीन किलोग्राम) बरामद किए। बरामद आईईडी को बम निरोधक दस्ते की सहायता से मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक को आठ जुलाई को गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा और अन्य नक्सली अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा एवं कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों की योजना बना रहे हैं। सूचना में यह भी कहा गया था कि नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से पश्चिमी सिंहभूम और खूंटी जिलों के सीमावर्ती जंगली पहाड़ी क्षेत्र में गोला-बारूद एवं विस्फोटक छिपाकर रखा है।

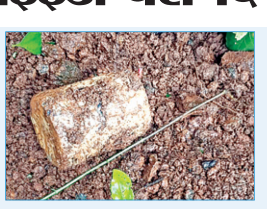

- प. सिंहभूम व खूंटी पुलिस तथा झारखंड जगुआर व सीआरपीएफ के अभियान में मिली सफलता

आषाढ़ शुक्ल पक्ष 15, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

रांची, गुरुवार
10 जुलाई 2025
वर्ष-26, अंक-158, पृष्ठ-12

रांची का तापमान

कांके		रांची	
अधिक.	27.0°	अधिक.	25.8°
न्यून.	22.5°	न्यून.	23.0°

सैनिकों की वीरता व शहादत को नमन

राष्ट्रीय नवीन मेल

खुशबू बरनवाल 'सीपी'

'ऑपरेशन सिंदूर' नाम ने हम सब में ऊर्जा के भाव का संचार किया है। आज बच्चा-बच्चा 'ऑपरेशन सिंदूर' को जानता है और भविष्य में आने वाली पीढ़ी इसे जान सके, इसके लिए लेखनी के सिपाही उन वीरों को अपने शब्दों से पन्नों को सिंदूरी कर नमन करते रहेंगे। जिस सिंदूर को कमजोर समझ कर मिटाया गया था, उसे 'सिंदूर' ऑपरेशन ने अपना रंग उन सभी को रंग कर सिंदूरी प्रभाव दिखाया। जिन महिषासुर रूपी आतंकवादियों ने नारियों को अबला समझा शेष पेज 9 पर

राजस्थान में वायुसेना का फाइटर जेट हुआ क्रैश

जयपुर। राजस्थान के चूरू जिले के रतनगढ़ तहसील में बुधवार की दोपहर भारतीय वायुसेना का एक जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया। इस हादसे में सेना के दो पायलट के शहीद होने की आशंका जताई जा रही है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, यह विमान सूरतगढ़ बेस से उड़ान भरने के बाद भनोदा गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए वायुसेना ने जांच शुरू कर दी है। हादसा दोपहर करीब 1:25 बजे हुआ। शेष पेज 9 पर

दिशोम गुरु की सेहत में है काफी सुधार

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती राज्यसभा सदस्य और झामुमो के संरक्षक दिशोम गुरु शिबू सोरेन अब खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि गुरुजी की सेहत में काफी सुधार हुआ है। डॉक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है। हालांकि, पूरी तरह स्वस्थ होने और अस्पताल से छुट्टी मिलने में अभी समय लग सकता है। मिली जानकारी के अनुसार, कुछ दिनों में उनकी एक सर्जरी की जा सकती है। फिलहाल वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। पारिवारिक सदस्यों को छोड़कर किसी को भी उनसे मिलने की अनुमति नहीं है। ज्ञात हो कि शिबू सोरेन को विगत 19 जून को ब्रेन स्ट्रोक और किडनी संबंधी समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उनकी लगातार देखभाल और निगरानी की जा रही है

चिकित्सकों की सतर्कता और उपचार के कारण उनकी स्थिति में सकारात्मक प्रगति देखी जा रही है। शेष पेज 9 पर

बाबूलाल दिल्ली में मुख्यमंत्री से मिले

नवीन मेल डेस्क

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को दिल्ली में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान मरांडी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के स्वास्थ्य के संबंध में उनसे जानकारी ली। मरांडी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है, हम सभी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। ईश्वर उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य प्रदान करें, ताकि उनका सान्निध्य हमें पुनः प्राप्त हो।

शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की ली जानकारी

ट्रेड यूनियनों की देशव्यापी आम हड़ताल और चक्का जाम का रहा मिलाजुला असर

हड़ताल से 550 करोड़ का कारोबार प्रभावित

रांची में 80 से 100 करोड़ रुपए का व्यवसाय हुआ प्रभावित

बैंकिंग, कोयला, बीमा एवं अन्य क्षेत्रों पर पड़ा हड़ताल का असर

नवीन मेल डेस्क

रांची। ट्रेड यूनियनों की देशव्यापी आम हड़ताल और चक्का जाम आंदोलन का राज्य में बुधवार को मिलाजुला असर देखा गया। राज्य में सबसे विपरीत असर कोयला क्षेत्र पर देखा गया। इस हड़ताल से कोयले का खनन, लोडिंग और ढुलाई पूरी तरह से प्रभावित हुई। कोयला क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत काम ठप रहा। राज्यभर में लगभग 15 लाख मजदूर और विभिन्न विभागों के कर्मचारी हड़ताल पर रहे। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष परेश गट्टानी के अनुसार, हड़ताल की वजह से 550 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित हुआ है। राजधानी रांची में 80 से 100 करोड़ रुपए का व्यवसाय प्रभावित हुआ है। राजधानी रांची सहित बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, हजारीबाग, चाईबासा, लोहरदगा और अन्य जिलों में वामपंथी दलों, ट्रेड यूनियनों और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने रैली और प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध किया। इधर, राजधानी रांची में अल्बर्ट एक्का चौक पर दो घंटे तक चक्का जाम कर आमसभा की गई। झामुमो, कांग्रेस, राजद, भाकपा, भाकपा माले और माकपा जैसे दलों ने हड़ताल का खुलकर समर्थन किया। रांची स्थित दरभंगा हाउस स्थित सीसीएल, सीएमपीडीआई में कामकाज पूरी तरह से ठप रहा। सीसीएल, बीसीसीएल और ईसीएल जैसी कंपनियों में भी कार्य ठप रहा। बैंक और इंश्योरेंस क्षेत्र पूरी तरह से बंद रहा। इसके अलावा, हड़ताल के चलते राज्य सरकार का भी लगभग 50 प्रतिशत काम प्रभावित हुआ।

वहीं, श्रमिक संगठनों ने 17 सूत्री मांगों के समर्थन में काम बंद कर प्रदर्शन किया। इसमें निजीकरण रोकना, रोजगार सुनिश्चित करना, मूल्य वृद्धि पर रोक लगाना, करों और शुल्कों का शेष पेज 9 पर

झारखंड में शांतिपूर्ण रहा भारत बंद और हड़ताल

झारखंड में भारत बंद और हड़ताल का शांतिपूर्ण, संगठित और प्रतीकात्मक असर देखा गया। इसमें मजदूरों की भागीदारी और संगठनों की एकता ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। हड़ताल के दौरान सरकारी बसें सामान्य रूप से चलती रहीं। हालांकि, कुछ रूटों पर प्रदर्शनकारियों की ओर से अवरोध के कारण सेवाएं अस्थायी रूप से बाधित हुईं। अधिकांश सरकारी कार्यालयों में सामान्य उपस्थिति देखी गई, लेकिन कई कर्मचारियों ने हड़ताल को नैतिक समर्थन दिया।

हज 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, 31 तक भरें ऑनलाइन फॉर्म

उदय चंद्र सिंह

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अधीन भारतीय हज समिति ने हज 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। हजयात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे भारतीय मुस्लिमों के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। ऑनलाइन आवेदन 7 जुलाई 2025 से शुरू होकर 31 जुलाई 2025 रात 11:59 बजे तक किए जा सकते हैं। हजयात्री हज समिति की आधिकारिक वेबसाइट www.hajcommittee.gov.in या 'हज सुविधा' मोबाइल ऐप के जरिए आवेदन कर सकते हैं। यह ऐप आईओएस और एंड्रॉयड दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

उल्लेखनीय है कि झारखंड से भी हर साल हज के लिए लगभग 2,000 से 2,500 हजयात्री जाते हैं, हालांकि यह संख्या वर्ष-दर-वर्ष अलग होती है। शेष पेज 9 पर

झारखंड हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद की सजा बढ़ाने की याचिका स्वीकार की

नवीन मेल डेस्क

- दो अन्य के खिलाफ भी सीबीआई ने की है सजा बढ़ाने की अपील
- चारा घोटाले में देवघर ट्रेजरी से 89 लाख की फर्जी निकासी का मामला

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने चारा घोटाले के देवघर ट्रेजरी से 89 लाख रुपए की फर्जी निकासी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद, बेक जूलियस और सुधीर कुमार भट्टाचार्य की सजा बढ़ाने की सीबीआई की क्रिमिनल अपील स्वीकार कर ली। न्यायाधीश रंगोन मुखोपाध्याय और अंबुज नाथ की पीठ ने सीबीआई की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला लिया। सीबीआई ने चारा घोटाले में देवघर ट्रेजरी से हुई अवैध निकासी के मामले में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की शेष पेज 9 पर

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक

27th MEETING OF THE EASTERN ZONAL COUNCIL

अन्तर राज्य परिषद सचिवालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

Inter State Council Secretariat, Ministry of Home Affairs, Government of India

दिनांक: 10 जुलाई, 2025 रांची, झारखण्ड

झारखण्ड में माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री, बिहार और पश्चिम बंगाल के माननीय मंत्रियों तथा भारत सरकार एवं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद के सदस्य राज्यों के प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत और जोहार है।

PR No. 356936 (IPRD) 2025-26

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

मनोरंजन बैंक के नकली नोट थमाकर मजदूरों से मजाक

नवीन मेल संवाददाता

तोरपा। वन विभाग द्वारा मजदूरों को भुगतान के रूप में नकली मनोरंजन बैंक के नोट दिए जाने का मामला सामने आया है। इन नोटों की कोई कानूनी वैधता नहीं है, जिससे मजदूर परेशान और ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। मजदूरों को काम के बदले जो भुगतान किया गया, वह असली मुद्रा की जगह मनोरंजन बैंक के नकली नोट थे। ये नोट देखने में बच्चों के खिलौने जैसे हैं, जिन पर साफ-साफ मनोरंजन बैंक लिखा हुआ है। जानकारी अनुसार ग्राम प्रधान बेर्नाड आइंड ने वनरक्षी राहुल कुमार महतो पर आरोप लगाया है कि एरमेरे गांव में वन विभाग के द्वारा 25000 पौधरोपण किया जा रहा है। जिसके तहत मजदूरों को मजदूरी दिया जाना है।

मजदूरों पेमेंट विभाग करती है : प्रभारी वनरक्षी

प्रभारी वनरक्षी अविनाश लुगुन ने कहा कि मनोरंजन बैंक के नोट का मामला विभाग को एरमेरे गांव के कुछ लोग बदनाम करने के लिए ऐसे मनगढ़ंत मामला उठाया है। मजदूरों को भुगतान करने के लिए सभी मजदूरों को एक साथ विभाग ही पेमेंट करती है। न कि किसी को बांटने के लिए पैसे देती है। पहले ही गांव के एक ग्रामीण के पास एक बंडल मनोरंजन बैंक का पैसा रखे हुए था। रविवार को वनरक्षी राहुल कुमार महतो देर शाम को कटहल लेने के लिए एरमेरे गया था। उसी वक्त जिसके पास मनोरंजन बैंक का नोट था उसे देखने के लिए मांगा ठीक उसी समय कटहल उसके हाथ में दिया था तो राहुल ने जाली नोट के बंडल को ग्राम प्रधान को पकड़ा दिया था। उस मामले को ही तूल पकड़ा दिया।

झारखंड प्रदेश आंगनबाड़ी वर्कर्स यूनियन ने की हड़ताल

नवीन मेल संवाददाता

सोनाहातू। झारखंड आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने शांतिपूर्ण तरीके से बाल विकास परियोजना कार्यालय सोनाहातू में धरना-प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और विभिन्न क्षेत्रीय फेडरेशनों के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में किया गया। इस दौरान सभी आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहे। इसके लिए सुबह 10 बजे से शाम तीन बजे तक का समय निर्धारित किया था। हड़ताल पर मौजूद सेविका और सहायिका ने बताया कि यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया गया। धरना के दौरान एक मांग पत्र प्रधानमंत्री के नाम सौंपा गया। संघ का आरोप है कि आंगनबाड़ी कर्मियों का मानदेय, सेवा शर्तें, स्थायीकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसी मांगें लंबे समय से लंबित हैं केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा बार-बार आश्वासन के बावजूद इन मुद्दों का समाधान नहीं किया जा रहा है।सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं को न्यूनतम सम्मान और सुविधा नहीं मिल रही है इससे कर्मियों में नाराजगी है।

हज के सफर से वापस इटकी लौटे हाजी

इटकी। हजयात्रा 2025 में गए हजयात्रियों के वापसी का सिलसिला शुरू हो चुका है। इसी क्रम में इटकी से गए हजयात्री मंगलवार को जेद्दा से कोलकाता पहुंचे जहां जरूरी कागजी कारवाई करने के बाद बुधवार सुबह 8 बजे इटकी पहुंचे। इटकी वासियों ने सभी हाजियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। सुबह होते ही हाजियों के स्वागत के लिए इटकी के साहेब मोड़ के पास लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। हाजियों से गले मिलकर लोगों ने हज की मुबारकबाद दी। सभी हाजी वहां से जामा मस्जिद पहुंचे जहां सामुहिक दुआ हुई। मस्जिद के बाहर भी लोगों ने क़तार में खड़े होकर हाजियों का इस्तकबाल किया | ज्ञात हो कि इस बार इटकी से 43 हजयात्री हज करने गए थे जिनमें अल्हाज तनवीर जमाल, हाफ़िज़ वसीम, फिरोज़ आलम, अबु नस्त्र, आफताब आलम, मोहम्मद अरशद, जहीर आलम, मोहम्मद तौहीद, शम्स तबरेज, मोहसिन जफर, मोहम्मद समीउद्दीन, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद उस्मान, अब्दुल करीम, मोहम्मद इमदाद, मोहम्मद खुर्शीद, मोहम्मद उबैदउल्लाह के नाम शामिल हैं | साथ ही इटकी के डॉ. साकिब जमाल का चयन हजयात्रा 2025 की मेडिकल टीम में किया गया था जिनकी वापसी कुछ दिन पहले हो चुकी है |

राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का एनके एरिया में व्यापक असर

ठप हुआ कोयला उत्पादन

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। केंद्र सरकार की श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ बुधवार को आयोजित राष्ट्रव्यापी हड़ताल का खलारी स्थित सीसीएल के एनके एरिया में व्यापक असर दिखा। एरिया की डकरा, रोहिणी सहित सभी प्रमुख परियोजनाओं में श्रमिक संगठनों के आह्वान पर अधिकतर मजदूर हड़ताल में भाग लिया। हड़ताल के कारण कोयला उत्पादन और उत्प्रेषण कार्य पूर्णतः प्रभावित रहा। डकरा व रोहिणी परियोजनाओं में आपरेटरों के हड़ताल पर रहने के कारण मशीनें खड़ी रहीं। वहीं केडीएच और डकरा साइडिंग में स्टाफ की अनुपस्थिति से कोयला की ढुलाई नहीं हो सकी। यूनियनों के संयुक्त मोर्चा ने आंदोलन को प्रभावी बताते हुए दावा किया कि एनके एरिया में करीब 80 प्रतिशत मजदूर हड़ताल पर रहे। हड़ताल की सफलता को लेकर एटक, सीटू, कोलफील्ड मजदूर यूनियन, राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन सहित अन्य यूनियनों के प्रतिनिधि सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करते रहे। हालांकि, सीसीएल प्रबंधन ने हड़ताली गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सख्त सुरक्षा व्यवस्था की थी। सभी परियोजनाओं के हाजिरी घरों के पास सीआईएसएफ की तैनाती बढ़ा दी गई थी। हड़ताल को सफल बनाने में एटक, सीटू, जनता मजदूर संघ, कोलफील्ड मजदूर यूनियन, राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन, झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन, अखिल झारखंड श्रमिक संघ व रैयत विस्थापित मोर्चा के पदाधिकारी और समर्थक शामिल थे। एनके एरिया महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में बनाए गए कंट्रोल रूम से सभी परियोजनाओं की निगरानी की जा रही थी। प्रबंधन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रथम पाली में 40 प्रतिशत, जनरल शिफ्ट में 60 प्रतिशत तथा दूसरी पाली में 50 प्रतिशत मजदूर हड़ताल में शामिल हुए। हड़ताल के बावजूद बिजली, पानी, स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं को बहाल रखा गया। जिससे कालोनी में रहने वाले कामगार परिवारों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं हुई। सीसीएल और केंद्रीय सुरक्षा बलों के सहयोग से कालोनी क्षेत्र में शांति बनी रही।

भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध यूनियन सीसीएलसीकेएस इस हड़ताल से अलग रहा। पूर्व में ही इस संगठन ने हड़ताल में भाग न लेने की घोषणा की थी। बीएमएस के पास एनके एरिया में मजबूत श्रमिक आधार है, जिसके कारण प्रबंधन को न्यूनतम स्तर पर कार्य संचालन में सहूलियत मिली। वहीं आरसीएमएस भी हड़ताल से बाहर रहा।

बैंकों पर भी रहा हड़ताल का असर

राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का असर खलारी स्थित राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखाओं पर भी देखा गया।

ऐतिहासिक हड़ताल की तैयारी में हैं एनके एरिया के असंगठित मजदूर

खलारी। सीसीएल एनके एरिया में 13 और 14 जुलाई को होने वाली असंगठित मजदूरों की दो दिवसीय हड़ताल को लेकर बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित मजदूरों ने एकजुटता दिखाते हुए कहा कि यह हड़ताल मजदूरों के अधिकार और सम्मान की लड़ाई है। इसे ऐतिहासिक बनाया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी मजदूरों ने आउटसोर्सिंग कंपनियों और सीसीएल प्रबंधन के समक्ष अपनी प्रमुख मांगों को दोहराया। जिनमें स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने, सीएमपीएफ की राशि का तत्काल भुगतान मांगें प्रमुख हैं। मजदूरों ने स्पष्ट कहा कि हड़ताल के दिन एक भी कोयला लदा रैक नहीं निकलने दिया जाएगा। उनका यह भी कहना था कि असंगठित मजदूर लंबे समय से शोषण का शिकार हैं और अब वे अपने अधिकारों को लेकर किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। बैठक में मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी के अलावा अमजद खान, अशोक सिंह, कृष्णा सिंह, जसीम अंसारी, उपेन्द्र ठाकुर, संदीप कुमार, सिलदेव कुमार, राजीव तूरी, बबलू अंसारी, इरशाद खान, राजू तूरी, मोहन एक्का, महमूद अंसारी, दिलीप साव, वेदप्रकाश पांडेय, आशिक अंसारी, जगमोहन भगत, संतोष सिन्हा, उदय सिंह, प्रवीण सिंह, फारूख अंसारी व जयदीप कुमार सहित अन्य असंगठित मजदूर उपस्थित थे।

कोठार ओवरब्रिज पर बस दुर्घटनाग्रस्त, सात यात्री घायल

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। फोरलेन मार्ग अंतर्गत कोठार ओवरब्रिज के समीप एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह बस रांची से हजारीबाग जा रही थी। दुर्घटना में सात यात्री घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल भेज दिया गया। बताया जाता है की बस जब कोठार ओवरब्रिज के पास पहुंची, सड़क किनारे सवारी खड़ी देख चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। उसी क्रम में पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक ट्रक ने बस में जबरदस्त टक्कर मार दिया । टक्कर से बस में सवार यात्री घबरा गए और कई यात्री अपनी सीटों से उछलकर गिर पड़े। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को सदर अस्पताल भेजा । जबकि ट्रक को जब्त कर लिया गया है।

विनीत कुमार ने मॉरीशस के राष्ट्रपति से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नॉर्वे में आयोजित संयुक्त राष्ट्र इंटरनेट गवर्नेंस फोरम 2025 के दौरान साइबरपीस के संस्थापक और ग्लोबल प्रेसिडेंट विनीत कुमार को मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल से मिले। इस दौरान विनीत कुमार ने राष्ट्रपति गोखूल को "साइबर डिप्लोमेसी" विषय पर आधारित साइबर शांति पुस्तक की एक प्रति भेंट की। वहीं संगठन द्वारा वैश्विक स्तर पर किए जा रहे साइबर शांति प्रयासों के बारे में जानकारी साझा की। यह संवाद भारत और मॉरीशस के बीच तेजी से बढ़ते साइबर सहयोग और कूटनीतिक रिश्तों को और मजबूती प्रदान करता है। दोनों देशों के बीच का रिश्ता केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि एक साझा शांतिपूर्ण और सहयोगात्मक साइबर स्पेस पर आधारित है। मुलाकात के बाद राष्ट्रपति गोखूल ने सोशल मीडिया पर वीनीत कुमार को धन्यवाद देते हुए यह स्पष्ट किया कि मॉरीशस साइबर सुरक्षा, साइबर रेज़िलिएंस और उभरती तकनीकों में नवाचार के क्षेत्र में सहयोग के लिए तत्पर है।

महिला गई मायके चोर नकदी समेत ढाई लाख के जेवर ले भागे

रांची। रांची के दीपाटोली की रहने वाली नसरीन परवीन घर का ताला तोड़कर चोरों ने नगदी समेत ढाई लाख के जेवरात चुराकर फरार हो गए। घटना पांच जुलाई की है। नसरीन परवीन ने पुलिस को बताया कि पांच जुलाई को अपने मायके डोरंडा गयी हुई थी। घर में ताला लगा हुआ था। शाम सात बजे जब वह लौटी तो देखा कि घर के मुख्य द्वार पर लगा ताला टूटा हुआ था। भीतर सामान बिखरा पड़ा था। घर के अलमीरा में रखे सोने का गला का सेल, मंगटीका व नोजपीन के अलावा 30 हजार नगदी गायब है। जिसके बाद वह पुंदाग ओपी पहुंची और मामला दर्ज कराया।

सकारात्मक सोच दिलाती है फतह व सफलता : मुकेश चौहान

नवीन मेल संवाददाता

मांडर। लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी क्लास के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को मांडर के संत अन्ना प्लस टू कॉन्वेंट स्कूल में खुशी क्लास का आयोजन हुआ। अध्यक्षता व संचालन प्रिंसिपल अलेक्सिया बेक ने किया। इसके पूर्व स्कूल परिसर में पौधरोपण भी हुआ। आईएचएम के प्रिंसिपल डॉ भूपेश कुमार व संत अन्ना की प्रिंसिपल ने सामुहिक रूप से पौधरोपण किया। तत्पश्चात स्कूल के कॉन्फ्रेंस हॉल में खुशी क्लास अयोजित हुआ। खुशी क्लास के संस्थापक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि तनाव, डिप्रेशन अपने जीवन में आस-पास भी फटकने नहीं देनी है। सकारात्मकता से खुशी जगती है और यही खुशी मंजिल तक ले जाती है। उन्होंने कहा सैकड़ो बार असफल होने के बावजूद थॉमस एडिसन ने बल्ब का आविष्कार किया था, महाभारत के स्वयंवर में अर्जुन को न हीं कोई तालाब दिखा न हीं मछली, अर्जुन को सिर्फ मछली का आंख ही दिखता रहा और लक्ष्य भेदन किया, यह उनके सकारात्मक विचार के कारण ही संभव हुआ। उन्होंने कहा हर विजेता बोलते हैं कि मुझे कुछ करना चाहिए, जबकि हारने वाले बोलते हैं कि कुछ होना चाहिए। बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे की सोचो क्योंकि विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। कोई भी मानव जन्म से कमजोर नहीं होता, सिर्फ उसकी सोच ही उसे कमजोर बनाता है। प्रिंसिपल अलेक्सिया बेक ने अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूरे झारखंड में चलाया जा रहा यह अभियान हृदय को छू जाता है।17 जिलों में 499 स्कूल-कॉलेजों में आयोजन के बाद 500 क्लास के रूप में खुशी क्लास का हमारे स्कूल में लगना गौरव की बात है। उन्होंने कहा भाग दौड़ के जीवन में मानव को आज प्रसन्न रहना एक चुनौती है। अपितु जीवन गीली मिट्टी के समान होता है, जिसे सांचे में ढालना पड़ता है, तब जीवन का उद्देश्य एवं परिणाम लक्षित होता है। वर्ग 11 की छात्रा चैतन्या तिवारी ने खुशी क्लास के प्रति अपनी नजरिया बता सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक ने की कोषांगों की समीक्षा, कहा

डाटा इंट्री गलत होगा तो सही लक्ष्य प्राप्त करने में परेशानी होगी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने नामकुम स्थित आरसीएच सभागार में बुधवार को एनएचएम के सभी कोषांगों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लागू होने से क्या-क्या फायदे हुए, कौन सी योजनाएं लागू नहीं हो पाई और क्या कमियां रह गई इसका आंकलन कर प्रतिवेदन समर्पित करें। उन्होंने सावधानी पूर्वक डाटा इंट्री के निर्देश दिए और समय-समय पर उसकी जांच-पड़ताल की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि डाटा इंट्री गलत होगा तो सही लक्ष्य प्राप्त करने में परेशानी होगी, जिसका गलत असर स्वास्थ्य व्यवस्था पर पड़ेगा।

स्वास्थ्य संस्थानों में आईईसी का पूरा करें इस्तेमाल : अभियान निदेशक ने स्वास्थ्य गतिविधियों के प्रचार-प्रसार पर ध्यान देने का निर्देश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया कि स्वास्थ्य संस्थान के बाहरी परिसर में पोस्टर, फ्लेक्स, बैनर के माध्यम से स्वास्थ्य योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें। अभियान निदेशक ने आधारभूत संरचना के निर्माण से सम्बन्धित लंबित योजनाओं की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने झारखंड राज्य भवन निर्माण कॉरपोरेशन लिमिटेड के जीएम एके दीपक से आग्रह किया कि उनके विभाग की ओर से बनाए गए स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण से संबंधित पूर्ण और निर्माणाधीन संरचना का अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने सभी 84 स्वास्थ्य संस्थानों के लक्ष्य सर्टिफिकेशन कराने का निर्देश दिया। विदित हो कि अब तक राज्य के 19 संस्थानों का लक्ष्य के अनुरूप प्रमाणीकरण किया गया है वहीं 3 संस्थानों को राष्ट्रीय स्तर का लक्ष्य प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। अभियान निदेशक ने कोषांग प्रभारी को निर्देश दिया कि लक्ष्य सर्टिफिकेशन में आ रही परेशानियों को दूर करते हुए सभी लक्ष्य प्राप्त करें।

सभी रिक्त पदों का विज्ञापन जारी करने का निर्देश

अभियान निदेशक ने मानव संसाधन कोषांग प्रभारी को निर्देश दिया की रिक्तियों का विज्ञापन यथाशीघ्र जारी करें। इसके अलावा अभियान निदेशक ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, पीसीपीएनडीटी, सिकल सेल, क्वालिटी एश्योरेंस, समुदायिक उत्प्रेरण कोषांग सहित अन्य कोषांगों की भी समीक्षा की। बैठक में सभी कोषांग प्रभारी, सभी परामर्शी, समन्वयक सहित एनएचएम के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बेड़ो की पुरानी इकाई भंग कर नई नगर कार्यकरिणी की हुई घोषणा

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 77वां स्थापना दिवस मनाया गया। मौके पर बेड़ो की पुरानी नगर कार्यकरिणी इकाई को भंग करते हुए वर्ष 2025-2026 के लिए नई नगर कार्यकरिणी इकाई की घोषणा की गई। जिसमें मुख्य रूप से नई नगर कार्यकरिणी इकाई में करमचंद भगत महाविद्यालय,बेड़ो के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नितेश कुमार पासवान को नया नगर अध्यक्ष चुना गया । नए नगर उपाध्यक्ष के रूप में नागपुरी विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो. विकास कुमार सिन्हा को चुना गया। वहीं पुनः एक बार फिर विक्रम कुमार महतो को बेड़ो नगर इकाई के नगर मंत्री का दायित्व सौपा गया। इसी तरह से अलग अलग दायित्वों के लिए कई नए कार्यकर्ताओं को नए नगर कार्यकरिणी इकाई में जगह दी मिली दिवाकर महतो को नगर मंत्री, सतीश कुमार को नगर सहमंत्री, मनीषा कुमारी को नगर सहमंत्री, रूपाली ठाकुर को नगर सहमंत्रीकार्यालय मंत्री के रूप में हेमन्त कुमार का चयन किया गया। वहीं कार्यालय सहमंत्री के रूप में अंकित कुमार का चयन किया गया। जबकि कोष प्रमुख योगेश कुमार को कोष सह प्रमुख गौतम कुमार बनाए गए। जबकि मीडिया प्रभारी के रुप में मनीष कुमार सिंह , सोशल मीडिया प्रभारी लक्ष्मण कुमार को बनाया गया। काजल कुमारी को सोशल मीडिया प्रभारी का जिम्मेवारी दी गई। एसएफडी प्रमुख - अनिल कुमार, एसएफडी प्रमुख एसएफडी प्रमुख उन्नति कुमारी एसएफडी सह प्रमुख के दुर्गा कुमार का चयन किया गया।

न्यूज बॉक्स

राहे में बीएलओ को मिला तकनीकी प्रशिक्षण

राहे। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को लेकर राहे प्रखंड सभागार में तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ अशोक कुमार और तकनीकी सहायक राजकुमार की देखरेख में किया गया। प्रखंड के बूथ संख्या 143 से 197 बूथ से सभी बीएलओ, पर्यवेक्षक, अमीन और आवास समन्वयकों को मतदान केंद्रों के नजरी नक्शा, स्थल सीमांकन एवं मुख्य मानचित्र से संबंधित तकनीकी जानकारी दी। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के तहत हर योग्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में हो, यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। तकनीकी प्रशिक्षण से इस कार्य को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाया जा सकेगा।

अनगड़ा में बारिश से गिरा कच्चा मकान, महिला बेघर

अनगड़ा। प्रखंड की कुच्चू पंचायत के बदरी गांव निवासी पानो देवी का कच्चा मकान तेज बारिश में ढह गया। घटना मंगलवार की रात लगभग 10 बजे की है, जब पानो देवी अपने बच्चों के साथ घर में सो रही थीं। अचानक मकान का आधा हिस्सा खपरैल और बल्ली सहित गिर गया, समय रहते सभी ने भागकर जान बचाई और एक कोने में रात गुजारी। पानो देवी ने बताया कि घर गिरने के बाद अब उनके पास रहने को जगह नहीं बची है और अबुआ आवास भी अब तक नहीं मिला है। जानकारी मिलते ही जेएलकेएम के केन्द्रीय सचिव सह ग्राम प्रधान बालेश्वर बेदिया मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने बीडीओ से पीड़ित को अविलंब अबुआ आवास देने की मांग की है।

बिजली चोरी में 12 के खिलाफ प्राथमिकी 1,88,259 रुपए का जुर्माना

रातू। प्रखंड के गुड़ू और चिपरा में बुधवार को बिजली चोरी के खिलाफ जेई रंजीत कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गई। इस दौरान बिजली चोरी करते 12 लोग पकड़े गए। इनके घरों का तार जब्त कर 1,88,259 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पकड़े गए आरोपियों में जयवंत तिर्की, राजेन्द्र नाम दोनों गुड़ू निवासी पर 30,000, अशोक महतो, रविशंकर महतो, पारस महतो और दिलेश्वर महतो सभी चिपरा निवासी पर 20002 रुपये, कामदेव महतो चिपरा निवासी पर 13501, सुखदेव उरांव गुड़ू निवासी पर 9000, विमल केवट चिपरा निवासी पर 5000, जमील अंसारी भोंडा निवासी पर 9000, सुनील उरांव गुड़ू निवासी पर 5000 और गंगा गोप चिपरा निवासी पर 6750 रुपये जुर्माना लगाया गया है। छापेमारी में रांची से आई टीम शामिल थी।

चकला मोड़ के पास अज्ञात युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

तोरपा। तोरपा थाना क्षेत्र के चकला मोड के पास से पुलिस ने बुधवार को एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। मृतक की उम्र लगभग 22-23 वर्ष होगी। मृतक के चेहरे व अन्य जगहों पर चोट के निशान हैं। इससे आशंका व्यक्त की जाती है पत्थर से कूचकर युवक की हत्या की गयी है। घटनास्थल को देखने से प्रतीत होता है कि किसी अन्य जगह हत्याकांड को अंजाम देकर शव को यहां लाकर फेंक दिया गया है। बुधवार सुबह चकला मोड के पास मुख्य सड़क के नजदीक गड्ढे में शव देखने के बाद लोगों ने तोरपा थाने को सूचना दी। सूचना पाकर एसडीपीओ क्रिस्तोफर केरकेट्टा, थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेमब्रम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया गया। पुलिस शव की पहचान कराने में जुटी है।

नामकुम में दुकान का शटर तोड़कर मोबाइल और नकदी की चोरी

नामकुम। थाना क्षेत्र के सदाबहार चौक स्थित वीणा कम्यूनिकेशंस दुकान का ताला तोड़कर तीन चोरों ने डेढ़ लाख रुपये का मोबाइल और 15 हजार रुपये नकद चुरा लिया। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि घटना रात सवा एक बजे की है। दुकान संचालक संघर्ष रघुवंशी ने बताया कि बुधवार की सुबह आठ बजे जब दुकान खोलने पहुंचे तो शटर का ताला टूटा पाया और शोकेश में रखे महंगे मोबाइल गायब थे। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर जानकारी मिली कि तीनों चोर चायबगान होते हुए कालीनगर की ओर जा रहे हैं। थानेदार रंजीत कुमार ने बताया कि पुलिस ने दुकान संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए एबीवीपी प्रतिबद्ध : अर्जुन मुंडा

खूंटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) खूंटी इकाई द्वारा बुधवार को 77वां स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बिरसा कॉलेज के बहुउद्देश्यीय भवन में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी परिषद का लक्ष्य, उद्देश्य और दृष्टि स्पष्ट है। यह संगठन छात्रों को सकारात्मक दिशा देने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर नैतिक मूल्यों और देशप्रेम की भावना विकसित करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ही देश के भविष्य निर्माता हैं और उनके कंधों पर सशक्त भारत की नींव रखी गई है। इस अवसर पर जैक, सीबीएसई, आईसीएसई, नीट और जेईई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। एबीवीपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिशा दित्या ने कहा कि विद्यार्थी परिषद समाज के सजग प्रहरी तैयार करने का कार्य करती है। उन्होंने छात्रों की छिपी प्रतिभा को पहचान कर सही दिशा देने पर बल दिया। रन हेल्थ केयर के संचालक डॉ रमन कुमार ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में बिरसा कॉलेज खूंटी के प्रभारी प्राचार्य डॉ चंद्र किशोर भगत, मरांगहदा पंचायत की मुखिया प्रेमचंद टूटी, मनोज कुमार, सकलदीप भगत, राजेश महतो, लक्ष्मीकांत बड़ाइक, भीम सिंह मुंडा, एबीभीपी जिला संयोजक पवन कुमार और रांची विभाग संयोजक प्रकाश टूटी सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के मंच संचालन डॉ जया भारती कुजूर ने किया।

परीक्षा नियंत्रक का पद रिक्त, प्रायोगिक परीक्षा के आयोजन पर संकट

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को संघ के अध्यक्ष डॉ एसएम अब्बास के नेतृत्व में प्रभारी कुलपति अंजनी कुमार मिश्रा से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति से विश्वविद्यालय के शिक्षक और शिक्षेतर कर्मचारियों का वेतन जारी करने की वैकल्पिक व्यवस्था करने का अनुरोध किया। वेतन जारी होने में देरी के कारण शिक्षक और कर्मचारी परेशान हैं। विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार का पद रिक्त होने से शिक्षकों व कर्मचारियों का वेतन जारी नहीं हो पाया है। प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति को बताया कि परीक्षा नियंत्रक का पद भी रिक्त हो गया है, जबकि प्रभारी रजिस्त्ट्रार के पद पर नियुक्ति 15 दिनों बाद भी नहीं हो पाई। ये दोनों पद महत्वपूर्ण हैं और दैनिक कार्यों में बाधा डाल रहे हैं। शिक्षकों का कहना था कि परीक्षा नियंत्रक के अभाव में विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की प्रायोगिक परीक्षाएं 10 जुलाई से आयोजित नहीं हो पाएंगी। प्रायोगिक परीक्षाएं परीक्षा नियंत्रक की अनुमति से ही आयोजित की जाती हैं। इस पर कुलपति ने आशा व्यक्त की कि रजिस्ट्रार व परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति आदेश राजभवन से एक-दो दिन में प्राप्त हो जाएगा और इसके बाद इन समस्याओं का समाधान हो भी जाएगा।

नदी नालों के अतिक्रमण का सिलसिला नहीं थम रहा

जहां नदी नाले पर अतिक्रमण वहां फिर बन रहा बड़ा भवन

मनोज मिश्रा। रांची। नदी नालों के अतिक्रमण का सिलसिला नहीं थम रहा है जिसका जीता जागता उदाहरण पंचशील नगर चौक में देखने को मिलता है। जहां नदी नालों की पुष्टि हुई है उसी स्थान पर बन रहा बड़ा भवन चर्चा का विषय बना हुआ है। पंचशील नगर चौक में नेशनल हाईवे 75 की जमीन का अतिक्रमण किया गया और उस जमीन पर पक्के मकान दुकान बना लिए गए। एक व्यक्ति के द्वारा किया गया अतिक्रमण दूसरों के मनोबल को बढ़ाया और देखा देखी में कितने लोग नदी नालों की जमीन पर बस गए। बरसात का पानी जब बाढ़ की शक्ल में बनहोरा नदी से उतरता है तो पंचशील नगर, शाहदेव नगर, शांति नगर और राधा नगर में रहने वालों के जीवन में शामत आ जाती है। वहीं एनएच 75 की सड़क पर जाम लग जाता है। वाहनों की लंबी कतारें लग जाती है। जाम के दौरान फंसे वाहनों में एंबुलेंस भी होती है, जो जितनी जल्दी से जल्दी राजधानी के अस्पताल तक पहुंचाना चाहती है। नदी नालों के अतिक्रमण की सुधि लेने के लिए जिले के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने पूरी टीम के साथ पंचशील नगर का भ्रमण कर अतिक्रमण क्षेत्र को देखा। उन्होंने कहा कि नदी नाले की अतिक्रमण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। 17 साल में पहली बार ऐसा हुआ कि जिले के उपायुक्त ने नदी नाले के अतिक्रमण का दौरा किया और कार्रवाई करने की बात की। इससे आम जनता के बीच में इस बात की चर्चा है कि इस बार का नजारा कुछ अलग देखने को मिलेगा। वहीं सूत्रों से खबर है कि प्रशासन ठोस कार्रवाई करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

अतिक्रमण की जमीन पर फिर शुरु हुआ भवन निर्माण, प्रशासन मौन

पंचशील नगर चौक में नदी नाले के अतिक्रमण से होने वाले नुकसान की खबरें राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक समाचार पत्र लगातार उठाता रहा है। जहां अतिक्रमण की सूचना है उस स्थान पर फिर एक विशाल भवन की नींव डाली गई है और भवन बनना भी शुरु हो गया है। एक ओर सड़क किनारे मापी की जा रही है कि कितना जमीन का अतिक्रमण हुआ है। वही अतिक्रमण की जमीन पर ही फिर एक बड़े भवन का निर्माण अनेक सवालों को जन्म दे रहा है कि किसके इशारे पर भवन निर्माण का काम चल रहा है और प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ डायरेक्ट कार्रवाई करने की दिशा में क्या कदम उठाए हैं।

निगम के कचरे गाड़ी का स्टैंड या यात्री बस स्टैंड

निगम के कचरे की खड़ी गाड़ी से फैलती है बदबू...

नवीन मेल संवाददाता। रांची। खादगढ़ा बस स्टैंड राजधानी का महत्वपूर्ण बस स्टैंड है। यहां सिलीगुड़ी, पूर्णिया, भागलपुर, भुनेश्वर, कटक, कोलकाता, पटना, बनारस, आजमगढ़, बक्सर गोडा, दुमका, पाकुड़, साहेबगंज, कटीहार, संभलपुर, रायपुर, दुर्ग, मिलाई, छत्तीसगढ़, अंबिकापुर, बिहारशरीफ, मुजफरपुर, बेतिया, बेगूसराय, खगड़िया से हजारों यात्रियों का आवागमन प्रतिदिन होता रहता है। निगम ने बस स्टैंड का टेंडर तो दे दिया है मगर बस स्टैंड में ही निगम ने कचरे की गाड़ियां रखी हुई है। इन गाड़ियां की सफाई नहीं होती है जिससे बदबू आती है। वहीं बस स्टैंड में आने जाने वाले लोग परेशान होते हैं। इनमें कचरे की कुछ गाड़ियां ऐसी भी है जिसका अब उपयोग नहीं किया जा सकता है । टूटी फूटी निगम के कचरे की गाड़ी जिसका अब इस्तेमाल नहीं हो रहा है उसे भी खादगढ़ा बस स्टैंड में रखा गया है।, कुछ जली हुई बसें भी बस स्टैंड में लगी हुई है। ऐसी पुरानी गाड़ियां जिसका उपयोग नहीं हो सकता है निगम उसे हटाती है तो अन्य दूसरे वाहनों को स्टैंड में ज्यादा जगह उपलब्ध होगी।

दिव्यांग बच्चे कभी भी अपने आप को असहाय महसूस न करें : राजेश सिन्हा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

● डालसा ने संत मिखाइल दिव्यांग स्कूल में किया विधिक जागरूकता का आयोजन

जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची के सचिव रवि कुमार भास्कर के निर्देश पर दिव्यांग बच्चों के विशेष अभियान के तहत बुधवार को संत मिखाइल दिव्यांग स्कूल, बहुबजार, रांची में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिप्टी एलएडीसी, राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी प्रिया कुमारी, रजनी कुमारी, मो. इमरान, राजा वर्मा एवं संत मिखाइल स्कूल के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। मौके पर डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम-2016 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति समाज के सबसे उपेक्षित वर्गों में से एक हैं। विकलांगता शब्द को एक सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है। माता-पिता सार्वजनिक तौर पर असहज महसूस करते हैं। लेकिन, दिव्यांग बच्चों को एक ऐसी शक्ति ईश्वर द्वारा दी गई है, जो किसी सामान्य बच्चों को नहीं प्राप्त है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे कभी अपने आप को असहाय, असहज महसूस न करें। अपने को हीन भावना से ग्रसित न करें, क्योंकि वे भी समाज का एक हिस्सा हैं। समाज का विकास एक हिस्सा को हटा देने से संभव नहीं है। इसके अलावा, सिन्हा ने दिव्यांग जन अधिकार-2016 के बारे में वहां के छात्र-छात्राओं को बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए संविधान के आर्टिकल-21ए में शिक्षा का अधिकार दिया हुआ है, चाहे समाज के किसी भी तबके के किसी भी तरह के बच्चे हों, उन्हें निःशुल्क शिक्षा मिलनी ही चाहिए। राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उच्च शिक्षा में 5 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है। सरकारी नौकरियों में भी आरक्षण का प्रावधान है। रोजगार के अवसर में आरक्षण का प्रावधान दिया गया है। इनकम टैक्स में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। अगर कोई भी व्यक्ति दिव्यांग व्यक्तियों का अधिकारों का गलत प्रयोग करता है।

लायंस क्लब ऑफ रांची के नए अध्यक्ष बने दिलीप बंका

नवीन मेल संवाददाता। रांची

● सत्र 2025-26 के लिए क्लब की नई कमेटी गठित

लायंस क्लब ऑफ रांची का 66वां पदस्थापना दिवस बुधवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर सत्र 2025-26 के लिए क्लब की नई कमेटी का गठन किया गया। इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण भी किया। अध्यक्ष पद की कमान दिलीप बंका ने संभाली, जिनके नेतृत्व में पूरी टीम ने सेवा और सामाजिक कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। मौके पर नए अध्यक्ष दिलीप बंका ने कहा कि क्लब के लक्ष्यों के अनुरूप सेवा कार्यों को और बेहतर ढंग से किया जाएगा। वहीं, नवगठित कमेटी में सचिव अनिल गोयल, कोषाध्यक्ष तरुण अग्रवाल, फर्स्ट वाइस प्रेसिडेंट मंजुला जायसवाल, सेकंड वाइस प्रेसिडेंट पूनम सखूजा, थर्ड वाइस प्रेसिडेंट मनीष गाड़ोदिया शामिल हैं। इसके अतिरिक्त डायरेक्टर पद पर सुनीता चौधरी, जस्वीर खुराना, अरविंद मंगल, राजेश मोर, ओमप्रकाश तुलस्यान, रजनी मोर, सुकृत, सीमलजीत कौर, सुधीर प्रसाद, सुबोध वर्मा, डॉ हरविंदर वीर सिंह ने शपथ ली। जीएमटी पद के लिए राजेश मोर, जीएसटी के लिए राजेश चौधरी, जीईटी के लिए अजय अग्रवाल, पीआरओ के लिए निर्मल मनपुरिया, एलसीआईएफ कोऑर्डिनेटर पद के लिए डॉ देवेंद्र सिंह और एडमिनिस्ट्रेटर पद के लिए लायन शांतनु तिवारी ने शपथ ली।

रांची नगर निगम ने एनसीसी कैडेटों में बांटे एक सौ फलदार पौधे

नवीन मेल संवाददाता। रांची

● रांची के संत जेवियर्स कॉलेज में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

रांची नगर निगम ने बुधवार को पुरुलिया रोड स्थित संत जेवियर्स कॉलेज के एनसीसी के सैकड़ों कैडेटों के बीच 100 फलदार पौधों का वितरण किया। साथ ही, इस मौके पर रिलेशंस की ओर से मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार भी आयोजित किया गया। इसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं को संस्था की ओर से पर्यावरण संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गइंं।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची नगर निगम के उप प्रशासक गौतम कुमार साहू, सौरभ केशरी सहायक अभियंता, संत जेवियर्स कॉलेज की एएनओ कैप्टन डॉ प्रिया श्रीवास्तव, डॉ फादर प्रभात कैनेडी एसजे, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, समाजसेवी डॉ अनिल कुमार, अतींद्र नाथ वैद्य, प्रिया बर्मन, राजकुमार सुपरवाइजर, हॉर्टीकल्चर सेल समेत कई लोग उपस्थित थे। इस पर्यावरण जागरूकता कार्यकम में एनसीसी इकाई सफलतापूर्वक पौधरोपण अभियान में शामिल हुई। इससे पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सेवा और युवाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़ हुई। इस कार्यक्रम में 80 एनसीसी कैडेट्स और 20 समर्पित कॉलेज स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर सैकड़ों फलदार, फूलदार, छायादार और औषधीय पौधों सहित विभिन्न प्रकार के पौधों को कॉलेज परिसर में लगाया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुधाकर यादव, रौशन कुमार, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं समेत सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित थे।

आज / कल

नगर निगम ने सील किया कांके रोड में निर्माणाधीन जी+8 भवन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

● मिली शिकायत पर की गई जांच के आधार पर हुई कार्रवाई

रांची नगर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार के आदेशानुसार नगर निगम ने बुधवार को वार्ड नंबर 01, कांके रोड, (भिठा) टिंबर लाइन स्थित निमार्णाधीन जी+8 रेसिडेंशियल/कॉमर्शियल भवन के निर्माण कार्यों को रोकते हुए सील कर दिया। रांची नगर निगम ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि नगर निगम में विगत 28 जून को मो. नईमुद्दीन अंसारी ने इस भवन से संबंधित शिकायत की थी। इस शिकायत पर अपर प्रशासक के निदेशानुसार निगम की टीम ने स्थल जांच की थी। जांच में यह बात सामने आई कि नक्शा का रिवैलिडेशन कराए बिना कार्य किया जा रहा था। इस निमार्णाधीन भवन से संबंधित परमिशन सर्टिफिकेट की वैधता 14 फरवरी 2025 तक ही थी। पूर्व में निर्माणाधीन भवन की चारदीवारी गिरने से बगल के भवन व दो वाहन क्षतिग्रस्त हुए थे। साथ ही, मलबे से निर्माणाधीन भवन के सामने स्थित नाली भी बंद हो गई थी। यहां दुर्घटना होने की संभावना अब भी बनी हुई थी। पूर्व में रांची नगर निगम द्वारा इस स्थल पर निर्माण कार्य रोकने का नोटिस दिया गया था, परन्तु वहां निर्माण कार्य जारी रखते हुए नियमों का उल्लंघन किया गया। इसके बाद जांच में आई जानकारी के आलोक में झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की कंडिका-437 एवं झारखंड भवन उपविधि 2016 की कंडिका-20 के तहत इस निमार्णाधीन भवन के कार्य को तत्काल प्रभाव से रोकने एवं सील करने की कार्रवाई की गई।

एचईसी के श्रमिकों ने किया विरोध प्रदर्शन

मजदूरों की मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन होगा और तेज : लालदेव

● एचईसी मुख्यालय से तीनों कारखानों के गेट तक जुलूस निकालकर किया गया धरना-प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

एचईसी के श्रमिकों की प्रमुख मांगें

1. चारों लेबर कोड की वापसी हो।
2. एचईसी के लिए तीन हजार करोड़ रुपए का पुनरुद्धार पैकेज दिया जाए।
3. आउटसोर्सिंग नीति की वापसी हो।
4. समान कार्य के बदले समान वेतन दिया जाए।
5. ईपीएफ 95 के तहत नौ हजार रुपए पेंशन और महंगाई भत्ता दिया जाए।
6. ठेका मजदूरों पर दमन बंद हो।
7. बकाया वेतन शीघ्र मिले और सेवानिवृत्त कर्मियों का बकाया भुगतान शीघ्र किया जाए।

एचईसी के श्रमिकों ने भी मजदूर संगठनों की हड़ताल में शामिल होकर बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। हटिया कामगार यूनियन (एटक) के आह्वान पर हटिया स्थित एचईसी मुख्यालय से तीनों कारखानों के गेट तक जुलूस निकालकर धरना प्रदर्शन किया। सड़कों पर उतरे सभी श्रमिकों ने देशव्यापी मजदूर हड़ताल के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। मौके पर हटिया कामगार यूनियन के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने कहा कि जिस प्रकार स्थायी और सप्लाई मजदूरों ने एकजुट होकर अपने एक दिन का वेतन कटवाकर आंदोलन में भाग लिया, वह इस बात का प्रमाण है कि वे शोषणकारी नीतियों के खिलाफ डटकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि एचईसी के मजदूरों का यह जोश केंद्र की तानाशाही नीतियों को चकनाचूर कर देगा। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष केवल मजदूरों का नहीं, बल्कि न्याय और अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है, जिसे हर हाल में जीता जाएगा। लालदेव सिंह ने सरकार और प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मजदूरों की मांगे नहीं मानी गईं, तो यह आंदोलन और तेज होगा। उन्होंने सभी कर्मियों को आश्वस्त किया कि यूनियन मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए हर मोर्चे पर लड़ती रहेगी। मौके पर आरके शाही, अर्जुन रविदास, प्रवीण कुमार, एसएन प्रसाद, राजेश प्रसाद, सी सुधा, उमेश राम, उमेश कुमार, प्रकाश कुमार सहित यूनियन और एचईसी कर्मी श्रमिक शामिल थे।

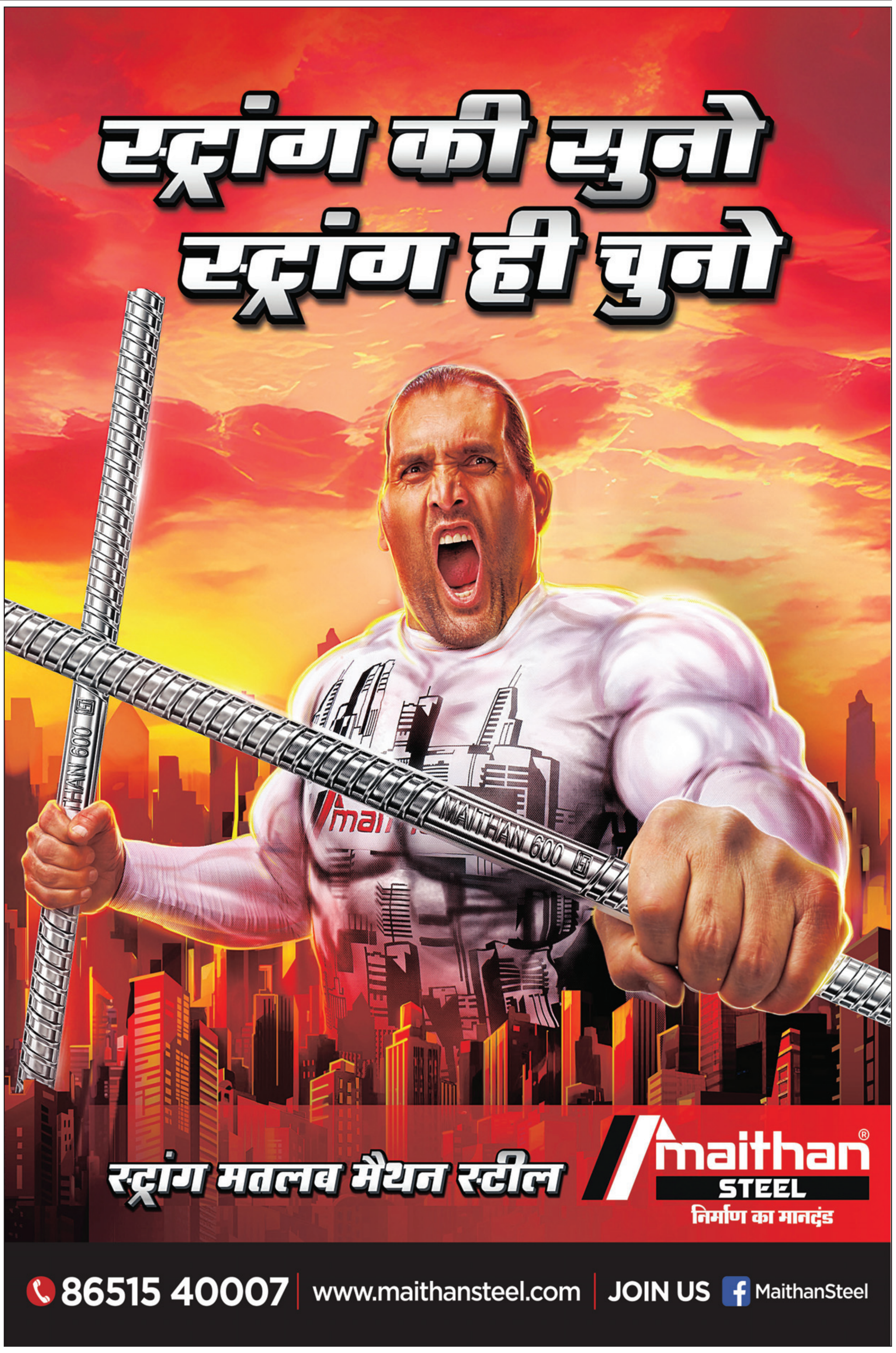

कभी बेचती थी हड़िया शराब अब बनी लोगों की प्रेरणास्रोत

सरकार की फुलो झानो आशीर्वाद अभियान योजना से मिली सहायता

समूह से मिली नई पहचान और आत्मविश्वास

समूह से जुड़ने के बाद नियमित रूप से समूह के दस बैठक में भाग लेने से मुन्नी देवी का आत्मविश्वास बढ़ा। पहले जो महिला केवल घरेलू कामों और शराब बेचने तक सीमित थी, अब वह नियमित बैठकों में भाग लेने लगीं, बचत करने लगीं, और समूह की अन्य महिलाओं से विचार-विमर्श करने लगीं। समूह के माध्यम से उन्हें सरकार की योजना फुलो झानो आशीर्वाद अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ। यह झारखंड सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को अवैध रूप से महुआ शराब/हडिया बेचने जैसे अपमानजनक कार्यों से बाहर निकाल कर उन्हें सम्मानजनक जीवन और आजीविका के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को व्याजमुक्त ऋण दिया जाता है। मुन्नी देवी ने पीजेएए योजना के तहत ₹20,000 का ब्याजमुक्त ऋण प्राप्त किया। प्राप्त ऋण से उन्होंने दो गाएं खरीदीं और पशुपालन का काम शुरू किया। पशुपालन और दूध उत्पादन से उन्हें अब प्रति माह ₹8,000 से ₹10,000 की आय होने लगी है। इस आमदनी से उन्होंने समय पर ऋण की किश्तें चुकाई और बचत भी शुरू की।

पवन कुमार सिंह

रामगढ़। जिले के गोला प्रखंड के हुप्पू पंचायत स्थित तोयर गांव की रहने वाली मुन्नी देवी कभी महुआ शराब व हड़िया बेचा करती थी। लेकिन आज गांव में प्रेरणा की मिसाल बन चुकी हैं। वहीं दूसरी महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई। मुन्नी देवी का पारिवारिक जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण था। उनके परिवार में उनके पति मंशु करमाली एवं चार बच्चे है जिसमे दो बेटे और दो बेटियां है। उनके पति का रोजगार अनियमित था और आमदनी भी बहुत कम था। आर्थिक तंगी से परेशान होकर मुन्नी देवी ने घर की आमदनी बढ़ाने के लिए महुआ शराब/हड़िया बनाना और बेचना शुरू किया। इसके बाद मुन्नी देवी ने तय किया कि अब कुछ बदलना होगा। उन्हें 2016 में गांव की महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के बारे में जानकारी मिली। पहले उन्होंने संकोच किया, लेकिन फिर साहस जुटाकर 28-04-2016 को सरस्वती महिला मंडल समूह में जुड़ी। इसके बाद वह तोयर आजीविका महिला ग्राम संगठन से भी जुड़ गई।

शासी निकाय की बैठक में शामिल हुईं विधायक ममता

रामगढ़। कस्तूरबा इंटर महिला महाविद्यालय में शासी निकाय की बैठक बुधवार को आयोजित की गई । बैठक में बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक ममता देवी उपस्थित हुईं। विधायक के महाविद्यालय पहुंचने पर प्राचार्या द्वारा अभिनंदन किया गया। बैठक में महाविद्यालय के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई और विभिन्न प्रस्तावों पर सहमति बनी। विशेष रूप से छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और उन्हें हर आवश्यक सुविधा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

विधायक ममता देवी ने महाविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों से भी मुलाकात की और उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। विधायक ने आश्वासन दिया कि समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

न्यूज बॉक्स

कपड़ा दुकान में लगी भीषण आग, लाखों की क्षति, मुआवजे की मांग

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बेड़ोकला में मंगलवार देर रात एक कपड़ा दुकान में भीषण आग लगने से लाखों का समान जलकर राख हो गया। घटना के संबंध में कपड़ा दुकान के मालिक मुकेश यादव ने बताया कि शाम करीब 7:30 बजे दुकान बंद कर के घर चले गए थे। रात्रि करीब 1बजे ग्रामीणों से सूचना मिली कि दुकान में आग लग गई है। जब दुकान पहुंचा तो देखा कि स्थानीय लोग आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे। वहीं बगल के सैलून की दुकान भी चपेट में आ गया। सैलून में रखे इन्वर्टर, बैटरी और एसी भी जल गए। मुकेश यादव ने बताया कि करीब 15 लाख रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। उन्होंने अंचल अधिकारी को आवेदन देकर मुआवजे की मांग की है।

करंट लगने से बैल की हुई मौत, प्रमुख प्रतिनिधि ने मुआवजे की मांग की

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम तुइयो निवासी राज कुमार ठाकुर बुधवार सुबह खेती करने के लिए अपना बैल लेकर जा रहे थे जहां तार टूटे होने के कारण बैल को करंट लगने से मौत हो गई। वहीं राजकुमार ठाकुर को भी करंट का झटका लगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण तार टूटा हुआ है, जिसके कारण करंट लग गया। वहीं उप प्रमुख प्रतिनिधि उतीम महतो घटनास्थल पर पहुंचे तथा घटना का जायजा लिया । उन्होंने कहा कि यह खेती करने के लिए बैल लिए हुए थे। इनका बैल मर जाने से उनको काफी नुकसान हुआ है इन्हें उचित मुआवजा मिलना चाहिए ।

अबुआ आवास को लेकर लोग हो रहे परेशान

पदमा। पदमा प्रखंड के पंचायत सचिव अबुआ आवास और अन्य विकास योजनाओं में लाभुकों को परेशान करने के लिए कई तरह के फंडा अपनाते है। बंदर बेला पंचायत सचिव अबुआ आवास के लाभुकों से मनमाने ढंग से शपथ पत्र लेते है। बेचारे गरीब लाभुक उनकी बात मानने को विवश हो जाते है। इस बाबत लाभुकों ने बताया कि बंदर बेला पंचायत सचिव सपना कुमारी लाभुकों से आवास के एवज में पैसे की मांग करती है। बेवजह एफिडेविट ले रही हैं और उसके बाद भी लाभुकों को आवास नसीब नहीं हो पा रहा है। लोगों ने इसकी शिकायत जिप सदस्य बसंत नारायण मेहता से की। उन्होंने बंदर बेला पंचायत सचिव को जमकर फटकार लगाई। इसके बावजूद भी लाभुकों को कोई राहत मिलता नहीं दिख रहा है। अबुआ आवास नहीं मिलने से परेशान लोग किससे शिकायत करें यह बात समझ में नहीं आ रही हैं। लोगों का कहना है कि अबुआ आवास के लिए प्रखंड का चक्कर लगाना पड़ता है। शपथ पत्र लेने का आदेश नहीं हैं। बावजूद इसके शपथ पत्र लेने के पीछे का मनसा क्या है। इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। कुछ इसी तरह की घटना में अभी पिछले दिनों एक अन्य पंचायत सचिव की मनमानी से तंग आकर जनप्रतिनिधि द्वारा उससे मारपीट भी हो गई थी। क्या कहते है पंचायत सचिव अबुआ आवास में पैसा लेने का लगाया गया आरोप निराधार है। शपथ पत्र लिया जा रहा है, यह सच है। अबुआ आवास के लिए शपथ पत्र देने में लोगों को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

बच्चों के बीच शैक्षणिक किट का किया गया वितरण

टाटीझरिया। टाटीझरिया प्रखंड के मध्य विद्यालय अमनारी में बच्चों के बीच मंगलवार को शैक्षणिक किट का वितरण मुखिया सह विधायक प्रतिनिधि उपेंद्र कुमार पाण्डेय,सांसद प्रतिनिधि महेश अग्रवाल, उप मुखिया कौलेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि सरकार की ओर से बच्चों को पढ़ाई के लिए सामाग्री दिया जाता है। बच्चों को सिर्फ मन लगा कर पढ़ने की जरूरत है। मौके पर अध्यक्ष मंसुर अंसारी,सचिव छोटन कुमार दास, शिक्षक कुलदीप पासवान,उमेश दीन आदि मौजूद थे।

बड़कागांव के कांडतरी पंचायत में हाथियों का आतंक जारी

बड़कागांव। प्रखंड के कांडतरी में हाथियों के झुंड ने पिछले छह दिनों से तबाही मचा रखा है । किसानों के खेत में लगे फसलों को खाने के बाद हाथी पुनः फसल को बर्बाद कर रहे हैं। हाथी बुढ़वा महादेव डुमारो नदी के समीप भ्रमण कर रहे हैं। जिसे लेकर ग्रामीण एवं किसानों में भय का माहौल है। सोमवार रात को कांडतरी निवासी लखन कुमार का तीन एचपी का सिंचाई सोलर प्लेट और छह केजी धान का बिचड़ा, दस कट्ठा में मक्का ,नंदकिशोर महतो का आठ केजी धान का बिचडा, धूपन महतो का पांच केजी धान का बिचड़ा एंव अन्य किसानों के फसल तथा समान को हाथियों ने बर्बाद कर डाला।

शंकर की पत्नी को मिला दस लाख रुपए की बीमा राशि का चेक

इचाक। अपराधियों के गोली के शिकार हुए सलपर्णी पेट्रोल पंप के मैनेजर शंकर कुमार की पत्नी बबीता देवी को स्टेट बैंक इचाक मोड़ शाखा से ली गई बीमा के तहत दस लाख राशि का चेक सौंपा गया। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक राजीव कुमार, मुख्य प्रबंधक राजकुमार मणि तिवारी तथा शाखा प्रबंधक विनीता कुमारी ने सोमवार को शिविर आयोजित कर मृतक शंकर कुमार की पत्नी बबीता देवी को चेक सौंपा।क्षेत्रीय प्रबंधक राजीव कुमार ने बताया कि बीमा लेने के महज तीन महीने के बाद अपराधियों ने पंप मैनेजर शंकर कुमार को 15 अप्रैल को सरेआम गोली मार कर हत्या कर दिया था। मृतक के नॉमिनी बबीता देवी द्वारा समुचित दस्तावेज प्रस्तुत करने के चार दिनों में मृतक की आश्रित को चेक सौंपा गया। मौके पर पेट्रोल पंप कर्मी मासूम राजा कैशियर आलोक कुमार मीनाक्षी कुमारी सीएसपी संचालक कृष्ण प्रजापति अखिलेश कुमार लियो मेहता महेंद्र गिरी रामेश्वर पासवान के अलावा ग्राहक मौजूद थे।

स्वच्छता ही निरोग रहने का बेहतर उपाय है: डॉ सुनील कश्यप

रामगढ़। उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर मांडू में 9 जुलाई को एक दिवसीय स्वच्छता ही स्वस्थ और निरोग रखेगा विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रधानाध्यापक डॉ सुनील कुमार कश्यप ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं, बाल संसद और इको क्लब सभी को एक साथ शामिल किया । डॉ कश्यप ने कहा कि हम सभी लोग इन दिनो अतिवृष्टि से प्रभावित हैं ।जिसके कारण हमारा घर परिवार विद्यालय और हॉस्पिटल कार्यालय इससे प्रभावित हो रहा है ।ऐसी स्थिति में हम सबों को अपने निवास स्थान जहां पर हम रहते हैं पढ़ते हैं लिखते हैं निवास करते हैं वैसे स्थान को पूर्ण रूप में साफ सुथरा और स्वच्छ रखना होगा ।कहा यदि हम सभी लोग ऐसा करते हैं तो निश्चित रूप से स्वस्थ रहेंगे। अगर आप ऐसा प्रत्येक दिन करते हैं तो किसी भी प्रकार का रोग आपको स्पर्श नहीं कर पाएगा। इससे आप सभी को चिकित्सक के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डॉ सुनील कुमार कश्यप ने कहा कि ऐसे अतिवृष्टि के दौरान गर्म और ताजा भोजन करें। भींगे वस्त्र का प्रयोग नही करें। विद्यालय में खाने के वस्तु को ढंक कर रखें और सुरक्षित रखें। जब भी खाएं तो गर्म खाना ही खाएं। अपने घर और विद्यालय के अगल-बगल पानी को जमा होने नही दें ।बरसात के दिनों में जहां-तहां का पानी ना पीएं। अगर पीते हैं तो उबालकर पीएं। इस अवसर पर विद्यालय के सहायक शिक्षक सदानंद शर्मा ,बाल संसद के पदाधिकारी एवं इको क्लब के पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधायक ने बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, कहा

विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ करने के लिए तत्काल कदम उठाएं

नवीन मेल संवाददाता

- **विधायक ने पोल, तार, ट्रांसफार्मर आदि की स्थिति दुरुस्त रहे, बरसात के समय जले सभी विद्युत ट्रांसफार्मर को अविलंब बदलने का निर्देश भी दिया**

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भारी बारिश के बाद विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विधायक ममता देवी ने बुधवार को विद्युत विभाग के कार्यालय में अधीक्षण अभियंता एवं अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में विधायक ने कहा कि बारिश के कारण क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ और सुचारू बनाए रखने के लिए जरूरी कदम तत्काल उठाए जाएं। विधायक ममता देवी ने कहा कि पोल, तार, ट्रांसफार्मर आदि की स्थिति दुरुस्त रहे, बरसात के समय जले सभी विद्युत ट्रांसफार्मर को अविलंब बदलने का निर्देश भी दिया। विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा सभी विद्युत अंचल कार्यालय में पर्याप्त मात्रा में ट्रांसफार्मर एवं ट्रांसफार्मर मरमती के लिए टीआरडब्लू की स्थापना की गई है ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक के दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों से मिले मीटर रीडिंग में गड़बड़ी और गलत बिलिंग की शिकायतों का भी मुद्दा उठाया और अधिकारियों को जल्द से जल्द सुधार करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि बिजली का काम करने वाले सभी मजदूर जो अस्थाई या स्थाई तौर पर बिजली विभाग में कार्य कर रहे हैं उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान विभाग रखें ताकि वह निर्भीक होकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सके कई आउटसोर्सिंग एजेंसियां लाइनमैन एवं अन्य मजदूरों के सुरक्षा का ख्याल नहीं रख रहे हैं। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत बांस बल्ली पर ले गए लाइन या जर्जर अवस्था के तारों को बदलने के कार्य में और तेज गति लाया जाए। यह कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। अधीक्षण अभियंता ने विधायक को आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा और लोगों को बेहतर विद्युत सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। मौके पर जिलाध्यक्ष मुन्ना पासवान, पंकज प्रसाद तिवारी, गगन करमाली, संजीव खंडेलवाल, पिंटू नायक, हेमलाल बैथा, शिबू, अनिल, संजय वर्मा, दिलीप पांडेय, टिंकू खान आदि उपस्थित थे।

हड़ताल को लेकर माले ने जीटी रोड किया जाम

केंद्र सरकार किसानों व गरीबों की आवाज दबाना चाहती है : सबिता सिंह

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। हड़ताल को लेकर भाकपा माले ने बरकट्ठा ब्लॉक गेट के समीप जीटी रोड़ को जाम किया। हड़ताल और रोड जाम का नेतृत्व चलकुशा जिप सदस्य सह भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य सबिता सिंह ने किया। माले कार्यकर्ताओं ने झंडा बैनर के साथ घंटों जीटी रोड को जाम किया। इससे लंबी दूरी की मालवाहक वाहन की लंबी कतारें लग गई। रोड जाम के दौरान जमाकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर थाना ले गई। इसके बाद रोड में वाहनों का परिचालन हुआ। इस मौके पर माले नेत्री सबिता सिंह ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार किसानों गरीबों, मजदूरों, वंचितों की आवाज की दबाना चाहती है। देश में हर साल कोई न कोई नया बखेड़ा खड़ा कर देश की जनता के रोजगार पर हमला कर उद्योगपति घरानों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है। देश के मजदूरों पर आठ घंटे के जगह 12 घंटे काम कराना सप्ताह में चार दिन काम बाकी दिन आराम। ऐसे में जो रोज के दिहाड़ी मजदूर हैं उनका क्या होगा। देश में जब भी मोदी सरकार जनता से डरती है तो कोई नया शिगूफा देश में छोड़ देती है। प्रखंड सचिव शेर मोहम्मद ने कहा कि केंद्र सरकार इस तरह की कानून को लाकर देश में ठेकेदारी प्रथा को मजबूत कर रही है। इससे मजदूरों का शोषण होगा। ठेकदार अपनी मर्जी से काम पर रख और निकाल सकता है।

श्रमिक संगठनों का देशव्यापी हड़ताल

सीसीएल क्षेत्र में बंद रहा असरदार, हुई क्षति

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। श्रमिक संगठनों का देशव्यापी आम हड़ताल संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को सीसीएल कुजू क्षेत्र में प्रभावी नजर आया । हड़ताल के दौरान करमा और तोपा कोलियरी में श्रमिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी और मजदूरों का खासा समर्थन के कारण से परियोजना का सम्पूर्ण कार्य बाधित रहा। वहीं, बड़े वाहन कोलियरी में खड़ा रहा। बंद के कारण कुजू क्षेत्र को करोड़ों रुपया का नुकसान होने की बात कही जा रही है। बंद पड़ी कोलियरियों में भी श्रमिकों ने अपना खुलकर समर्थन किया है। इधर, सारुबेडा, कुजू कोलियरी, जीएम यूनिट में बंदी का असर दिखा। जबकि भारतीय मजदूर संघ ने बंदी का विरोध किया। बंदी के दौरान आरसीएमयू के क्षेत्रीय सचिव राजकुमार ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार कोयला कामगारों के हक और अधिकार पर लगातार हमला कर रही है। केंद्र सरकार ने 44 श्रम कानून को संशोधित कर 4 नए श्रम कोड लाया है। जो श्रम कानून मजदूरों का रक्षा कवच था और श्रम कानून को मानना उसकी कानूनी बाध्यता थी। परंतु सरकार ने श्रम कानून को समाप्त कर मजदूरों को गुलामी की ओर ले जाना चाह रही है। मोर्चा द्वारा किसी भी हाल में काला कानून को लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने केंद्रीय श्रमिक कानून का विरोध करते हुए काला कानून बताया। इधर, तोपा पीओ एमके सिंह, कोलियरी मैनेजर चंद्रवीर नारायण, निलेश कुमार, आलोक सिंह समेत कई अधिकारी पीट ऑफिस पहुंचकर बंदी कर रहे श्रमिक प्रतिनिधियों को हड़ताल समाप्त करने की अपील की। फिर भी सभी प्रतिनिधि डटे रहे।

कृषि दर्शन: आईसीएआर के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ पंकज से खास बातचीत, कहा

टांड़ क्षेत्र में बांस, महुआ, फलदार व अगात बीज वाले फसलों की करें खेती

नवीन मेल संवाददाता

अगस्त के अंतिम या सितंबर के पहले सप्ताह में करे अगात बीज की खेती

2 नंबर अर्थात मध्यम भूमि पर अधिकाधिक लाभ लेने के लिए बरसात के मौसम में किसान को साग, मूली आदि छोटे व कम अवधि वाले फसल लगानी चाहिए। जो अगस्त माह तक पूरी तरह कट जाए। डॉ सिन्हा ने बताया कि किसान को पारंपरिक आलू खेती के समय को बदलते हुए अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितंबर के पहले सप्ताह माह में ही अगात बीज वाले आलू या मटर की खेती करनी चाहिए। जो अक्तूबर-नवंबर में तैयार ही जायेंगें और ऊंचे दर पर बिकेंगे। इससे किसान को उसी मेहनत में अधिकतम लाभ मिलेगा।कृषि वैज्ञानिक ने टांड़ क्षेत्र अर्थात तीन नंबर वाली जमीन में महुआ या बांस की खेती करने का सलाह दिया है।

बरही । भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र गौरिया करमा के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ पंकज कुमार सिन्हा ने किसानों को मिट्टी की संरचना, जल जमाव व मिट्टी के प्रकार के आधार पर हीं वैज्ञानिक पद्धति से फसल लगाने की सलाह दिया है। जो प्रायः नहीं देखा जाता है। खरीफ हो या रबी अथवा जायद अधिकतर किसान अपने सभी भूमि पर एक हीं प्रकार के फसल उगाते हैं। जिससे अपेक्षाकृत लाभ नहीं मिलते हैं। उन्होंने नीचे वाली एक नंबर की खेत (अधिक जल जमाव वाले क्षेत्र) में लंबी अवधि वाली धान, 2 नंबर (जहां पानी नहीं ठहरता है) वाली खेत में कम अवधि वाले क्षेत्र में सहभागिता, आईआर-64, सीआर-320 जैसे छोटी व मध्यम अवधि वाले धान, ज्वार, बाजरा इत्यादि लगाना उचित है।

बिचड़े की तैयारीः बीज लगाने के पहले खेतों की जुताई कर मिट्टी को हल्का बनाने के बाद थोड़े मात्रा में गोबर या डीएपी मिलानी चाहिए। बीजरोपण के पूर्व 10 किग्रा/प्रति हेक्टेयर की मात्रा में धान के बीज को एक रात पूर्व पानी में भिंगोकर छान लें और भींग कपड़े में बांधकर रखनी चाहिए, जिससे बीज में हल्के अंकुरण हो जाए। बीजोपचार के लिए अंकुरित बीज में 4 से 5 ग्राम प्रति किग्रा की दर से ट्राईकोडर्मा नामक केमिकल मिलानी चाहिए, जिससे फ्यूजिकल वीक या बीज जनित फंगस से बीज को बचाया जा सके। 21 से 28 दिन के बाद बिचड़े तैयार हो जाते है। जिसे सावधानी से उखाड़े और लाइन ट्रांस प्लांटिंग विधि से रोपा करें। यह विधि खर पतवार के नियंत्रण व फसलों की कटाई में सहायक है।

अंचल अनुसेवक के आकस्मिक निधन पर शोकसभा

बीडीओ सहित कई लोगों ने व्यक्त की शोक संवेदना

बरही। अंचल कार्यालय में पदस्थापित अनुसेवक ओम प्रकाश सिंह के आकस्मिक निधन पर प्रखंड सह अंचल कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें बीडीओ जयपाल महतो, सीओ अमित कुमार किस्कू सहित प्रखंड सह अंचल के कर्मी शामिल हुए। उपस्थित अधिकारियों व कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। बीडीओ व सीओ ने मृतक के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग की बात कही। शोक सभा में बीडीओ व सीओ सहित अंचल प्रधान लिपिक चिंतामणि टूटी, राजस्व कर्मचारी सह प्रभारी अंचल उपनिरीक्षक रीतलाल रजक, राजस्व कर्मचारी संजीव राजीव, अंचल अमीन चेतन यादव, प्रभारी नाजीर कृष्ण मोहन, लिपिक तारकेश्वर कुमार यादव, दिव्यता कुमारी, अनुसेवक नारायण कुमार, प्रधान लिपिक गोपाल राम, मनरेगा जेई मोहम्मद आसिफ, स्थापना प्रभारी इम्तियाज अंसारी, नाजीर जितेंद्र रविदास, लिपिक मंजु कुमारी, रीता कुमारी, पूर्व मुखिया दशरथ यादव, अशोक सिंह, चंदन कुमार, बिरेंद्र यादव आदि मौजूद थे।

अस्पताल में चल रहा था ऑपरेशन, छत तोड़कर ऊपर से गिरा कुत्ता

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। धनबाद में ऑपरेशन के दौरान कुत्ता छत तोड़कर गिरा। इस हादसे में एक डॉक्टर को चोट आई है। ऑपरेशन के दौरान कुत्ता गिरने से काम को कुछ देर के लिए रोकना पड़ गया था। दुनिया चांद पर पहुंच गई है, लेकिन झारखंड की स्वास्थ्य गर्त में चली गई है। धनबाद के रेलवे अस्पताल में ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर आप समझ नहीं पाएंगे कि हंसा जाए या इस हालत पर तरस खाया जाए। दरअसल मंगलवार को सुबह करीब 11 बज रहे थे। रेलवे अस्पताल के ऑर्थो विभाग के ऑपरेशन थिएटर में ऑपरेशन चल रहा था। डॉ पीआर ठाकुर एक मरीज के ऑपरेशन में लीन थे। इसी बीच ऑपरेशन थिएटर की फॉल्स सीलिंग का हिस्सा तेज आवाज के साथ जमीन पर गिर पड़ा। फॉल्स सीलिंग के टुकड़े के साथ एक कुत्ता भी गिरा। इससे ऑपरेशन में सहायक की भूमिका निभा रहीं अंजलि घायल हो गईं। आनन-फानन में ऑपरेशन रोक कर मरीज को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। ऑपरेशन के बाद स्लैब और प्लास्टर की तैयारी में जुटी एचएम अंजलि का उपचार किया गया। उन्हें कंधे और गर्दन में भी चोट आई है। इस घटना से जहां अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी हतप्रभ हैं, वहीं मरीज इंतजाम को लेकर सशंकित और भयभीत हो गए हैं। यह स्थिति तब है, अस्पताल प्रबंधन ने इंजीनियरिंग विभाग को मामले की जानकारी दे दी है। घटना के चार घंटे बीतने के बावजूद इंजीनियर विभाग से कोई भी कर्मचारी ओटी का हाल जानने नहीं पहुंचा।

छत और फॉल्स सीलिंग के बीच कुत्ते ने बना लिया था घर

फॉल्स सीलिंग के जमीन पर आने से पहले से ही इसकी चेतावनी दी जा रही थी। दरअसल ओटी की छत और फॉल्स सीलिंग के बीच कुत्ते ने घर बना लिया है। पुराना भवन होने के कारण इसमें बड़ा सा वेंटिलेशन है।

न्यूज बॉक्स

दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, हुई पत्थरबाजी

गिरिडीह। जिले के नगर थाना क्षेत्र के कुरैशी मोहल्ला में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, दोनों और से जमकर पत्थरबाजी हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस ने लोगों को खदेड़ के स्थिति को नियंत्रित किया तब जाकर मामला शांत हो सका।

भारत बंद और धरना को लेकर माले की बैठक का हुआ आयोजन

गावां, गिरिडीह। गावां प्रखंड के माल्डा पंचायत भवन के सभागार में भाकपा माले की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से पूर्व विधायक राजकुमार यादव उपस्थित थे। बैठक में भारत बंद और गदर पावर ग्रिड चालू कराने की मांग को लेकर अनिश्चित कालीन धरना को सफल बनाने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की सफलता को ले विभिन्न पंचायतों में प्रचार अभियान चलाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई। पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा कि 9 जुलाई को मजदूरों पर लागू श्रम कोड को लेकर आहूत भारत बंद को सभी कार्यकर्ता सफल बनाने के लिए सड़क पर उतरेंगे। कहा कि यह कानून मजदूर विरोधी है जिसका भाकपा माले के द्वारा विरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में मैंने गदर में पावर ग्रिड की स्वीकृति दिलाकर निर्माण कार्य को प्रारंभ करवाया था। वन विभाग के द्वारा ट्रांसमिशन निर्माण के लिए एनओसी नहीं दिए जाने के कारण यह चालू नहीं हो पा रहा है। स्थानीय सांसद-विधायक मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि 10 जुलाई से गदर पावर ग्रिड के सामने भाकपा माले के द्वारा अनिश्चित कालीन धरना व घेरा डालो डेरा डालो कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने गावां और तिसरी प्रखंड के लोगों से बढ़चढ़ कर भाग लेने की अपील की।. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड सचिव सकलदेव यादव व संचालन तिसरी सचिव मुन्ना राणा ने किया। मौके पर नागेश्वर यादव, अशोक यादव, अभिमन्यु यादव, आनंदी यादव, सुनील दास आदि मौजूद थे।

आंदोलकारी धनेश्वर मंडल की 7वीं पुण्यतिथि मनाई गई

गांडेय,गिरिडीह। गांडेय प्रखंड के मरगोडीह गांव में बुधवार को झामुमो पार्टी द्वारा स्व धनेश्वर मंडल की 7 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। आंदोलकारी स्व धनेश्वर मंडल की पुण्यतिथि उनके पैतृक गांव मरगोडीह। स्थित धनेश्वर मंडल की प्रतिमा पर उनकी पत्नी ने पूजा अर्चना कर मालार्पण किया पुनः झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव कुमार सोनू ने मालार्पण कर उन्हें याद किया। पुण्यतिथि कार्यक्रम को श्रद्धांजलि देते हुए झारखंड सरकार के मंत्री शुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि आंदोलकारियों की सच्ची जब उनको सम्मान दिया जाएगा उन्होंने आंदोलकारियों को शाल देकर सम्मानित किया कहा कि झारखंड आंदोलन के कालखंड के साढ़े तीन दशक में गिरिडीह से दो नेता हुआ करते थे जिनको केंद्र मानकर झारखंड मुक्ति मोर्चा का संगठन घुमा करता था वो दोनों ही नेता बेंगाबाद का झलकडीह और गांडेय के मरगोडीह झारखंड आंदोलन का केंद्र हुआ करता था दोनों के साथ हमने बहुत कुछ सिखा धनेश्वर मंडल कार्यकर्ताओं के नेता थे। धनेश्वर मंडल संगठन ओर आंदोलन के तमाम कार्यक्रमों को संचालित करते थे और उनके पीछे पीछे हम जैसे कार्यकर्ता लगातार आंदोलन को अंजाम दिया करते थे उनके अंदर संघर्ष का जोश भरा हुआ था नेतृत्व करने का क्षमता कार्यकर्ताओं को हिम्मत देने का काम करते थे कहा कि जिन नेताओं ने कार्यकर्ताओं को ढाला ओर नेता बनाया उन नेताओं को झारखंड मुक्ति मोर्चा कभी नहीं भूल सकती है ।सातवीं पुण्यतिथि कोई औपचारिकता नहीं है। सातवीं पुण्यतिथि धनेश्वर दा के स्नेह सम्मान श्रद्धा है उसको प्रगट करने का एक माध्यम है।

आपदा मित्र प्रशिक्षण का चौथा दिन, उप विकास आयुक्त ने किया निरीक्षण

15 जुलाई तक 2 लाख लोगों को दिया जाएगा प्रशिक्षण : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज द्वारा बड़ी पहल की गई है जिसके तहत आकस्मिक परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने हेतु प्रशिक्षण अगले छः माह में जिले के 2 लाख लोगों को आपदा मित्र के रूप में तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में प्रशिक्षण के चौथे दिन बुधवार को उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने टाउन हॉल रामगढ़ में चल रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। मौके पर प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे। जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा 15 जुलाई 2025 तक 2500 आम जनों, विद्यार्थियों आंगनबाड़ी सेविकाओं आदि को प्रशिक्षण देकर आपदा मित्र एवं मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा जिनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में आम जनों को आकस्मिक परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने सर्वप्रथम उपायुक्त द्वारा की गई इस पहल की सराहना की। इस दौरान उन्होंने सभी को आकस्मिक परिस्थितियों में किए जाने वाले कार्य जो प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही है उन्हें अच्छी तरह सुनने व समझने की अपील की। साथ ही किसी भी प्रकार की दुविधा को प्रशिक्षण के दौरान नहीं दूर कर लेने की अपील की। प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सकों एवं ऑडियो विजुअल कंटेंट के माध्यम से सभी को सीपीआर, चोकिंग, ब्लीडिंग, बर्न, फ्रैक्चर, वज्रपात, डूबना, शॉक, सांप का काटना एवं दुर्घटना जैसी आकस्मिक परिस्थितियों के दौरान किए जाने वाले कार्यों को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही आकस्मिक परिस्थितियों के दौरान किए जाने वाले कार्यों को लेकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आपदा मित्र को प्रैक्टिकल भी कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले आपदा मित्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। गौरतलब होकि 15 जुलाई तक आयोजित प्रशिक्षण के दौरान तैयार 2500 आपदा मित्रों (मास्टर ट्रेनरों) द्वारा पूरे जिले में 2 लाख लोगों को आकस्मिक परिस्थितियों के दौरान सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने हेतु प्रशिक्षण दी जाएगी।

सरायकेला खरसावां के एसपी ने विधि व्यवस्था को लेकर की बैठक

सरायकेला- खरसावां। बुधवार को सरायकेला- खरसावां पुलिस अधीक्षक ने आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर में आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों, व्यावसायिक संगठन के प्रतिनिधियों के साथ आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत विधि-व्यवस्था संधारण,सुगम यातायात व्यवस्था,अपराध नियंत्रण एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा औद्योगिक समूह के प्रतिनिधियों के साथ औद्योगिक क्षेत्र में विधि व्यवस्था संबंधित पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई एवं अपराध नियंत्रण एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं पुलिस प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर सीसीटीवी लगाने के लिए विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत विधि-व्यवस्था संधारण ,सुगम यातायात व्यवस्था,अपराध नियंत्रण एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । उक्त बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सरायकेला के साथ आदित्यपुर,गम्हरिया,कांड्रा,आर आई टी तथा यातायात थाना के थाना प्रभारी भी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, गुस्साए लोगों ने किया सड़क जाम

पश्चिम सिंहभूम, । जिले के चलियामा में बुधवार की रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रवि लियांगी के रूप में की गई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क जाम कर दिया। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रवि लियांगी सड़क पार कर रहे थे तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया। इधर हादसे से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर टायर जलाकर जाम लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

उनकी मांग थी कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा और आरोपी वाहन चालक की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। सड़क जाम के कारण आवागमन पूरी तरह ठप हो गया और कई बसें और ट्रक घंटों फंसे रहे।

ौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने लोगों को समझाने की कोशिश की और आश्वासन दिया कि पुलिस आवश्यक कार्रवाई करेगी। समाचार लिखे जाने तक जाम हटाने की कोशिशें जारी थीं। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बीमारी अक्सर तनावपूर्ण होती है और हमारे जीवन को बाधित कर सकती है : डॉ शमीमा

नवीन मेल संवाददाता

- **स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, नींद और सामाजिक समर्थन बीमारी के लक्षणों को दूर या प्रबंधित कर सकता है**

डुमरी। पारसनाथ महाविद्यालय में बुधवार को एक निजी अस्पताल के सहयोग से एनएसएस इकाई के द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ शमीमा के द्वारा महाविद्यालय के कर्मी तथा विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जाँच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय सलाह दिया गया। शिविर में ब्लड प्रेशर,शुगर,ब्लड ग्रुप आदि की जांच तत्काल की गयी तथा लिपिड प्रोफाइल व थायराइड आदि की जाँच के लिए ब्लड सैम्पल संग्रह किये गये। डॉ शमीमा ने कहा कि चिकित्सा संबंधी स्थितियाँ,बीमारी अक्सर तनावपूर्ण होती हैं और हमारे जीवन को बाधित कर सकती हैं। स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, नींद और सामाजिक समर्थन बीमारी के लक्षणों को दूर या प्रबंधित कर सकता है और रिकवरी में सुधार करने में मदद करता है।शिविर में हॉस्पिटल से डॉ शमीमा के साथ हॉस्पिटल के प्रबंधक सलीम आज़ाद मार्केटिंग इंचार्ज मो इफ़्तेख़ार, चिकित्सा सहायक (नर्स) रिया रानी तथा रीता कुमारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। शिविर में कॉलेज के उप प्राचार्य यशवंत कुमार सिन्हा एनएसएस के पीओ डॉ शशि भूषण परीक्षा नियंत्रक गौतम कुमार सिंह, आईक्यूएसी समन्वयक राजकुमार मेहता नैक समन्वयक रजनी कुमारी डॉ पिंटू कुमार पाण्डेय, डॉ उमा पाण्डेय,मधु जायसवाल,संगीता कुमारी, प्रियंका कुमारी, दिव्या रानी, कुबेर प्रसाद, बिनोद कुमार अकेला,डेगनारायण महतो, तेजलाल महतो एसएन पाण्डेय,मनोज जायसवाल सपना सिन्हा मोनी जायसवाल, अनिल रविदास, जयलाल मोहली, मेघलाल महतो, आसिफ अंसारी,समेत प्रेम कुमार, प्रयाग टुडू, दीपक ठाकुर, पूनम कुमारी रेशमा प्रवीन, डोली, उमा आदि विद्यार्थियों का स्वास्थ्य जांच किया गया ।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता बालिका रीतु खड़िया, पिता–रामु खड़िया, सा0–जोराम कुम्हारटोली, थाना–टी0टांगर, जिला–सिमडेगा राज्य–झारखण्ड, जो बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई है, जो अभी तक अपना घर वापस नहीं लौटी है। गुमशुदा बालिका की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसका विवरणी निम्नवत् हैः–

हुलिया की विवरणी :–
लिंग :– स्त्रीलिंग
उम्र :– 14 वर्ष
रंग :– साँवली
बाल :– काला।
उँचाई :– 05 फीट 02 ईंच।
भाषा :– सादरी एवं हिन्दी ।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त गुमशुदा बालिका के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, टी0टांगर – मोबाइल नं0–9431706232
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0– मोबाइल नं0–1800–3456–256

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा

PR 356881 Simdega(25-26)#D

ट्रैक्टर पलटने से चालक सह मालिक की मौत

खूंटी। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के पाहन टोली में बुधवार को खेत की जुताई के दौरान ट्रैक्टर के पलट जाने से ट्रैक्टर चालक सह मालिक ब्राह्मण टोली निवासी विश्राम होरो की दबकर घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार होरो खेत की जुताई कर रहा था। इसी दौरान टैक्टर फंस गया, जिसे चालक निकालने का प्रयास कर रहा था, उसी दौरान ट्रैक्टर पलट गया और उसमें दबकर विश्राम की मौत हो गई। लगभग दो घंटे के बाद ग्रामीणों के प्रयास से शव को बाहर निकाला गया। मामले की जानकारी मिलने पर पूरे गांव में शोक व्याप्त हो गया। जरियागढ़ थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया। विश्राम होरो अपने पीछे पत्नी सहित चार बेटियों को छोड़ गया। गांव वाले बताते हैं।

छाया नगर आश्रय गृह पर किन्नरों का दावा, बुजुर्ग परेशान

पूर्वी सिंहभू। शहर में मूसलाधार बारिश के बीच सीतारामडेरा थाना क्षेत्र स्थित छाया नगर स्थित निःशुल्क पुरुष आश्रय गृह में बुधवार को एक अलग ही नजारा देखने को मिला। सुबह करीब दस किन्नर आश्रय गृह पहुंच गए और दावा किया कि यह स्थल उन्हें अलॉट किया गया है। उनका कहना था अभी हम दस किन्नर आए हैं, गुरुवार को और भी लोग यहां आएंगे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-2, राँची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–31/2025–26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 23.07.2025 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 24.07.2025 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 24.07.2025 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू॰)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू॰)	अग्रधन की राशि (रू॰)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation of B Type Qtr. No. -2164 (F. Fl) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,98,500.00	750.00	8000.00	1 Month
2	Renovation of Ground Floor Media Cell Room Nos.-110, 111, 118, G.F Hall, Joint Chief Electoral Officer Cum Joint Secretary Bathroom, First Floor Hall, 2 Nos. Ladies Toilet & Passage of Chief Election Office at HEC, Sector-2, Dhurwa, Ranchi	6,94,700.00	1250.00	14000.00	1 Month
3	Renovation of VIT Ankekshan Office Building at HEC, Sector-3, Dhurwa, Ranchi	30,39,800.00	5000.00	61000.00	3 Months
4	Renovation of "B" Type Qtr. No. -2559 (First Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,09,100.00	750.00	6500.00	1 Month
5	Renovation of "B" Type Qtr. No. -2560 (First Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,88,100.00	750.00	6000.00	1 Month
6	Renovation of "B" Type Qtr. No. -641 (S. Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,98,900.00	750.00	8000.00	1 Month
7	Renovation of main building E-25, parking tiles, paver block outer side, barrack and other miscellaneous work at HEC, Sector-2, Dhurwa, Golchakkar, Ranchi	45,08,800.00	5000.00	90500.00	4 Months
8	Emergent Repair of Roof of "B" Type Qtr. No. -2369 (S.F) and "B" Type Qtr. No. -1720 (F.F) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,94,600.00	750.00	8000.00	1 Month

नोट :निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 356913 Building(25-26).D

विभिन्न मांगों को लेकर भाकपा माले ने किया मुख्य मार्ग जाम

वाहनों की लगी लंबी कतार, लोग रहे परेशान

नवीन मेल संवाददाता

- **मजदूरों के लिए मजदूरी करने का समय आठ घंटा ही था जिसको बारह घंटा कर दिया गया है यह मजदूरों के साथ नाइंसाफी है**

गिरिडीह। धनवार के गांधी चौक पर भाकपा माले द्वारा नाइजीरिया में फंसे बगोदर के पांच मजदूरों की वापसी, श्रम मजदूरों के लिए केंद्रीय कानून बनाने,चार श्रम बिल वापस लेने आदि मांगों को लेकर देश व्यापी हड़ताल के मद्देनजर सरिया -ख़ोरी महुआ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया गया। इसका नेतृत्व प्रखंड सचिव कयूम अंसारी ने किया। जाम लगभग सुबह साढ़े छः बजे से नौ बजे सुबह तक रहा। एम्बुलेंस,स्कूल गाड़ी आदि आवश्यक सेवाएं को सड़क जाम से अलग रखा गया। जाम के कारण दोनों तरफ गाड़ियों की एक लंबी कतार लग गई। इस जाम का राजद ने भी समर्थन रहा। इस बाबत माले नेता विनय संथालिया, एपवा नेत्री जयंती चौधरी,राजद जिला अध्यक्ष नाथेश्वर ठाकुर आदि कई लोगों ने संबोधित करते हुए कहा कि बगोदर के पांच मजदूर जो नाइजर में फंसे हैं और केंद्र सरकार इसपर कोई पहल नहीं कर रही है। परिजन आस लगाए घर में इंतजार कर रहे हैं। केंद्र सरकार को मजदूरों के लिए केंद्रीय कानून बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज मजदूर मजदूरी करने के लिए पलायन करने को मजबूर हैं। अगर मजदूरों को काम मिलता तो पलायन नही करते। सरकार मजदूरों का हक मारने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि चाहे प्रखंड, अंचल , थाना हो, बिना पैसे का कोई काम नही होता है। चारो तरफ लूट मची है और यहां के सांसद विधायक चुप हैं। सरकार ने तीन माह का राशन एक मुश्त देने की घोषणा की थी लेकिन कहीं एक माह तो कहीं दो माह का ही राशन लोगो को मिल पाया।कहा कि किसानों के लिए केंद्र सरकार जनविरोधी कृषि बिल लाई लेकिन जब किसानों ने संडक पर लगातार आंदोलन किया तो सरकार को घुटने टेकने पड़े और कृषि काला बिल वापस लेना पड़ा। इस दौरान जिला परिषद पिंकी भारती,मुखिया रामदेव यादव,सुभाष यादव,,उमेश दास,शंकर पासवान,अयूब अंसारी, रामदेव सिंह,शत्रुघ्नयादव, गयासुद्दीन अंसारी, रामेश्वर चौधरी, पंकज यादव,चंपा देवी, सुनीता देवी आदि भारी संख्या में महिला पुरूष शामिल थे।

अज्ञात युवक का शव बरामद, पत्थर से कूचकर हत्या की आशंका

खूंटी। तोरपा थाना की पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र के खूंटी-तोरपा मुख्य मार्ग के चकला मोड़ के पास एक गड्ढे से 22 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। मृतक के चेहरे सहित अन्य जगहों पर चोट के निशान हैं। इससे आशंका व्यक्त की जाती है पत्थर से कूचकर युवक की हत्या की गयी है। घटनास्थल को देखने से प्रतीत होता है कि किसी अन्य जगह हत्याकांड को अंजाम देकर शव को यहां लाकर फेंक दिया गया है। घटना की सूचना पाकर एएसपी क्रिस्तोफर केरकेट्टा, थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेम्ब्रम पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया गया। पुलिस शव की पहचान करने में जुटी है।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

परमात्मा का वास सभी इंसानों में है। लेकिन, सभी इंसानों में परमात्मा का भाव भी हो, ये जरूरी नहीं है। इसलिए व्यक्ति अपने कर्मों की वजह से दुखी है। - **स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी**

संपादकीय

अस्थाई युद्धविराम से बर्बादी रुकी नहीं

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के अस्थिर ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की घोषणा के बीच बीते दिनों पश्चिम एशिया एक बार फिर युद्ध की आग में झुलसने से बचा, जब ईरान-इस्राइल के बीच अस्थाई युद्ध विराम हुआ। यह कोई पहला संघर्ष नहीं था, न ही यह आखिरी। हालिया घटनाक्रम इतिहास का वह दर्पण है, जिसमें मनुष्य की अंतहीन शांति-कामना और उसकी रक्तरंजित प्रवृत्तियों का विरोधाभास साफ दिखता है। विडंबना यह है कि एक ओर मानव जाति विश्व शांति के स्वप्न देखती है, वहीं दूसरी ओर उसका इतिहास खून-खराबे और नरसंहारों से अटा पड़ा है। एक अनुमान के मुताबिक, सन 1800 से अब तक लगभग चार करोड़ लोग सशस्त्र संघर्षों में मारे जा चुके हैं, जबकि समस्त इतिहास में हिंसा और युद्धों के चलते मृत्यु का आंकड़ा इससे कहीं अधिक गुना में पहुंच जाता है। ये आंकड़े चीत्कार कर कहते हैं-मानवता को सबसे बड़ा खतरा किसी प्राकृतिक आपदा या महामारी से नहीं, बल्कि स्वयं मनुष्य और उसकी विकृत मानसिकता से है। इस वैश्विक संकट की जड़ तीन स्थाई विकृतियों में निहित है-पहला, असीमित व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं; दूसरा, साम्राज्यवादी सोच; और तीसरा, मजहबी असहिष्णुता। ये तीनों या फिर इन तीनों का घातक मेल ही मानव सभ्यता को बार-बार विनाश की ओर धकेलता है। विशेष रूप से वे मजहबी चिंतन जो एक ही ईश्वर, एक ही ग्रंथ, एक ही मार्ग की बात करते हैं और बाकी सभी आस्थाओं को झूठा, काफिर-कुफ्र, पेगन-हीथेन और दंडनीय मानते हैं-वे वैश्विक सौहार्द के सबसे बड़े अवरोधक हैं। विश्व की सबसे पुरानी अब्राहमिक परंपरा यहूदी मजहब से शुरू होती है, जिसका आधार ग्रंथ 'तोरा' है। सैकड़ों वर्ष पहले इसी समाज में ईसा मसीह का जन्म हुआ, जिन्होंने भाईचारे और प्रेम का संदेश दिया। परंतु लाखों ईसाई मानते हैं कि यहूदी षड्यंत्रों के चलते ही ईसा को क्रूस पर चढ़ाया गया। यही आरोप सदियों तक दो मजहबों के बीच खाई बनाता गया। चर्च के प्रभुत्व के बाद रोमन साम्राज्य में यहूदियों का दमन शुरू हुआ-उन्हें कानूनी, सामाजिक और आर्थिक रूप से हाशिये पर धकेल दिया गया, जो कि मध्यकाल तक बदस्तूर जारी रहा। यहूदियों की इस पीड़ा का चरम उदाहरण एडोल्फ हिटलर के नाजी शासन में देखा गया, जिसने 60 लाख से अधिक यहूदियों का नरसंहार किया। सातवीं शताब्दी में इस्लाम का उदय हुआ, और मजहबी-राजनीतिक कारणों से यहूदी-विरोध एक नई सूरत में उभरा।इतिहासकार और इस्लामी विशेषज्ञ प्रो. इश्तियाक अहमद जिल्ली द्वारा अनुवादित तारीख-ए-फिरोजशाही के अनुसार, खलीफा उमर ने अरब, सीरिया, मिस्त्र, खुरासान और रोम तक इस्लाम को तलवार के बल पर फैलाया। मूर्तिपूजा और अग्निपूजा का समूल नाश किया गया। भारत में भी मोहम्मद बिन कासिम, गजनवी, गोरी, बाबर और टीपू सुल्तान जैसे इस्लामी आक्रांताओं के आक्रमणों का एक रक्तरंजित इतिहास है, जिसकी गवाही खुद उनके दरबारी और समकालीन इतिहासकार देते हैं। यह कट्टरता केवल एक मजहब तक सीमित नहीं। ईसाइयत ने भी अपने इतिहास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। 1095 से 1291 तक चले क्रूसेड्स में ईसाई सेनाओं ने यरुशलम के नाम पर लाखों लोगों (मुस्लिम सहित) का संहार किया।

हालिया घटनाक्रम इतिहास का वह दर्पण है, जिसमें मनुष्य की अंतहीन शांति-कामना और उसकी रक्तरंजित प्रवृत्तियों का विरोधाभास साफ दिखता है।

---

11 जुलाई स्व. रोपना उरांव जन्म जयंती पर विशेष

जनसंघी जनसंघर्ष पर भाजपा का मौन और झारखंड का पहला संघी विधायक

● रोपना उरांव का वह घर, जिसका अब सिर्फ अवशेष बचा रह गया है।

गुमला जैसे छोटे से कस्बे के किसी जीर्ण शीर्ण घर का गिरना एक सामान्य व बहुत छोटी सी बात है। अमूमन किसी घर का गिरना कभी जनचर्चा का विषय नहीं बनता परन्तु गुमला के डीएसपी रोड स्थित इस खपरैल व जीर्ण शीर्ण मकान का जमीन्दोज होना आज चर्चा और जनचेतना का विषय बन गया है। ऐसा इसलिए कि इस घर से निकला फक्कड़ सा एक युवक 1967 में एक दिन स्व.अटल बिहारी बाजपेयी के पास विधानसभा की टिकट मांगने जा पहुंचता है। कमाल देखिए, बाजपेयी जैसा शख्स भी तब निरूत्तर हो गया जब साधारण सा दिखने वाला एक आदिवासी युवक "जनसंघ के अंतिम वक्त में भी चार कंधा देने वालों में एक कंधा मेरा होगा" जैसा जवाब देकर उन्हें अपना प्रशंसक बनने को विवश कर गया। यह जवाब बाजपेयी जी के "आप कब तक पार्टी का साथ दे पाएंगे" का संक्षिप्त सा जवाब था। इस छोटी सी बातचीत का नतीजा सामने यह आया कि स्व. रोपना उराँव ने 1967 में हुए बिहार विधानसभा के लिए न केवल जीत दर्ज की बल्कि झारखंड की सीमा के अंदर जनसंघ को पहली जीत दिलाने का कारनामा कर दिखाया। इसी तरह 1969 में भी उन्होंने यही सबकुछ दुहरा कर खुद को साबित कर दिखाया। महज 31 वर्ष की उम्र में विधायक बनने वाले रोपना उराँव की शख्सियत का अनुमान इस तथ्य से भी लगाया जा सकता है कि विधायक बनते ही यह युवक भारतवर्ष के इतिहास में मूल आदिवासी समाज का पहला मंत्री बनकर सामने था।

आज की **बात**

केदारनाथ दास

बताया जाता है कि चुनाव जीतने व मंत्री बनते ही अब कांग्रेस ने इनपर डोरा डालना शुरू कर दिया। बांग्लादेश संग्राम के बाद तब कांग्रेस का प्रभाव अपने चरम पर था और कांग्रेस में रोपना बाबू का भविष्य भी अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित था। इसके बावजूद जनसंघ के प्रति अपनी निष्ठा, राष्ट्रवाद की संघी विचारधारा व बाजपेयी जी को दिये गए वचन से इन्होंने कभी खुद को अलग नहीं होने दिया। इसका नतीजा यह था कि वर्ष 1971 की जनगणना के आधार पर किए गए परिसीमन में रोपना उराँव के पर कतरते हुए गुमला विधानसभा क्षेत्र में शामिल सभी प्रखंडों को विखंडित करके रोपना उराँव की कर्मभूमि को तहस नहस करके रख दिया गया। बदली हुई परिस्थिति में उन्हें इस बात का पूरा अहसास था कि 1972 का चुनाव वे हारने वाले हैं। ऐसे में, चुनाव हारने के बावजूद उन्होंने एक ऐतिहासिक विजय जुलूस निकालकर कांग्रेस को राजनैतिक तौर पर बैकफुट लाने की रणनीति का शानदार प्रदर्शन कर दिखाया और यह जता दिया कि रोपना का मतलब आत्मसमर्पण नहीं होता। लिपिक के तौर पर काम करने के दौरान ही भ्रष्टाचार के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजाने, सहकारिता को इस क्षेत्र में दिशा देने और क्षेत्र की उपेक्षा के विरुद्ध तत्कालीन राज्यपाल देवकांत बरुआ के गुमला प्रवेश पर जनप्रतिबंध लगाने वाला यह शख्स भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी मुहिम को धार देने की नीयत से सबसे पहले कांग्रेस का ही दरवाजा खटखटाया था। यहाँ अपनी उपेक्षा से आहत रोपना ने "कांग्रेस के पास भले नेताओं की कमी न हो परन्तु पूरे विश्व में रोपना उराँव तो एक ही है" जैसा वक्तव्य देकर अपनी शुरुआती पारी में ही बांउड्री फतह करने का जलवा दिखा दिया था।

उल्लेखनीय है कि 11 जुलाई 1936 को जन्म लेकर 10 अगस्त 1980 को महाप्रयाण के अपने छोटे से कालखंड का यह विशाल व्यक्तित्व आज अपने जमीन्दोज हुए घर की ही तरह गुमनाम हो चुका है। इस गुमनामी की व्यथा यह कि तमाम अहर्ताओं के बावजूद जिस रोपना के लिए भारत रत्न की अपेक्षा की जानी चाहिए थी उसके लिए न कभी पद्म पुरस्कारों की मांग की गई, न राष्ट्रीय या प्रांतीय स्तर पर अपने दल के अंदर जन्मजयंती जैसा कोई सम्मान दिया जा सका, न अपने गृहनगर में उनकी कोई प्रतिमा दिखी और न किसी सड़क या छोटे से भवन को ही उनके नाम पर समर्पित किया जा सका। यह उपेक्षा इतनी भर ही नहीं है क्योंकि उनके नाम पर राजनीति करनेवाले उनके पुत्र तक को आज इतनी भी फुर्सत नहीं है कि संस्मरण साझा करने के लिए पाँच मिनट का समय दे सकें। विद्रोह व निष्ठा को आजीवन आत्मसात करने वाले इस खपरैल घर की नियति देखिए कि कांग्रेस की पूरी कायनात को आजीवन तिरस्कृत करनेवाला रोपना आज अपने घर,अपनी कर्मभूमि और विचारधारा की पार्टी में ही तिरस्कृत रह गया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फिलवक्त बिहार में विपक्षी राजनीति का चक्का जाम है

चुनाव आयोग द्वारा बीती 25 जून से बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। इस प्रक्रिया का विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस' यानी इंडी गठबंधन विरोध कर रहा है। विपक्ष इस मसले पर कानूनी लड़ाई भी लड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष की 9 राजनीतिक पार्टियों ने याचिका दाखिल की है, जिस पर सर्वोच्च अदालत 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने नौ जुलाई बिहार में चक्का जाम करने का निर्णय किया है। विपक्ष की राजनीति और बॉडी लैंग्वेज से ऐसा आभास हो रहा है मानो मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण से उसका बना बनाया खेल बिगड़ गया है। फिलवक्त बिहार में विपक्ष की राजनीति का चक्का जाम दिखाई दे रहा है। निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, जबकि पांच राज्यों- असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले अवैध प्रवासियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर यह कवायद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। इसी वजह से पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

व्यंग्य की **बात**

डॉ. आशीष वशिष्ठ

गुरु और जीवन : अभिन्न हैं

एक बार की बात है। एक संत एक गाँव में से होकर जा रहे थे। एक घर में एक माँ अपने बेटे से चिल्लाते हुए कह रही थी, "राम! तुम कब तक सोते रहोगे? उठो!" महिला के शब्दों ने संत को एक बार चौंका दिया। उनका मन जो अतीत और भविष्य के बारे में सोचने में लीन था, जाग गया। उसी क्षण उन्हें ज्ञान प्राप्त हो गया। प्रकृति आपको मन में चल रही शिकायतों और रोने-धोने से जागने के भरपूर संकेत देती है। गुरु पूर्णिमा जीवन के ज्ञान को जगाने का एक ऐसा ही अवसर है। जब आप जीवन का सम्मान करते हैं और जब आप में कृतज्ञता होती है, तो शिकायत बंद हो जाती है।

अध्यात्म की **बात**

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर

गुरु तत्त्व का सम्मान : जरा इस चमत्कार को देखिए - आपके शरीर में अरबों कोशिकाएँ लगातार पैदा हो रही हैं और विलीन हो रही हैं, प्रत्येक की अपनी लय है। आपने अपने शरीर के भीतर एक पूरा शहर बसा हुआ है, जैसे एक छत्ते में हजारों मधुमक्खियाँ एक रानी मधुमक्खी के चारों ओर इकट्ठा होती हैं। यदि रानी गायब हो जाती है, तो छत्ता ढह जाता है। इसी तरह, आपके केंद्र में आत्मा है - स्व, दिव्य या गुरु तत्त्व। ये तीनों एक ही हैं - जीवन रूपी छत्ते के भीतर रानी मधुमक्खी की तरह हमें एक रखते हैं। गुरु तत्त्व गरिमामय है, फिर भी एक बच्चे की तरह विनम्र है। गुरु का सम्मान करना जीवन का सम्मान करना है। यही गुरु पूर्णिमा का सार है। शिक्षक आपको जानकारी देते हैं। गुरु आपके भीतर की जीवन शक्ति को जगाता है। गुरु आपको केवल ज्ञान से नहीं भरता अपितु वह आपको इसका अनुभव कराता है। इसमें ज्ञान और जीवन का पूर्ण एकीकरण है।

आपके जीवन में ज्ञान ही आपका गुरु है। जीवन ने आपको पहले ही बहुत कुछ सिखाया है कि आप कहाँ गलत किया और आपने क्या सही किया। आपको समय-समय पर इस ज्ञान पर प्रकाश डालना चाहिए। यदि आप इस ज्ञान के बारे में जागरूकता के बिना अपना जीवन जीते हैं, तो आप गुरु तत्व का सम्मान नहीं कर रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा साधक के लिए एक नया वर्ष है। यह वार्षिक रिपोर्ट कार्ड देखने का समय है-आप जीवन में कितने आगे बढ़े हैं, और आप कितने अधिक स्थिर हैं। हमें बार-बार ज्ञान की ओर लौटने की आवश्यकता है; बुद्धि को ज्ञान में डुबाना होगा। यही सच्चा सत्संग है। सत्संग सत्य की संगति है, ज्ञानियों की संगति है। आप अपने भीतर के सत्य से हाथ मिलाते हैं, और यही सत्संग है।

अपने उपहारों का सम्मान करें : दूसरी बात जो आपको इस गुरु पूर्णिमा पर करनी चाहिए, वह है, आपको जो उपहार दिया गया है उसका उपयोग करना। यदि आप अच्छा बोलते हैं या आपकी बुद्धि अच्छी है, तो इसका उपयोग दूसरों के लाभ के लिए करें। आपको बहुत से आशीर्वाद दिए गए हैं। उनका बुद्धिमानी से उपयोग करें, और आपको और अधिक दिया जाएगा। देने वाला आपको अथक रूप से बहुत कुछ दे रहा है और आपसे किसी प्रकार की स्वीकृति या सम्मान भी नहीं चाहता है।

शब्दों से मौन की ओर बढ़ें : समझ के तीन स्तर हैं-एक शब्दों का स्तर है; फिर भावनाएँ आती हैं जहाँ आप शब्दों पर नहीं टिकते बल्कि शब्दों के पीछे के अर्थ या भावना को देखते हैं; और फिर तीसरा स्तर वह है जहाँ आप भावना से भी परे हो जाते हैं क्योंकि भावनाएँ और अर्थ बदल जाते हैं। तीसरा मौन के स्तर पर है। मौन के माध्यम से संदेश दिया जाता है। जैसे-जैसे आप मार्ग पर आगे बढ़ते हैं, आप सोचने वाले मन से कृतज्ञता की भावना की ओर बढ़ते हैं और कृतज्ञता आपको आनंदमय मौन की ओर ले जाती है।

जानें कि गुरु साक्षी हैं : गुरु को केवल एक शरीर या व्यक्तित्व समझने की भूल मत कीजिए। गुरु को रूप से परे देखिए। निस्संदेह, गुरु सुख और सांत्वना देते हैं, लेकिन गुरु सभी प्रकार की बुद्धि, मन और विचारों के साक्षी भी हैं। अच्छा, बुरा, सही गलत में से वे किसी में भी शामिल नहीं हैं। सुखद अनुभवों ने आपको विकसित किया है, और इसी तरह अप्रिय अनुभवों ने भी। जीवन के सुखद अनुभवों ने आपको ऊँचाई दी और दुखद अनुभवों ने आपको गहराई और बुद्धिमत्ता दी। गुरु तत्त्व इन सबका साक्षी है - भावनाओं के परे होते हुए भी सभी गुणों को समेटे हुए।

जीवन में कोई पलायन नहीं है। ऐसा मत सोचिए कि ज्ञान जीवन से पलायन है। ज्ञान का अर्थ है जीवन में बने रहना, हर चीज का साक्षी होना और जीवन में बने रहना। आपको बस इतना करना है कि यह दृढ़ विश्वास रखें कि एक बार जब आप रास्ते पर चल पड़ें, तो जान लें कि आपके लिए केवल सबसे अच्छा ही होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

एक 'विभीषण' आ गया, रामादल के साथ।
पलट गये परिणाम तब, अब न भरोसा नाथ।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

गुरु मौन ईश्वर की अभिव्यक्त वाणी हैं

गुरु वह अनन्त द्वार हैं जिसके माध्यम से ईश्वर हमारे जीवन में प्रवेश करते हैं। तथा यदि हम अपनी इच्छा और चेतना को गुरु के साथ समस्वर नहीं करते हैं तो सम्भवतः ईश्वर भी हमारी सहायता नहीं कर सकते। आजकल लोग ऐसा मानते हैं कि शिष्यत्व स्वेच्छापूर्वक गुरु को अपनी स्वतंत्र इच्छाशक्ति समर्पित करने के समान है। परन्तु गुरु की सार्वभौमिक करुणा के प्रति निष्ठा निश्चित रूप से दुर्बलता का प्रतीक नहीं है।

स्वामी श्रीयुक्तेश्वरजी ने कहा था, "इच्छा की स्वतन्त्रता पूर्वजन्म और जन्मोत्तर की आदतों या मानसिक भावनाओं के अनुसार कार्य करने में निहित नहीं है।" परन्तु, सामान्य मनुष्य अपना दैनिक जीवन वस्तुतः अपनी इच्छाशक्ति का रचनात्मक प्रयोग किए बिना ही व्यतीत करते हैं—संकट में, दुःख में और यहाँ तक कि आनन्द में भी। स्वतन्त्रता का वास्तविक अर्थ है अपने अहंकार से मुक्त जीवन जीना। यह तभी सम्भव है जब हम अनन्त ज्ञान, सर्वसमावेशी चेतना, सर्वव्यापी प्रेम पर ध्यान करते हैं; जिसे शिष्य एक सच्चे गुरु की शिक्षाओं के माध्यम से अनुभव कर सकते हैं।

"गुरु" शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है : "गु" का अर्थ है अन्धकार, और "रु" का अर्थ है समाप्त करना या भंग करना। गुरु जन्म-जन्मान्तर तक हमारे हाथों को थामे रखते हैं जब तक कि हम माया की अन्धकारपूर्ण गलियों को पार कर अपने वास्तविक निवास अर्थात् आत्मज्ञान में स्थित होकर सुरक्षित नहीं हो जाते।

तो कोई व्यक्ति सच्चे गुरु को कैसे प्राप्त कर सकता है? ऐसा कहा जाता है कि गुरु को हम नहीं खोजते हैं, अपितु स्वयं गुरु ही हमें खोज लेते हैं। जब सर्वोच्च सत्य को प्राप्त करने की हमारी लालसा अत्यधिक तीव्र हो जाती है, तो ईश्वर हमें आत्म-साक्षात्कार की चुनौतीपूर्ण यात्रा पर प्रगति करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक ईश्वरीय माध्यम अर्थात गुरु को भेजकर प्रत्युत्तर देते हैं। ऐसे गुरु ईश्वर के द्वारा निर्धारित होते हैं। वे ईश्वर के साथ एकाकार होते हैं और उन्हें धरती पर ईश्वर के एक प्रतिनिधि के रूप में उपदेश देने की ईश्वरीय स्वीकृति प्राप्त होती है।

गुरु मौन ईश्वर की अभिव्यक्त वाणी हैं। माया के सागर को पार करने के लिए शिष्य गुरु-प्रदत्त साधना का अनुसरण करके ज्ञान की अपनी जीवनरक्षक नाव का निर्माण करता है। श्री श्री परमहंस योगानन्द एक ऐसे ही सच्चे गुरु थे जो दिव्य गुरुओं की परम्परा से थे और जिन्होंने सम्पूर्ण विश्व में क्रियायोग मार्ग के ज्ञान का प्रसार करने की दिशा में कार्य किया।

क्रियायोग आत्म-साक्षात्कार प्राप्त करने के सर्वोच्च मार्गों में से एक है। अपने आध्यात्मिक गौरव ग्रन्थ, "योगी कथामृत" में, जिसने लाखों व्यक्तियों के जीवन को उन्नत किया है, योगानन्दजी लिखते हैं कि क्रियायोग एक मनोदैहिक प्रणाली है जिसके द्वारा मानव रक्त को कार्बन से मुक्त और ऑक्सीजन से संचारित किया जाता है। इस अतिरिक्त ऑक्सीजन के परमाणु प्राणधारा में परिणत हो जाते हैं जिसके द्वारा योगी ऊतकों के क्षय को नियन्त्रित और यहाँ तक कि रोक भी सकता है।

अलग **बात**

नेहा प्रकाश
विज्ञापन उद्योग विशेषज्ञ ,दिल्ली

आध्यात्मिक प्रगति की ऐसी शक्तिशाली पद्धति को मानवजाति के साथ साझा करना आवश्यक था और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए योगानन्दजी ने अपने गुरु स्वामी श्रीयुक्तेश्वरजी के आदेश से सन् 1917 में राँची में योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया (वाईएसएस) और सन् 1920 में लॉस एंजेलिस में सेल्फ़-रियलाइज़ेशन फ़ेलोशिप (एसआरएफ़) की स्थापना की। सत्य के साधकों के लिए एसआरएफ़ और वाईएसएस से आत्म-साक्षात्कार गृह-अध्ययन पाठमाला के माध्यम से क्रियायोग की शिक्षाएँ उपलब्ध हैं। ऐसा माना जाता है कि यदि किसी श्रद्धावान व्यक्ति की लालसा गहन और ईश्वर को जानने की तड़प अथक है, तो एक सच्चे गुरु स्वयं ही अपने शिष्य का मार्गदर्शन करने के लिए आते हैं। यह एक सच्चे गुरु का दिव्य वचन है।

गुरु चाहे भौतिक शरीर में हों या न हों, वे सदैव उस शिष्य के निकट रहते हैं जो उनके साथ समस्वर होता है, क्योंकि एक सच्चे गुरु की चेतना शाश्वत होती है। सन्त कबीर के शब्दों में, "वह शिष्य अत्यन्त सौभाग्यशाली होता है जिसने एक सच्चे गुरु को खोज लिया है!"

अधिक जानकारी के लिए : yssofindia

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

नदी पारकर चुदीयारी गांव पहुंचे सिविल सर्जन

चुदीयारी दो बार खाट पर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने की घटना के बाद सुर्खियों में आया था

- गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी
- सड़क/रास्ते का अभाव, जिसके कारण मरीजों को खाट पर लादकर अस्पताल ले जाया जाता है

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। एक अदद रास्ते और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे सिमडेगा के पाकरटांड़ प्रखंड के चूंदीयारी गांव में बुधवार को सिमडेगा का स्वास्थ्य महकमा पहुंचा और वहां हालात का जायजा लिए। स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव और एक अदद रास्ते से जूझ रहा सिमडेगा के पाकरटांड़ प्रखंड का चूंदीयारी दो बार खाट पर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने की घटना के बाद सुर्खियों में आया। इस गांव की स्वास्थ्य संबधी खबरें बार-बार सामने आने के बाद सिमडेगा का स्वास्थ्य महकमा आज खुद चलकर इस गांव तक गया। रास्ते के अभाव के कारण सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान सहित सभी स्वास्थ्य कर्मी पैदल हाथों में चप्पल और जूता पकड़े नदी पार कर इस गांव तक पहुंचे। गांव पहुंचने के बाद स्वास्थ्य कर्मियों ने गांव में घूम-घूम कर लोगों की स्वास्थ्य जांच की। इस दौरान वहां कई तरह की परेशानी उन्होंने देखा। सिमडेगा सिविल सर्जन ने भी स्वीकार किया कि इस गांव में बहुत परेशानी से ग्रामीण जूझ रहे हैं। सिविल सर्जन ने कहा कि अभाव से जूझ रहे इस गांव के ग्रामीणों को सिमडेगा स्वास्थ्य विभाग अब समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर लगाकर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराएगी। सिविल सर्जन द्वारा ग्रामीणों को दिया गया आश्वासन निश्चित रूप से उन्हें एक बड़ी राहत देगी। स्वास्थ्य विभाग अगर नियमित रूप से वहां स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगी तो, निश्चित रूप से अब इस गांव से खाट पर झूलता स्वास्थ्य व्यवस्था नजर नहीं आएगा।

चार लोगों की हत्या के मुख्य आरोपी को मिली फांसी की सजा

नवीन मेल संवाददाता

- जमीन विवाद को लेकर संजय सोरेंग ने राकेश सोरेंग पर कुल्हाड़ी से हमला किया
- बीच-बचाव में आए राकेश की पत्नी कार्मेला, बेटा फिलमोन (05 वर्ष) और निस्तोर सोरेंग की भी हत्या
- हत्या में संजय के साथ दो सहयोगी – निर्मल और पुनीत सोरेंग भी शामिल थे

सिमडेगा। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में बुधवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार सिन्हा की अदालत ने पाकरटांड़ थाना कांड संख्या 09/2018 के तहत दर्ज चार लोगों की हत्या मामले में सुनवाई करते हुए हत्या के मुख्य अभियुक्त को फांसी की सजा सुनाई है। वहीं इसके दो सहयोगी को आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। लोक अभियोजन अमर चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 मई 2018 को पाकरटांड़ थाना क्षेत्र के नोनगढ़ा गोंदलीपानी निवासी राकेश सोरेंग अपने घर के पास घेराव का कार्य कर रहा था। इसी क्रम में पड़ोसी संजय सोरेंग नामक व्यक्ति उसके पास आया और उस जमीन पर अपना दावा बताते हुए राकेश से उलझ गया। विवाद बढ़ने पर संजय सोरेंग अपने पड़ोसी राकेश पर कुल्हाड़ी से हमला करने लगा। राकेश कमजोर पड़ने लगा। इसी बीच, संजय व उसके सहयोगी निर्मल और पुनीत सोरेंग ने राकेश तथा बीच- बचाव करने आए गांव के निस्तोर सोरेंग समेत राकेश की पत्नी कार्मेला सोरेंग और उनके 05 वर्षीय बेटे फिलमोन की टांगी से काटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने राकेश और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आज इसी मामले की सुनवाई करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने लोक अभियोजन अमर चौधरी द्वारा पेश किए गए साक्ष्य और गवाहों के बयान के आधार पर संजय सोरेंग सहित उसके सहयोगी निर्मल और पुनीत को दोषी करार देते हुए, संजय को फांसी और उसके सहयोगियों को आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई। बताया गया कि फांसी की सजा पाने वाले संजय सोरेन पर पूर्व में भी एडीजे की अदालत के द्वारा एक अन्य हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। बता दें कि सिमडेगा में 25 वर्षों के बाद किसी को फांसी की सजा सुनाई गई है।

सोशल मीडिया की झूठी खबर का बीडीओ ने किया खंडन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। भारत आदिवासी पार्टी के जिलाध्यक्ष चिराग तिर्की के द्वारा उपायुक्त सिमडेगा को दिए ज्ञापन और सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे हैं भ्रामक खबर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन मिंज ने अपनी प्रतिक्रिया दी है । उन्होंने कहा कि मीडिया में बाप पार्टी जिला अध्यक्ष द्वारा समाचार चलाया जा रहा है जो केवल पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर बिना सत्यता की जांच और आगे की जानकारी के साथ सोशल मीडिया पर गलत सूचना प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि कथित मामले में कंप्यूटर ऑपरेटर की मानवीय भूल की वजह से एक क़िस्त भुगतान लाभुक समिति फ़रसापानी के स्थान पर लाभुक समिति ठेठईटांगर में चली गई थी, जिसकी जानकारी ऑपरेटर द्वारा देने के बाद दोनों ही लाभुक समिति को बुलाते हुए जिस लाभुक समिति के खाते में गलत भुगतान गई थी उनसे लेकर सही लाभुक समिति को दिया गया । तथा इस संबंध में लिखित रूप से दोनों लाभुक समितियां के द्वारा संयुक्त रूप से प्रखंड कार्यालय ठेठईटांगर को समर्पित किया गया। इसके अलावा प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि संबंधित योजना धरातल पर पूर्ण है और इस योजना का सुचारू रूप से लाभ लिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि बिना संपूर्ण जानकारी के वस्तु स्थिति से अवगत हुए बिना इस प्रकार का आरोप श्री तिर्की के द्वारा बार-बार लगाना उन्हें के गलत मनसा को दर्शाता है। उन्होंने सोशल मीडिया एवं पत्रकार बन्धुओ से भी आग्रह करते हुए कहा कि किसी भी संबंधित मामले में मामले की सत्यता करते हुए खबर चलाएं इसके अलावा संबंधित पदाधिकारी से भी मंतव्य लें ताकि लोगों के बीच सही और सटीक जानकारी मिल सके। और आगे प्रखंड द्वारा संचालित सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचने में सहयोग करें।

राष्ट्रव्यापी मध्यस्थता अभियान को लेकर विधिक सेवा प्राधिकार की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नालसा और झालसा के निर्देश पर चल रहे 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी मध्यस्थता अभियान को सफल बनाने को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा मध्यस्थों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राधिकार सचिव मरियम हेमरोम ने की। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक चलने वाले इस अभियान के दौरान अधिक से अधिक सुलह योग्य मामलों का निष्पादन आपसी समझौते के आधार पर सुनिश्चित किया जाए।सचिव ने कहा कि अदालत से भेजे गए मामलों में मध्यस्थ दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण तैयार कर समाधान की दिशा में काम करें। उन्होंने यह भी कहा कि एक भी केस नन स्टार्टर न रहे और सभी पक्षों को समय पर सूचना देकर मध्यस्थता केंद्र बुलाया जाए।उन्होंने जानकारी दी कि इस अभियान के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, घरेलू हिंसा, दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, बंटवारा सहित अन्य सिविल मामलों का निपटारा किया जाएगा।

कोलेबिरा थाना परिसर में मनाया गया थाना दिवस

कोलेबिरा। बुधवार को कोलेबिरा थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर अंचलाधिकारी अनुप कच्छप और थाना के एएसआई प्रताप चंद्र महतो मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जमीन से जुड़े विवादों की सुनवाई की गई और आपसी समझौते के आधार पर समाधान का प्रयास किया गया। थाना दिवस में कुल 05 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 01 मामले का त्वरित निष्पादन किया गया, जबकि 04 मामलों पर नोटिस जारी कर अगली तिथि निर्धारित की गई। सीओ अनुप कच्छप ने बताया कि उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जमीन से संबंधित मामलों का शीघ्र निपटारा किया जा रहा है। इस अवसर पर अंचल निरीक्षक संजीवन बड़ाइक, राजस्व उप निरीक्षक प्रणय तिर्की व अनिल प्रफुल्ल एक्का, अंचल अमीन अरविंद टोप्पो सहित थाना कर्मी उपस्थित थे।

इंसानियत और भाईचारे का पैगाम लाता है मोहर्रम : विधायक भूषण बाड़ा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। मोहर्रम कमेटी मोजाहिद मुहल्ला खैरनटोली के तत्वावधान में मंगलवार की रात सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा एवं विशिष्ठ अतिथि के रुप में झामुमो जिला सचिव शफीक खान उपस्थित थे। विधायक के कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर कमेटी के द्वारा पगड़ी पहना कर स्वागत किया गया। इसके बाद कई लोगों को विधायक ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मोहर्रम के मौके पर एक दूसरे के साथ हर सुख दुख में साथ खड़े रहने का संकल्प लें। साथ ही आपसी रिश्ते को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि मुहर्रम हमें भेदभाव भुलाकर आपस में प्यार और सम्मान का रिश्ता बनाने का संदेश देता है। उन्होंने लोगों को समाज में अमन, चैन, शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि मोहर्रम इंसाफ की राह में चलने की प्रेरणा देता है। यह पर्व इंसानियत और भाईचारे का पैगाम लाता है। मुहर्रम का पर्व हमें उन कुर्बानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने इंसाफ, सच्चाई और भाईचारे के लिए अपनी जान न्योच्छावर कर दी। विधायक ने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ेगा जब सभी धर्म और समुदाय आपस में मिलकर एक दूसरे के साथ खड़े हों। मौके पर नगर अध्यक्ष अरशद हुसैन (अक्षण),मजदूर नेता राजेश सिंह,सेंट्रल सदर सह सदर विधायक प्रतिनिधि सलमान खान, नगर विधायक प्रतिनिधि शकील अहमद, विधायक प्रतिनिधि अख्तर खान, विधायक प्रतिनिधि शीतल तिर्की, सहित भारी संख्या में मोहर्रम कमिटी के लोग मौजूद थे।

नवाबांध नाला में उच्चस्तरीय पुल निर्माण का हुआ शिलान्यास

विकास हमारी पहली प्राथमिकता : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत राजाबासा और घुटबहार पंचायत को जोड़ने वाले बीड़ीयाम पथ पर नवाबांध नाला में उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास बुधवार को कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने संयुक्त रूप से किया। यह पुल मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत स्वीकृत हुआ है, जो लंबे समय से क्षेत्र की जनता की मांग रही थी।शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों के बीच विधायक ने कहा, "विकास हमारी पहली प्राथमिकता है। विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए नदियों पर पुलों का निर्माण किया जा रहा है।" उन्होंने कहा कि यह पुल राजाबासा और घुटबहार पंचायत के साथ-साथ प्रखंड के सैकड़ों गांवों और टोलों को साप्ताहिक बाजारों, स्वास्थ्य सेवाओं और आवश्यक कार्यों के लिए बेहतर आवागमन की सुविधा देगा।विधायक कोनगाड़ी ने कहा कि पुल नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों को बरसात के समय आवागमन में भारी परेशानी होती थी। अब इस पुल के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि कृषि, व्यापार और स्थानीय रोजगार के नए रास्ते भी खुलेंगे। उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और एस्टीमेट के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया।उन्होंने यह भी कहा कि कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र में सड़कों, पुलों, पेयजल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ सुदृढ़ किया जा रहा है। कई गांवों में सड़क निर्माण पूर्ण हो चुका है, और अन्य में कार्य प्रगति पर है।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

बोलबा। बोलबा थाना क्षेत्र के सुगाडोंगर वनटोली भुड़क गढ़ा गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में वचन लोहरा ग्राम देवबहाल (उड़ीसा) निवासी की मौत हो गई। घटना उस समय घटी जब वे खेत में ट्रैक्टर से हल जोत रहे थे। अचानक ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गया, जिससे वचन लोहरा उसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संतोष कुमार राय दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल भेज दिया गया। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। स्थानीय लोगों ने इसे एक बड़ी क्षति बताया और परिवार के प्रति संवेदना जताई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डॉ. सुंदर मोहन ने सिविल सर्जन का लिया पदभार, कहा

चिकित्सकों की कमी दूर करने का होगा प्रयास

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले के नव पदस्थापित सिविल सर्जन डॉ. सुंदर मोहन सामद ने बुधवार को सिविल सर्जन कार्यालय में अपना पदभार ग्रहण किया। उन्हें यह जिम्मेदारी पूर्व सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने औपचारिक रूप से सौंपी। पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. सामद ने कहा कि सिमडेगा जैसे पिछड़े और जनजातीय बहुल क्षेत्र में सेवा देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि जिलेवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में चिकित्सकों की कमी एक गंभीर समस्या है, जिसे दूर करने के लिए वे स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों से संवाद स्थापित कर आवश्यक पहल करेंगे। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों की सुविधा, स्वच्छता, दवा आपूर्ति और स्टाफ की उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने की बात कही।पदभार ग्रहण के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने नए सिविल सर्जन का स्वागत किया। डॉ. सामद ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए सहयोग की अपेक्षा जताई।

न्यूज बॉक्स

डाक बंगला परिसर में कांग्रेस की बैठक पदाधिकारियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

बानो। संगठन सृजन कार्यक्रम 2025 के तहत कांग्रेस पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को बानो डाक बंगला परिसर में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश प्रभारी के. राजू के निर्देशानुसार प्रखंड स्तर के नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत बनाना तथा नव चयनित पदाधिकारियों को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डेविड तिर्की ने की। इस दौरान जिला संगठन प्रभारी सह विधायक सिमडेगा भूषण बाड़ा और कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी की उपस्थिति में प्रखंड उपाध्यक्ष मो. रफीक अंसारी, जेम्स कुंडलना तथा महासचिव शबन डांग, सालन बागे, अभिषेक बागे और हर्षित सांगा को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही। मौके पर जिला प्रवक्ता सह सोशल मीडिया चेयरमैन रणधीर रंजन, प्रवक्ता पुलकेरिया डांग, प्रखंड अध्यक्ष अजित कुंडलना, सुनिल मिंज, शीतल, सरताज, साबर खान, मंडल अध्यक्ष शमशेर अंसारी, जिदान जोजो समेत कई पंचायत अध्यक्ष और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

क्षतिग्रस्त सोय पुल के वैकल्पिक रास्ते की हुई मरम्मती

बानो। बानो-कमडारा रोड पर स्थित सोय पुल के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। पुल के नीचे से बनाए गए वैकल्पिक रास्ते में कीचड़ भर जाने के कारण राहगीरों और वाहनों को आवागमन में कठिनाई हो रही थी। खासकर सोय, सिम्हातु, कोनसोदे और बेडाइरगी पंचायत के लोग, जो उच्च शिक्षा या दैनिक जरूरतों के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं, उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। बारिश के कारण रास्ते में कीचड़ और फिसलन की स्थिति बनी हुई थी, जिससे वाहन फंसने और दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया के निर्देश पर झामुमो की प्रखंड समिति ने इस मार्ग की मरम्मत का जिम्मा उठाया।प्रखंड प्रशासन के सहयोग से वैकल्पिक रास्ते की मरम्मत कराई गई, जिससे लोगों को राहत मिली। मौके पर तनवीर हुसैन, अमित बडिंग, बिदेशिया बड़ाइक और अजीत तोपनो मौजूद थे। स्थानीय लोगों ने इस कार्य के लिए झामुमो और प्रशासन का आभार प्रकट किया।

किसानों के बीच उरद बीज का वितरण, 94 किसानों को मिला लाभ

बानो। बानो प्रखंड के एटिक सेंटर में बुधवार को कोटा उरद बीज का वितरण किया गया। यह वितरण ब्लॉक चैन टेक्नोलॉजी के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में बानो प्रमुख सुधीर डांग की उपस्थिति रही। कुल 94 रजिस्टर्ड किसानों को बीज उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर एटीएम अब्दुल्ला एहरार ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि खरीफ मौसम में उरद की बुवाई जून-जुलाई में करनी चाहिए। प्रति एकड़ खेत के लिए 4.8 से 6 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। खेत की तैयारी के लिए पहले एक बार गहरी जुताई करें, इसके बाद 2-3 बार हल्की जुताई कर पाटा लगाएं ताकि मिट्टी भुरभुरी और समतल हो जाए। खेत में जल जमाव न हो, इसके लिए जल निकासी की समुचित व्यवस्था जरूरी है। भारी मिट्टी में अधिक जुताई की आवश्यकता होती है। इस कार्यक्रम में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक ओबैदुल्ला एहरार, सहायक तकनीकी प्रबंधक श्याम कुमार, कृषि मित्र दामोदर सिंह और बलराम सिंह भी मौजूद रहे। किसानों ने इस पहल के लिए कृषि विभाग का आभार जताया।

बजरंग दल ने सड़क सुरक्षा को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

सिमडेगा। विश्व हिंदू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल के बैनर तले सेवा सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को सड़क सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम महावीर चौक के पास आयोजित किया गया, जिसमें दोपहिया वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।इस अभियान की अगुवाई बजरंग दल के जिला संयोजक आनंद जायसवाल ने की। अभियान के दौरान पंपलेट वितरित कर लोगों को हेलमेट पहनने, ट्रैफिक नियम पालन करने तथा सड़क पर सुरक्षित ढंग से वाहन चलाने का संदेश दिया गया। साथ ही लोगों को यह भी बताया गया कि लापरवाही से वाहन चलाना न केवल स्वयं के लिए बल्कि दूसरों के लिए भी खतरा उत्पन्न करता है।आनंद जायसवाल ने बताया कि बजरंग दल द्वारा चलाया जा रहा सेवा सप्ताह समाज के विभिन्न पहलुओं को छूने का प्रयास है, जिसमें स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा जैसे मुद्दों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहना चाहिए और यातायात नियमों का पालन कर दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।मौके विहिप जिला मंत्री कृष्णा शर्मा ,सुमित गुप्ता अंकित केसरी, विनीत गुप्ता ,रोहित कुमार ,आकाश चक्रवर्ती शुभम कुमार पुष्प कांत शर्मा आदि उपस्थित थे।

आदिवासी दिवस विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को भव्य तरीके से मनाया जाएगा

आदिवासी समुदाय से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर होगी विशेष चर्चा

- इस वर्ष आदिवासी दिवस एक मंच पर एकजुटता के साथ मनाया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। आगामी 9 अगस्त 2025 को विश्व आदिवासी दिवस का भव्य आयोजन परम वीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता हरिश्चंद्र भगत ने की। बैठक में तय किया गया कि इस वर्ष का आदिवासी दिवस एक मंच पर मनाया जाएगा, जिसमें आदिवासी समुदाय से जुड़े ज्वलंत मुद्दों जैसे जमीन लूट, योजना लूट और पेसा कानून पर विशेष चर्चा होगी। बैठक में सर्वसम्मति से अनुप लकड़ा को आयोजन समिति का अध्यक्ष चुना गया, जबकि अजय एक्का व नीरज बड़ाईक उपाध्यक्ष बनाए गए। प्रदीप टोप्पो को सचिव, धानो कच्छप उप सचिव तथा अशीषन बिलुंग और रेजिना टोप्पो को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। आयोजन समिति के संरक्षक मंडल में हरिश्चंद्र भगत, साधु मालवा, सोहन बड़ाइक, नील जस्टिन बेक और राकेश रविकांत प्रधान को शामिल किया गया है।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस अवसर पर संस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता और जुलूस का आयोजन किया जाएगा। साथ ही पूर्णिया में आदिवासी परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाए जाने की घटना पर दो मिनट का मौन रखकर विरोध जताया गया। समिति ने अंधविश्वास और डायन-बिसाही जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ समाज में जागरूकता लाने की अपील की।

बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ़ स्थित कलकत्ता चिल्ड्रेन एकेडमी विद्यालय में 09 जुलाई को कक्षा 3, 4 व 5 के विद्यार्थियों के बीच क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों को तीन टीमों—टीम ए, बी और सी में बांटा गया। कुल 30 प्रश्नों में टीम बी ने 16 अंक प्राप्त कर पहला स्थान, टीम सी ने 15 अंक लेकर दूसरा स्थान और टीम ए ने 13 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य शिव शंकर बेरा ने विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए सभी बच्चों को पढ़ाई व खेलकूद में संतुलन बनाकर विकास करने की सलाह दी। उन्होंने अनुशासन, नियमित उपस्थिति व रूटीन बनाकर पढ़ाई की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर शिक्षक विल्कन डांग, देवनंदन बेरा एवं शिक्षिकाएं प्रमिला, अंबिका, काजल, रीतू और हेमंती उपस्थित थीं।

कांवरिया सेवा संघ की बैठक कल

सिमडेगा। कांवरिया सेवा संघ की बैठक 11 जुलाई को महावीर चौक स्थित महावीर मंदिर परिसर में आयोजित की जाएगी। बैठक संध्या 7:30 बजे से प्रारंभ होगी। उक्त जानकारी देते हुए कांवरिया सेवा संघ के अध्यक्ष संजय बडालिया ने बताया कि उक्त तिथि को नई समिति का चुनाव कराया जाएगा। इसे लेकर समाज के प्रबुद्धजनों और धर्म प्रेमियों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर धर्म के कार्य में अपनी सहभागिता को सुनिश्चित करें।

गुरु पूर्णिमा : श्रद्धा और आभार का पावन पर्व

व्रत, दान और मंत्र जाप का विशेष महत्व

एजेंसी। नई दिल्ली

आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि गुरुवार को पड़ रही है, इस दिन शिष्य अपने गुरु और मार्गदर्शक की पूजा करते हैं, जिनसे उन्हें शैक्षिक और आध्यात्मिक ज्ञान मिला है। शास्त्रों में गुरु का स्थान देवताओं से भी ऊपर बताया गया है, क्योंकि गुरु अपने शिष्य को जीवन में सफलता पाने का और परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग बताते हैं।इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से आपको हर तरह के पाप से मुक्ति मिलती है और महापुण्य की प्राप्ति होती है। इस दिन गुरुओं का सम्मान करने के साथ-साथ उन्हें गुरु दक्षिणा भी दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गुरु और बड़ों का सम्मान करना चाहिए। जीवन में मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त करना चाहिए, गुरु पूर्णिमा पर व्रत, दान और पूजा का भी महत्व है। व्रत रखने और दान करने से ज्ञान मिलता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतीक है। इस दिन गुरु की पूजा करनी चाहिए, लेकिन अगर हम गुरु से साक्षात् नहीं मिल पा रहे हैं तो गुरु का ध्यान करते हुए भी पूजा कर सकते हैं। शास्त्रों के अनुसार गुरु की मानसिक पूजा का भी की जा सकती है।

गुरु पूर्णिमा : अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाने वाले गुरुओं को नमन

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः।।

इस श्लोक का अर्थ है कि गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही शिव हैं। गुरु साक्षात परब्रह्म हैं, गुरु को हम प्रणाम करते हैं। गुरु शब्द में 'गु' का अर्थ है अंधकार और 'रु' का अर्थ है नाश करने वाला, यानी जो अज्ञान के अंधकार का नाश करता है और ज्ञान का प्रकाश देता है, वही गुरु है। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को वेद व्यास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाते हैं। उन्होंने वेदों का संपादन किया, 18 पुराण, महाभारत और श्रीमद् भगवद् गीता की रचना की। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं।

महाकाल की सवारी में गड़बड़ी करने वाले उज्जैन में रह नहीं पाएंगे : विधायक रामेश्वर शर्मा

एजेंसी। भोपाल/उज्जैन

मध्य प्रदेश के भोपाल के हुजूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक रामेश्वर शर्मा ने बुधवार को कहा कि श्रावण मास में उज्जैन में बाबा महाकाल की सवारी में गड़बड़ी करने वालों पर इस बार ऐसी कार्रवाई होगी कि वे उज्जैन में रहना भूल जाएंगे। धार्मिक नगरी उज्जैन में श्रावण मास में सोमवार को बाबा महाकाल की सवारी निकलती है। इस दौरान देश और दुनिया के श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने सोमवार को शिक्षण संस्थानों में अवकाश का ऐलान किया है। इसके बदले रविवार को पढ़ाई होगी। इस फैसले का भाजपा विधायक शर्मा ने स्वागत किया है और कहा है कि महाकाल की सवारी के दौरान छात्रों को परेशानी होती है, इसलिए यह निर्णय लिया गया है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद द्वारा शुक्रवार को भी छुट्टी रखने की मांग पर भाजपा विधायक शर्मा ने कहा कि कांग्रेस "दिवालियापन" से गुजर रही है। ये वे लोग हैं जो न राम के हुए, न महावीर के। अब यह महादेव के भी नहीं हो रहे।

दिल्ली पुलिस के एएसआई को सीबीआई ने किया गिरफ्तार, 50 हजार मांगी थी रिश्वत

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली पुलिस के एएसआई को 35 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने ये कार्रवाई 8 जुलाई को एएसआई और एक हेड-कांस्टेबल के खिलाफ दर्ज हुई शिकायत के आधार पर की है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई), पीएस द्वारका उत्तर, दिल्ली को 35 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई के मुताबिक, "सीबीआई ने 8 जुलाई को एएसआई और एक हेड-कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि आरोपी एएसआई और एक हेड-कांस्टेबल ने शिकायतकर्ता और उसके दोस्त से बाजार में सब्जी की दुकान चलाने की अनुमति के लिए 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। साथ ही हर महीने 5 हजार से 10 रुपए देने को कहा था। बातचीत के बाद दोनों 35 हजार रुपए की रिश्वत और हर महीने प्रति व्यक्ति 2 हजार रुपए लेने पर सहमत हुए।" सीबीआई ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया और उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया। सीबीआई ने एएसआई को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल एएसआई को हिरासत में लिया गया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

क्या घुसपैठियों को मतदाता सूची में शामिल करना चाहता है विपक्ष?

एजेंसी। पटना

बिहार में मतदाता सूची संशोधन के ख़िलाफ़ विपक्ष के 'बिहार बंद' रैली पर भाजपा और जदयू ने पलटवार किया है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सवाल किया कि क्या विपक्ष घुसपैठियों और अन्य लोगों को मतदाता सूची में शामिल करना चाहता है? क्या यह सच नहीं है कि रोहिंग्याओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं? वे (विपक्ष) ऐसे अवैध मतदाताओं के आधार पर अपनी राजनीति चलाना चाहते हैं। उनका यह रवैया गंभीर सवाल खड़े करता है। सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई.. या फिर यह किसी तरह का दबाव बनाने की कोशिश है। रविशंकर प्रसाद ने यह भी कहा कि बिहार में 7.9 करोड़ मतदाता हैं और 4 करोड़ मतदाताओं ने गणना फ़ॉर्म जमा कर दिया है। जिनके नाम 2003 तक मतदाता सूची में थे, उन्हें दस्तावेज़ जमा करने की ज़रूरत नहीं है। जेडी(यू) नेता नीरज कुमार ने कहा कि वे संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं और संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाते रहते हैं। उनके घटक दलों ने आपत्ति जताई थी कि पिछले चुनावों में विभिन्न मतदाताओं के नामों में दोहराव हुआ है। मृत लोगों के नाम सूची में थे। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में महागठबंधन द्वारा आहूत राज्यव्यापी बंद के मद्देनजर विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं के सड़कों पर उतरने से राज्य के कई हिस्सों में रेल और सड़क यातायात बुधवार को बाधित हो गया।

गुजरात में पुल गिरने की घटना पर पीएम मोदी ने जताया शोक

मृतकों के परिजनों को 2 लाख व घायलों को 50 हजार की सहायता

एजेंसी। गांधीनगर

वडोदरा में पुल गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई और अन्य 9 लोग घायल हो गए हैं। इस घटना पर पीएम मोदी ने शोक व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वालों की मौत अत्यंत दुखद है और मैं उन सभी परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को इस हादसे में खोया है। प्रधानमंत्री ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुश्किल समय में प्रभावित लोगों के साथ है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा इस हादसे में घायल हुए लोगों को 50,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

बता दें, यह दुर्घटना बुधवार की सुबह लगभग 7 से 7:30 बजे के बीच हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, पुल के ढहने से तीन ट्रक, दो इको, एक रिक्शा, एक पिकअप और दो बाइक नदी में डूब गए। इस घटना में 9 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें पादरा सीएचसी और वडोदरा एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 9 लोगों की मृत्यु हो गई है, जिसकी पुष्टि कलेक्टर अनिल धमेलिया ने की है। इस घटना के बाद, 20 से अधिक अग्निशमन कर्मी, 1 एनडीआरएफ टीम, 1 एसडीआरएफ टीम, 2 अग्निशमन नावें, 3 दमकल गाड़ियां, 10 से अधिक एम्बुलेंस और 5 से अधिक चिकित्सा दल राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। इसके अलावा, स्थानीय लोग भी इसमें शामिल हो गए हैं। जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक, विधायक चैतन्य सिंह झाला और प्रांतीय अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं और राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्देश और मार्गदर्शन दे रहे हैं। यहां रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

- **कई वाहन नदी में समाए :** तीन ट्रक, दो इको, एक रिक्शा, एक पिकअप और दो बाइक पुल ढहने से नदी में गिरे।
- **रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात :** 20+ अग्निशमन कर्मी, नावें, एम्बुलेंस और मेडिकल टीमें राहत कार्य में जुटीं।
- **प्रशासन और स्थानीय लोग राहत कार्य में सक्रिय :** कलेक्टर, एसपी, विधायक पर मौजूद, स्थानीय लोग भी कर रहे मदद।
- **रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी :** प्रशासन द्वारा हर संभव सहायता और निर्देश दिए जा रहे हैं।

सीएम ने मुआवजे का किया ऐलान, जांच के आदेश

गांधीनगर। गुजरात के वडोदरा जिले के पादरा तालुका में पुल के ढहने से अब तक 9 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दुख जताया और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाले गंभीरा पुल के 23 गर्डरों में से एक गर्डर के टूटने से हुई दुर्घटना दुखद है। मैं इस दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। वडोदरा कलेक्टर से बात कर घायलों के तत्काल इलाज के लिए प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।" सीएम पटेल ने बयान में कहा, "स्थानीय नगरपालिका और वडोदरा नगर निगम की अग्निशमन टीम नावों और तैराकों के साथ दुर्घटनास्थल पर बचाव और राहत कार्यों में जुटी हुई है। साथ ही एनडीआरएफ की टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव अभियान में जुटी हुई है। सड़क निर्माण विभाग को इस दुर्घटना की तत्काल जांच के आदेश दिए गए हैं। चीफ इंजीनियर (डिजाइन), चीफ इंजीनियर (दक्षिण गुजरात), और पुल निर्माण में विशेषज्ञ दो निजी इंजीनियरों की एक टीम को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर पुल के टूटने के कारणों और अन्य तकनीकी पहलुओं की प्रारंभिक जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।" गुजरात के मुख्यमंत्री ने मुआवजे का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा, "आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाले गंभीरा पुल का एक हिस्सा ढहने से हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। राज्य सरकार इस दुर्घटना से प्रभावित प्रत्येक परिवार के साथ पूरी संवेदना के साथ खड़ी है। राज्य सरकार दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 4 लाख रुपए की सहायता प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति को 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी और इलाज की सभी व्यवस्थाएं भी राज्य सरकार द्वारा की जाएंगी।" गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने पुल हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, "वडोदरा और आणंद जिलों को जोड़ने वाले पुल पर हुए दुखद हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 6 अन्य को बचा लिया गया है। मुख्यमंत्री ने एक उच्च स्तरीय समिति को घटनास्थल पर भेजकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं।

अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर से परेशान हैं : डिप्टी सीएम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को लेकर बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश में 37 करोड़ से अधिक पेड़ लगाने का महा-अभियान शुरू हुआ है। यह अभियान गांव, गलियों, शहरों और बूथ स्तर तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सभी जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ जुटे हैं। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृ शक्ति को सम्मान देने का प्रतीक है। बिहार के हालात पर टिप्पणी करते हुए पाठक ने राजद और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन दलों ने बिहार को जंगलराज में बदल दिया था। नीतीश कुमार और भाजपा गठबंधन ने बिहार को विकास और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में आगे बढ़ाया। गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है, जो जनता की उम्मीदों का प्रमाण है। उपमुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर से परेशान हैं। सपा के शासन में गुंडाराज, भ्रष्टाचार और दंगे आम थे। सपा ने दंगों, हत्याओं और अराजकता का रिकॉर्ड बनाया था।

भदोही में 17 करोड़ रुपये का जीएसटी फर्जीवाड़ा उजागर

भदोही। भदोही जिले के अधिकारियों ने एक बड़ा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) घोटाला पकड़ा है, जिसमें नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर 17 करोड़ रुपये से ज्यादा की कर चोरी की गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी जोगेंद्र सिंह ने जीएसटी रजिस्ट्रेशन हासिल करने के लिए कथित तौर पर कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग किया और 10 अलग-अलग राज्यों से करीब एक अरब रुपये का लेनदेन किया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि आरोपी ने औराई थाना क्षेत्र के खमरिया में 'मेसर्स जोगेंद्र इंटरप्राइजेज' नाम से एक कंपनी खोलकर 22 दिसंबर 2024 को जीएसटी नंबर हासिल किया और इस रजिस्ट्रेशन का उपयोग कर उसने कुल 96.53 करोड़ रुपये के बिल जारी किए। उन्होंने बताया कि हालांकि वह 17.57 करोड़ रुपये जीएसटी का भुगतान करने में विफल रहा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सहायक आयुक्त (वाणिज्यिक कर) मनोज कुमार अग्रवाल ने निरीक्षण के दौरान पाया कि इस कंपनी का कोई भौतिक अस्तित्व नहीं है जिसके बाद अग्रवाल ने जोगेंद्र सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि मौके पर जांच में बिजली बिल भी किसी महिला के नाम पर पाया गया और मालिक द्वारा जीएसटी के लिए लगाया गया पैन कार्ड भी कूटरचित मिला।

आज का राशिफल

मेष : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष : जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें।

मिथुन : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क : किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग।

कन्या : शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

वृश्चिक : कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

धनु : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

मकर : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कुंभ : विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मीन : कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

एमएनएस वालों ने अब टोल प्लाजा फोड़ा

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को वाशिम ज़िले में अकोला-नांदेड़ राजमार्ग पर स्थित टोंडगांव टोल प्लाज़ा पर तोड़फोड़ की। उनका आरोप है कि सड़क निर्माण कार्य पूरा न होने के बावजूद टोल वसूली जारी है। इस घटना का एक वीडियो, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, में मनसे के सदस्य दिनदहाड़े लोहे की छड़ों से टोल बूथों के शीशे तोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे संपत्ति को काफी नुकसान पहुँचा है। किडसे ने ख़ास तौर पर कनेरगाँव गाँव की ओर जाने वाले रास्ते की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया कि यह अधूरा पड़ा है जबकि अधिकारी राजस्व वसूली में लगे हुए हैं। इस तोड़फोड़ की कई लोगों ने निंदा की है, लेकिन मनसे इसे प्रशासनिक उदासीनता से बढ़ती जनता की हताशा का प्रतिबिंब मान रही है।

वाशिम की घटना मुंबई महानगर क्षेत्र में मनसे से जुड़े बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच हुई है। मंगलवार को मीरा-भायंदर के कई हिस्सों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, क्योंकि मनसे कार्यकर्ताओं ने मराठी एकीकरण समिति और शिवसेना (यूबीटी) के सदस्यों के साथ मिलकर पुलिस के आदेशों की अवहेलना करते हुए विरोध मार्च निकालने की कोशिश की थी। मूल रूप से बालाजी सर्कल से मीरा रोड स्टेशन तक की योजना बनाई गई इस रैली को आईपीसी की धारा 144 के तहत अनुमति नहीं दी गई थी, जो गैरकानूनी रूप से एकत्र होने पर रोक लगाती है। हालाँकि, दिन में ही समूह इकट्ठा होने लगे, जिसके कारण पुलिस ने सुरक्षा कारणों से कई बार रोक लगा दी।

कैंटीन कर्मचारी को थप्पड़ मारे जाने की घटना पर बोले फडणवीस

ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य, गलत संदेश जाता है

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने मुंबई में सरकारी कैंटीन में परोसे गए खराब खाने को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने बताया कि कैंटीन में मिलने वाला भोजन न केवल खराब गुणवत्ता का है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी है। उन्होंने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए कैंटीन प्रबंधन को चेतावनी दी है कि वह लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ न करें। गायकवाड़ ने बताया कि उन्होंने रात के खाने के लिए आकाशवाणी कैंटीन से चावल और दाल का ऑर्डर दिया था। लेकिन पहला निवाला खाते ही उन्हें खाने में कुछ गड़बड़ महसूस हुई। दूसरे निवाले के बाद उन्हें उल्टी जैसी स्थिति हो गई। उन्होंने कहा, "खाना बिल्कुल सड़ा हुआ था। दाल और चावल में दुर्गंध थी, जो शायद तीन-चार दिन पुराना था। इसके बाद मैंने कैंटीन मैनेजर को बुलाकर खाने की गुणवत्ता की शिकायत की और वहां मौजूद कर्मचारियों व अन्य लोगों को भी खाने की दुर्गंध से अवगत कराया। सभी ने सहमति जताई कि भोजन खाने लायक नहीं था। यह पहली बार नहीं है जब कैंटीन में खराब भोजन परोसा गया। मैंने पहले भी चार-पांच बार कैंटीन प्रबंधन को चेतावनी दी थी कि खाना ताजा और अच्छी गुणवत्ता का होना चाहिए। सरकारी कैंटीन में रोजाना हजारों लोग, जिसमें कार्यकर्ता, किसान और अधिकारी शामिल हैं, भोजन करते हैं। ऐसे में खराब खाना परोसना लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ है।" विधायक ने यह भी बताया कि कैंटीन में अंडे और नॉन-वेज भोजन भी कई दिनों पुराना परोसा जाता है। एक किसान के रूप में मैं सब्जियों और भोजन की ताजगी को अच्छी तरह समझता हूं। दो घंटे पुरानी सब्जी को भी मैं पहचान सकता हूं। उन्होंने कैंटीन के प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार शिकायत के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ।

हिंदी का विरोध उचित नहीं, राज ठाकरे को अपनी भूमिका बदलने की ज़रूरत

मुंबई। केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के नेता रामदास अठावले ने रविवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं की हिंदी भाषा पर उनके हालिया रुख और मुंबई में हिंदी भाषी नागरिकों को निशाना बनाकर की गई हिंसक घटनाओं को लेकर कड़ी आलोचना की। अठावले ने गुंडागर्दी को तुरंत समाप्त करने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयों से मुंबई की महानगरीय स्थिति को नुकसान पहुँचेगा। भाषा विवाद पर केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के अध्यक्ष रामदास अठावले ने कहा कि मुंबई में जो हो रहा है वह ठीक नहीं है। मनसे की भूमिका उचित नहीं है। निशिकांत दुबे का बयान जनता को स्वीकार्य नहीं है, लेकिन उन्होंने यह सभी मराठी लोगों के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ़ दादागिरी करने वालों के लिए कहा है। यह भाजपा का बयान नहीं है, यह उनकी निजी राय है। राज ठाकरे को अपनी भूमिका बदलने की ज़रूरत है।

चुनाव आयोग | पटना की सड़कों पर उतरे राहुल गांधी, ने कहा-

महाराष्ट्र की तरह बिहार में भी चोरी की हो रही कोशिश

- **चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम का महागठबंधन द्वारा विरोध**

एजेंसी। पटना

बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण के विरोध में महागठबंधन में शामिल सभी घटक दलों के प्रमुख नेता सड़कों पर उतरे। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पटना पहुंचे और महागठबंधन की ओर से आयोजित विरोध मार्च में शामिल हुए। इस विरोध मार्च में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और मतदाता पुनरीक्षण को लेकर विरोध जताया। पटना के इनकम टैक्स चौराहे से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक गाड़ी पर सवार होकर प्रदर्शन करते चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए निकले। पुलिस ने सभी नेताओं को सचिवालय थाने के बाद बैरिकेडिंग कर रोका। उन्हें यहां से आगे जाने की अनुमति नहीं दी गई। यहीं से कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने लोगों को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा, "मैं बिहार और हिंदुस्तान की जनता से स्पष्ट कह रहा हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी से जीता गया था और वैसे ही बिहार में चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया है, इसलिए वे बिहार मॉडल लाए हैं। ये गरीबों का वोट छीनने का तरीका है।" उन्होंने आगे कहा, "उन्हें मालूम नहीं है कि यह बिहार है और बिहार की जनता यह होने नहीं देगी। हमारे लोग चुनाव आयोग से जाकर मिले थे। उन्होंने आकर बताया कि चुनाव आयोग भाजपा और आरएसएस नेताओं की तरह बात कर रहे हैं। वे भूल गए कि वे भाजपा के नेता नहीं हैं।" उन्होंने कहा कि आपका काम संविधान की रक्षा करने का है। यह सही काम वे नहीं कर रहे हैं। यह वर्तमान की बात नहीं है, बिहार के लोगों के भविष्य की चोरी हो रही है। यहां के लोगों का हक और अधिकार की चोरी हो रही है। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि आप इसकी चोरी मत होने दीजिए, महागठबंधन आपके साथ खड़ा है।

राहुल पिकनिक मनाने आए थे, वापस चले गए: सम्राट

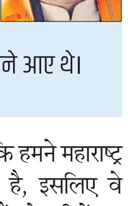

पटना। बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण के विरोध में महागठबंधन में शामिल सभी घटक दलों के प्रमुख नेता सड़कों पर उतरे। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पटना पहुंचे और महागठबंधन द्वारा आयोजित विरोध मार्च में शामिल हुए। अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है।बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी पिकनिक मनाने आए थे। बिहार की समस्याओं से उन्हें कोई मतलब नहीं है।

उप विकास आयुक्त ने की चंदवा में विभागवार समीक्षा बैठक

कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। लातेहार के उप विकास आयुक्त सैयद रियाज अहमद ने बुधवार को चंदवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक की। बैठक में 15वें वित्त आयोग, मनरेगा, कृषि, आपूर्ति, आवास योजना, जेएसएलपीएस, शिक्षा, बाल विकास, पशुपालन और स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई।

डीडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर लाभुकों तक योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम बागवानी कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर रोजगार सेवक और पंचायत सचिव को फटकार लगाई गई। उन्होंने मनरेगा के तहत 100 दिन से अधिक कार्य उपलब्ध कराने, पीएम आवास योजना की किस्तों का समय पर भुगतान, और 2.0 योजना के लाभुकों का सत्यापन 15 जुलाई तक पूर्ण करने का निर्देश दिया।

शिक्षा विभाग को सभी योग्य रसोइयों का आयुष्मान कार्ड बनाने और अन्य विभागों को पोर्टल पर डाटा अपलोड समय पर करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के उपरांत डीडीसी ने चंदवा सीएचसी का औचक निरीक्षण किया और ओपीडी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण व जनरल वार्ड की स्थिति का जायजा लिया।

बैठक में सीओ जयशंकर पाठक, बीडीओ चंदन प्रसाद, मनरेगा बीपीओ रतन शाहदेव, पीएम आवास समन्वयक कुशध्वज कुमार, कृषि पदाधिकारी मनीष पाठक, आपूर्ति पदाधिकारी चंदन कुमार, पशु चिकित्सा पदाधिकारी सरोज केरकेट्टा, शिक्षा विभाग के सुबोध चंदेल, सहायक अभियंता निशांत कुमार सहित कई अधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

मुहर्रम जुलूस में डीजे और बाजा प्रतिबंधित करने का निर्णय

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड के पोखरी कलां स्थित मदरसा अलजामे अतुल अज़ीज़िया परिसर में मंगलवार को कर्बलाह कमिटी की बैठक हाजी मुमताज अली की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुहर्रम के सप्तमी और दसमी के जुलूस में डीजे और बाजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस प्रस्ताव को समाज में भाईचारा और धार्मिक अनुशासन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। बैठक में ऐनुल होदा को सदर, अतिफुल रहमान को सचिव और आबिद अंसारी को खजांची नियुक्त किया गया। उपस्थित प्रमुख जनों में हाजी रिजवानुल हक़, खलीफा अर्शदुल कादरी, अब्दुल मनान अंसारी, समीउल्लाह अंसारी, एनामुल हक़, सुल्तान अहमद, मंसूर आलम, हेसामुल अंसारी समेत तीनों कमिटी के प्रतिनिधि एवं सैकड़ों ग्रामीण शामिल थे।

न्यूज बॉक्स

रामावि बालक स्कूल में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण

चंदवा। देशभर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बुधवार को चंदवा प्रखंड के रामावि बालक मध्य विद्यालय परिसर में प्रेरणादायी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों, माता समिति एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से पौधरोपण किया। कार्यक्रम की शुरुआत पौधों की पूजा कर 'माँ को समर्पण' भाव के साथ हुई। प्रधानाध्यापिका राधिका कुमारी ने कहा कि ₹पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ₹ केवल नारा नहीं, बल्कि जीवनशैली बननी चाहिए। उन्होंने बच्चों को जलवायु परिवर्तन, सूखा-बाढ़ जैसे संकटों से अवगत कराया। कार्यक्रम में शिक्षिका रुक्मिणी देवी, आश्रित मिंस, विभा कुमारी, फुलवंती देवी, सुनीता कुमारी, योगिता देवी, कोमल देवी एवं इम्तियाज खान ने भी विचार रखे।

उप विकास आयुक्त ने चंदवा प्रखंड का निरीक्षण कर योजनाओं की समीक्षा की

- जन कल्याणकारी योजनाओं में लापरवाही पर दी सख्त चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। लातेहार के उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने बुधवार को चंदवा प्रखंड के विभिन्न योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत पंचायत सासंग से हुई, जहां लाभुक उर्मिला देवी के अबुआ आवास गृह प्रवेश कराया गया। अन्य निर्माणाधीन आवासों की धीमी प्रगति पर अधिकारियों को फटकार लगाई गई। मनरेगा अंतर्गत आम बागवानी योजनाओं की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए ग्राम रोजगार सेवक एवं पंचायत सचिव को लताड़ लगाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर ओपीडी, वार्ड, प्रसव कक्ष की सफाई व व्यवस्था पर दिशा-निर्देश दिए गए। इसके बाद अन्वी एजुकेशन द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में उप विकास आयुक्त ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधित किया। प्रखंड कार्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान मनरेगा में 100 दिन का कार्य, आवास योजना की समयसीमा, आयुष्मान कार्ड, बीज वितरण, टीकाकरण डाटा अपलोड एवं महिलाओं की आजीविका बढ़ाने को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए। इस दौरान डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, बीडीओ, सीओ और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नई दिल्ली में सांसद विष्णु दयाल राम ने की केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात

रजहरा कोलियरी में जल्द शुरू होगा उत्खनन मंडल डैम के शीघ्र निर्माण की रखी मांग

- सांसद की पहल से रजहरा कोलियरी व मंडल डैम को मिली गति
- मंत्रियों से मुलाकात कर उठाए विस्थापन, रोजगार व सिंचाई परियोजना के मुद्दे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रजहरा कोलियरी में कोयला उत्खनन शीघ्र शुरू करने और विस्थापित परिवारों को रोजगार प्रदान करने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। सांसद ने बताया कि रजहरा कोलियरी परियोजना को शुरू करने से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जा चुकी हैं। परियोजना स्थल पर आधारभूत संरचना और प्रशासनिक मंजूरियां पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं। अब केवल 20 विस्थापितों को नौकरी देने का कार्य शेष है, जिसके लिए अटॉर्नी जनरल की सहमति भी मिल चुकी है। इसके बावजूद परियोजना में अनावश्यक विलंब हो रहा है, जो चिंताजनक है।इसपर केंद्रीय मंत्री ने आश्वस्त किया कि कोलियरी परियोजना में विस्थापितों की नियुक्ति प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कर लिया जाएगा और कोयला उत्खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा।इसके उपरांत सांसद विष्णु दयाल राम ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटील से भी मुलाकात की। उन्होंने पलामू प्रमंडल की बहुप्रतीक्षित उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना (मंडल डैम) के अधूरे निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने का अनुरोध किया।

सांसद ने कहा कि यह परियोजना झारखंड के लातेहार जिले में स्थित है, जिसका उद्देश्य पलामू प्रमंडल के तीन जिलों – पलामू, गढ़वा एवं लातेहार – और बिहार राज्य के गया तथा औरंगाबाद जिलों की 1.11 लाख हेक्टेयर सूखाग्रस्त भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करना है। इसके साथ ही यह परियोजना पेयजल आपूर्ति और औद्योगिक उपयोग की दिशा में भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।मंत्री पाटील ने परियोजना की महत्ता को स्वीकारते हुए कहा कि जल शक्ति मंत्रालय के अधीन एक केंद्रीय टीम शीघ्र ही परियोजना स्थल का निरीक्षण करेगी। साथ ही, निर्माण कार्य में लगी वाप्कोस लिमिटेड और अन्य एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी, ताकि कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सके।

सिविल सर्जन डॉ. अनिल श्रीवास्तव ने संभाला पदभार

गरीब से गरीब व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना प्राथमिक लक्ष्य : डॉ. श्रीवास्तव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के नए सिविल सर्जन के रूप में डॉ. अनिल श्रीवास्तव ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए अपनी प्राथमिकताओं और योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनका प्रमुख उद्देश्य जिले के अंतिम पंक्ति के गरीब से गरीब व्यक्ति तक समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ जन-जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान समय में नशा – चाहे वह शराब, गुटखा या तंबाकू का हो – लोगों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। इसे रोकने और इसके दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया जाएगा। साथ ही बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए मेडिटेशन को बढ़ावा देने की योजना है। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली एएनसी (गर्भपूर्व देखभाल) सेवाओं को पूरी तरह व्यवस्थित किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी डिलीवरी प्रशिक्षित हाथों से ही हों।

टीबी उन्मूलन को लेकर उन्होंने बताया कि पलामू जिले में कुल 2900 टीबी मरीज हैं, जिनमें से अभी तक केवल 317 मरीजों को ही फूड बास्केट मिल पाया है। जबकि सरकार की ओर से फूड बास्केट का कोई अलग प्रावधान नहीं है, फिर भी सीएसआर मद से इसकी व्यवस्था करने के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में सीएसआर कंपनियों के साथ बैठक बुलाई जाएगी। अब तक केवल ग्रासिम इंडस्ट्रीज की ओर से 60 फूड बास्केट उपलब्ध कराए गए हैं। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि जिले की 285 पंचायतों को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त करने का लक्ष्य है। अब तक 40 पंचायतों को ही टीबी मुक्त घोषित किया गया है। दिसंबर 2025 तक इस दिशा में और प्रगति की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि काम करेंगे तो ही चुनौतियां आएंगी, काम से ही चुनौती मिलती है। सभी के सहयोग से हम इन चुनौतियों को स्वीकार करने और समाधान की दिशा में कार्य करने के लिए तैयार हैं।

आम्रपाली परियोजना के ग्रामीण मजदूरों ने जीएम को सौंपा मांग पत्र

- 650 कार्यरत मजदूरों के समायोजन व 400 बेरोजगारों को नियोजन की मांग, त्रिपक्षीय वार्ता नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। सीसीएल आम्रपाली परियोजना में नए ठेकेदार कैलिबर कंपनी द्वारा कार्यभार संभाले जाने के बाद रोजगार संकट की आशंका से ग्रामीण मजदूरों में गहरी चिंता है। मंगलवार को झारखंड ग्रामीण मजदूर कल्याण संघ के बैनर तले परियोजना कार्यालय के पास सैकड़ों मजदूरों की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता गुरुदयाल साव एवं संचालन रमेश वर्मा ने किया।

यूनियन ने महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह को मांग पत्र सौंपकर 650 पूर्ववर्ती मजदूरों के समायोजन एवं 400 स्थानीय बेरोजगारों को कंपनी में नियोजन की मांग की। यह मांग पहले भी 7 जून को दिए गए पत्र में रखी गई थी। यूनियन नेताओं ने कहा कि 3 जुलाई को कंपनी द्वारा गुपचुप तरीके से भूमि पूजन किया गया, जिससे ग्रामीणों में गहरा असंतोष व्याप्त है। मजदूरों ने त्रिपक्षीय वार्ता कराने की मांग की है और चेतावनी दी कि अगर रोजगार से समझौता हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

बैठक में धीरेन्द्र चौधरी, राजेश कुमार, रवि रवानी, ओम कुमार, मुखलाल यादव, बजरंगी पासवान, बैजनाथ राम, संतोष राम, अशोक साहू, प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

देशव्यापी हड़ताल को ईसीआरईयू का समर्थन

मेदिनीनगर। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा आहूत देशव्यापी हड़ताल का असर मेदिनीनगर में भी आंशिक रूप से देखा गया। इस दौरान मजदूर, किसान, छात्र समेत अन्य संगठनों ने बंद का समर्थन किया। विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग चौराहों पर जुटे और बंद को सफल बनाने के लिए प्रदर्शन किया, जिन्हें बाद में पुलिस ने हटाया। इसी क्रम में ईस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन ने भी बंद को नैतिक समर्थन दिया और डालटनगंज स्टेशन के बाहर धरना दिया।

लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर ने मध्य रात्रि में पेश की मानवता की मिसाल

मेदिनीनगर। लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि मानवता और सेवा जब दिल से की जाए, तो वह किसी भी आपदा में वरदान बनकर सामने आती है। मंगलवार की रात बीसफूटा के पास बरिगवां निवासी संजय विश्वकर्मा के साथ हुए गंभीर सड़क हादसे के बाद क्लब ने जिस संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य किया, वह समाज के लिए प्रेरणादायक बन गया। घटना बीसफूटा के समीप की है, जहां एक अज्ञात बाइक की टक्कर से संजय विश्वकर्मा बुरी तरह घायल हो गया। चोट इतनी गंभीर थी कि उनके पैर का मांस तक उधड़ गया था। उन्हें तत्काल निर्मला बहु-विशेषज्ञ चिकित्सालय लाया गया, जहां वरिष्ठ शल्य चिकित्सक तथा क्लब के वर्तमान अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ ने अपनी पूर्व निर्धारित शल्यक्रिया को स्थगित करते हुए संजय के पैर की ढाई घंटे लंबी शल्यक्रिया कर स्थिति को नियंत्रित किया। शल्यक्रिया के दौरान रात लगभग 11 बजे संजय को "ओ निगेटिव" रक्त की अत्यधिक आवश्यकता पड़ी, जो कि एक दुर्लभ रक्त समूह है।

बरवाडीह में पुल ध्वस्त कुटमू-सरईडीह मार्ग हुआ ठप

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र के कुटमू और सरईडीह को जोड़ने वाला शिव नाला पर बना मुख्य पुल 28 जून की रात हुई भारी बारिश में पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। इसके चलते हजारों की संख्या में दैनिक यात्री, किसान, छात्र, मजदूर और व्यापारी प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि घटना के कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक न तो वैकल्पिक मार्ग बनाया है और न ही अस्थायी पुल का निर्माण शुरू हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि अब उन्हें कई किलोमीटर घूमकर वैकल्पिक रास्तों से जाना पड़ता है, जिससे समय और संसाधनों की भारी बर्बादी हो रही है। बुजुर्गों, मरीजों और स्कूल-कॉलेज जाने वाले बच्चों को सबसे ज्यादा कठिनाई हो रही है।

संभावना

चंदवा में अन्वी एजुकेशन का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, सैयद रियाज़ अहमद बोले–

होनहार बच्चों को हरसंभव मदद देने का करेंगे प्रयास

नवीन मेल संवाददाता

सम्मानित छात्र-छात्राएं

साइंस से पीयूष कुमार गुप्ता, सुरभि कुमारी, निशा कुमारी, मयूर कुमार, कॉमर्स से निखिल कुमार, अनिता कुमारी, प्रदीप उरांव, आर्ट्स से डिंपल कुमारी, खुशनाज प्रवीण, अनीश प्रवीण, आलिया तबस्सुम, शिल्पी कुमारी और शाहजहां प्रवीण शामिल हैं। सीबीएसई टॉपर्स में प्रथम साक्षी अग्रवाल, द्वितीय कृष्णा कुमार, तृतीय लक्ष्य सुलभ, चतुर्थ साक्षी कुमारी और पंचम रिया कुमारी को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

चंदवा (लातेहार)। जय हिंद पुस्तकालय सभागार, चंदवा में बुधवार को अन्वी एजुकेशन एवं झारखंड स्टेट यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान 2025 का आयोजन किया गया। इंटर व मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लातेहार के उप विकास आयुक्त सैयद रियाज़ अहमद थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीआरडीए निदेशक प्रकाश रंजन, बीडीओ चंदन कुमार, अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक और उप प्रमुख अश्विनी मिश्रा शामिल हुए। सैयद रियाज़ अहमद ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों में भी मेहनत और लगन से सफलता संभव है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से ऐसे विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

बीडीओ चंदन कुमार ने कहा कि चंदवा जैसे दूरस्थ क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी जानी चाहिए।

अन्वी एजुकेशन के निदेशक डॉ. मनु कुमार गुप्ता ने कहा कि संस्था का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट वातावरण बनाना है और इसके लिए आने वाले समय में कई योजनाएं तैयार हैं।

कार्यक्रम में हिमांशु सिंह, अन्ना कुट्टी, राहुल मिश्रा, प्रशांत सिंह, अलेक्स कांडुलना, रोशन पाठक, चंद्रभूषण केसरी, डॉ. शम्स रजा, बाबर खान, कृपाचार्य सिंह, विभूति सिंह, धर्मेंद्र भारती सहित बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और समाजसेवी मौजूद रहे। आयोजन को लेकर बच्चों और अभिभावकों में खासा उत्साह देखा गया।

पेज एक के शेष

दिशोम गुरु की...

चिकित्सकों का कहना है कि उनकी लगातार देखभाल और निगरानी की जा रही है। इधर, उनका कुशलक्षेम जानने के लिए नेताओं का तांता लगा है। झामुमो नेता और समर्थक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना के लिए लगातार मंदिर, मस्जिद और चर्च में प्रार्थना कर रहे हैं।

हड़ताल से 550...

बोझ हटाना, किसानों के लिए एमएसपी, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी और सामाजिक सुरक्षा, स्थायी नौकरियों का अस्थायीकरण रोकना, समान काम के लिए समान वेतन और सभी के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और स्वच्छता तक मुफ्त पहुंच शामिल है।राज्य में सरकारी बैंक शाखाओं में कामकाज आंशिक रूप से प्रभावित रहा। कई जिलों में बैंक कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए, लेकिन ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम सेवाएं चालू रहीं। इसके अतिरिक्त, बोकारो के सेल प्लांट में अधिकांश ठेकाकर्मी हड़ताल पर रहे। एचईसी में 80 प्रतिशत काम ठप रहा। यहां सप्लाई मजदूरों ने काम को पूरी तरह ठप रखा। साथ ही रेलवे, नगर निगम सहित विभिन्न क्षेत्र भी प्रभावित हुए।

हज 2026 के...

पिछले साल (हज 2024) के आवेदन आंकड़ों में झारखंड से 2,233 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से सभी को मंजूरी दी गई थी। इस बार आवेदन करने से पहले हजयात्रियों को दिशा-निर्देश और वचन-पत्र ध्यान से पढ़ने की सलाह दी गई है। आवेदन के साथ जमा किया गया पासपोर्ट मशीन से पढ़ा जाने योग्य भारतीय अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट होना चाहिए, जिसकी वैधता 31 दिसंबर 2026 तक होनी जरूरी है। हज समिति ने यह भी स्पष्ट किया है कि बिना किसी आपात स्थिति जैसे मृत्यु या गंभीर बीमारी के, आवेदन रद्द करने पर वित्तीय नुकसान हो सकता है। ऐसे में इच्छुक हजयात्रियों से अनुरोध है कि वे आवेदन करने से पहले पूरी तैयारी कर लें। भारत सरकार की ओर से हर साल की तरह इस बार भी हजारों भारतीय मुसलमानों को पवित्र हजयात्रा की सुविधा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। आवेदन और विस्तृत जानकारी के लिए www.hajcommittee.gov.in पर विजिट कर सकते हैं।

झारखंड हाईकोर्ट ने...

अदालत द्वारा दी गई सजा को बढ़ाने के लिए क्रिमनल अपील दायर की थी। इसमें छह दोषियों की सजा बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। इसमें लालू प्रसाद यादव, बेक जूलियस, सुधीर कुमार भट्टाचार्य आरके राणा, फूलचंद सिंह और महेश प्रसाद का नाम था। इसमें से आरके राणा, फूलचंद सिंह और महेश प्रसाद की मौत हो चुकी है। इसलिए बाकी बचे तीन के मामले में सुनवाई हुई। सीबीआई की ओर से अधिवक्ता दीपक भारती ने दलील पेश की। उन्होंने अदालत से कहा कि सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने चारा घाटोले के कांड संख्या आरसी 64ए/96 में जगदीश शर्मा, को पीसी एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत सात सात साल की सजा सुनाई थी। 10-10 लाख रुपये का अर्थ दंड भी लगाया था। लेकिन, अदालत ने लालू प्रसाद, बेक जूलियस और सुधीर कुमार भट्टाचार्य को साढ़े तीन-तीन साल की सजा सुनाई थी। निचली अदालत द्वारा दी गई यह सजा कम है। क्योंकि, निचली अदालत ने अपने फैसले में यह लिखा है कि लालू प्रसाद के संरक्षण में चारा घोटाले को अंजाम दिया गया। निचली अदालत की ओर से लिखी गई इस बात के मद्देनजर घोटाले को संरक्षण देने वाले को दी गई सजा कम है। इसलिए इन आरोपियों को ज्यादा सजा मिलनी चाहिए। ज्ञात हो कि सीबीआई ने वर्ष 1996 में देवघर ट्रेजरी से हुई 89 लाख की फर्जी निकासी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। सीबीआई की ओर से जांच के बाद दायर आरोप पत्र के आलोक में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 23 दिसंबर 2017 को फैसला सुनाया था। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश शिवपाल सिंह ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के बाद 06 जनवरी 2018 को सजा सुनाई थी। न्यायालय ने लालू प्रसाद, बेक जूलियस, आरके राणा, फूलचंद सिंह महेश प्रसाद और सुधीर कुमार भट्टाचार्य को पीसी एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत साढ़े तीन साल की सजा सुनाई थी। लेकिन, एकीकृत बिहार में लोक लेखा समिति के अध्यक्ष रहे जगदीश शर्मा को साढ़े सात साल की सजा सुनाई थी। 10 लाख रुपए का दंड भी लगाया था।

सैनिकों की वीरता...

उसने ही दुर्गा और चंडी का रूप धर उन्हें अपनी वीरता और शक्ति का बोध कराया। शायद वह भूल गए हैं, इसी देश की कुशल नेत्री रानी लक्ष्मीबाई थीं। वह अकेले ही अंग्रेजों को धूल चटायी थीं। आतंकवादी अपने जिहादी प्रचार के लिए मासूम को शिकार बना रहे हैं, लेकिन इस ऑपरेशन ने सिर्फ कुकृत्यों को मूर्त रूप देने वाले को सबक सिखाया है। आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करके वायु सेना और भारतीय सैनिकों ने अपनी शक्ति और साहस का परिचय सिर्फ दुश्मनों को ही नहीं, बल्कि विश्व को दिया है। पहलगाम जैसी बड़ी आतंकवादी घटना के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' के रूप में पहल उन पर हमारे सैनिकों के तरफ से करारा चोट है। भारत विश्व में शांतिप्रिय देश कहा जाता है, लेकिन यदि कोई छेड़े तो हम कायर नहीं हैं, इसका प्रमाण 'ऑपरेशन सिंदूर' है। भारत की तरफ से यह कार्रवाई ने साबित कर दिया कि जो भारतीय सैनिकों से टकराएगा, वह चूर-चूर हो जाएगा। स्वरचित कविता आतंकवाद और ऑपरेशन सिंदूर की पंक्तियां-

शांत मन हुआ क्रुद्ध, धमकाया बिना युद्ध,
किया नौ ठिकाना ध्वस्त, भारत तैयार है।
ब्रह्मोस मिसाइल से, सूर्य दिखा माइल से,
राफेल लड़ाकू यान, सेना दमदार है।।

'ऑपरेशन सिंदूर' के कारण पहलगाम जैसी आतंकवादी घटनाओं को जिहादी सोच रखने वाले अंजाम देने के पहले सौ बार सोचेंगे। सैनिकों की वीरता-शहादत को पूरे देशवासियों की ओर से नमन। भारत मां के लाल को ईश्वर हमेशा शक्ति प्रदान करें। भारत के सच्चे सपूतों को भारतीयों का सुरक्षा कवच बनने के लिए हार्दिक धन्यवाद।

राजस्थान में वायु सेना...

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने आसमान में तेज धमाके की आवाज सुनी, जिसके बाद आग और धुएं का गुबार दिखाई दिया। विमान का मलबा खेतों में दूर तक बिखर गया। पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ-साथ बचाव कार्य शुरू किया। चूरू के जिला कलेक्टर अभिषेक सुराना और पुलिस अधीक्षक जय यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। मौके पर राजलदेसर पुलिस को भेजा गया हैं। मलबे के पास से बुरी तरह क्षत-विक्षत शव के टुकड़े मिले हैं। वायुसेना के इस लड़ाकू विमान ने सूरतगढ़ से उड़ान भरी थी। विमान में 2 पायलट मौजूद थे। हालांकि, रतनगढ़ के पास विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही वायुसेना ने 2 हेलीकॉप्टर घटनास्थल की ओर रवाना किए थे।

नामीबिया में पीएम मोदी का भव्य स्वागत, दी गई 21 तोपों की सलामी

- राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा ने किया पीएम मोदी का स्वागत
- एक दिवसीय नामीबिया यात्रा के तहत आधिकारिक कार्यक्रम शुरू

विंडहोक (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को नामीबिया की राजधानी विंडहोक पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी को औपचारिक स्वागत में 21 तोपों की सलामी दी गई। यह स्वागत समारोह उनके नामीबिया की एक दिवसीय यात्रा के दौरान आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत के दौरान किया गया। अफ्रीकी राष्ट्र के राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इसे लेकर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि नामीबिया में भारतीय समुदाय भारत-नामीबिया की घनिष्ठ मित्रता को लेकर बेहद आशावादी है और विंडहोक में हुए विशेष स्वागत में यह झलकता है। मुझे अपने प्रवासी समुदाय पर खासकर जिस तरह से उन्होंने अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव बनाए रखा है, उस पर गर्व है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के अंतिम चरण में नामीबिया पहुंचे। होसे कुटाको इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनका भव्य पारंपरिक स्वागत किया गया, जहां नामीबिया की इंटरनेशनल रिलेशंस एंड कोऑपरेशन मिनिस्टर सेल्मा अशीपाला-मुसावी ने उनका स्वागत किया। स्वागत समारोह में स्थानीय संगीतकारों और नर्तकों ने प्रस्तुति दी तथा तालियों एवं जयकारों से गूंजते इस क्षण में प्रधानमंत्री भी कलाकारों के साथ शामिल हो गए।

यह प्रधानमंत्री मोदी की नामीबिया की पहली यात्रा है और पिछले 27 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह तीसरी यात्रा है। पीएम मोदी ने देश के संस्थापक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सैम नुजोमा को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत और नामीबिया के बीच लंबे समय से बहुत मजबूत संबंध रहे हैं और नई दिल्ली ने नामीबिया को उसकी स्वतंत्रता से बहुत पहले ही मान्यता दे दी थी। साथ ही 1946 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी इसका मुद्दा उठाया था। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार मुख्यतः जस्ता और हीरा प्रसंस्करण जैसे खनिज संसाधनों में होता है।

पूर्व ब्रिटिश पीएम अब फिर से नौकरी करेंगे

लंदन । ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने राजनीति से दूर होकर एक बार फिर अपने पुराने प्रोफेशनल करियर गोल्डमैन सैक्स में सीनियर एडवाइजर के रूप में वापसी की है। जुलाई 2024 में कंज़र्वेटिव पार्टी की करारी चुनावी हार के बाद यह उनकी पहली बड़ी नियुक्ति है। सुनक अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ 'रिचमंड प्रोजेक्ट' के जरिए सामाजिक कामों में सक्रिय रहे। सुनक ने गोल्डमैन सैक्स से होने वाली कमाई इसी चैरिटी को दान करने का ऐलान किया है प्रधानमंत्री बनने से पहले, सुनक फरवरी 2020 से जुलाई 2022 तक राजकोष के चांसलर थे और इससे पहले आवास, समुदाय और स्थानीय सरकार मंत्रालय में मुख्य वित्त सचिव और संसदीय अवर सचिव के रूप में कार्य कर चुके थे। उन्होंने 2015 में संसद सदस्य के रूप में राजनीति में अपना करियर शुरू किया। पिछले साल के आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी को अब तक की सबसे बुरी हार का सामना कराने के बाद, सुनक अभी भी उत्तरी इंग्लैंड के रिचमंड और नॉर्थॉलर्टन निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हैं। चुनाव अभियान के दौरान, उन्होंने मतदान के परिणाम की परवाह किए बिना, अगली संसद के पूरे कार्यकाल तक सांसद बने रहने की कसम खाई थी। सुनक ने गोल्डमैन में सबसे पहले 2000 में निवेश बैंकिंग में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु के रूप में काम किया, और फिर 2001 से 2004 तक विश्लेषक के रूप में काम किया। बाद में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों के साथ काम करने वाली एक निवेश फर्म की सह-स्थापना की।

टेक्सास में अचानक आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या 100 के पार

ह्यूस्टन (आईएएनएस)। अमेरिका के टेक्सास में आई विनाशकारी बाढ़ में कम से कम 109 लोगों की मौत हो गई, जबकि 160 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। अधिकारियों के अनुसार इनमें से 87 मौतें केर काउंटी में हुईं। ग्वाडालूप नदी के किनारे बचाव अभियान जारी है।

ब्राजील के लोग भारत की संस्कृति सीखने के इच्छुक : ज्योति किरण

ब्रासीलिया (आईएएनएस)। ब्राजील में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में कार्यक्रम का आयोजन करने वाली डॉ. ज्योति किरण शुक्ला का कहना है कि प्रधानमंत्री के आगमन से यहां रहने वाले प्रवासी काफी उत्साहित हैं। ब्राजील के लोग भारत की संस्कृति को सीखने के लिए काफी इच्छुक हैं। डॉ. शुक्ला ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि स्वामी विवेकानंद कल्चरल सेंटर के तत्वावधान में इस पूरे कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिस तरह का कार्यक्रम आयोजित हुआ, उसे लेकर लोगों में काफी खुशी और उत्साह है। मंगलवार का कार्यक्रम कई मायनों में खास था। इसके पीछे की वजह यह है कि दोनों ही देशों की संस्कृति आपस में काफी मिलती-जुलती हैं। उन्होंने कहा, "इस कार्यक्रम में हमने भारत की संस्कृति को दिखाने की कोशिश की थी, जिसे देखने के बाद लोगों में उत्साह का भाव था। यहां पर भारत की संस्कृति की गहरी जड़े हैं। इससे पहले हमने योग से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें 100 से अधिक योग शिक्षक शामिल हुए थे। अब आप सोच सकते हैं कि जिस जगह पर 100 से अधिक योग शिक्षक हैं, वहां पर योग को चाहने वाले कितने लोग होंगे। मौजूदा समय में हम तीन परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। पहला, हमने कैंपस कनेक्ट कार्यक्रम की शुरुआत की थी, जिसमें हमने युवाओं से जुड़ने का प्रयास किया था।

भारतीय मूल के सबीह खान बनाये गए एप्पल के मुख्य परिचालन अधिकारी

ब्यूरो

नई दिल्ली। मैकबुक, आईफोन,घड़ी,टैबलेट आदि बनाने वाली विश्व की दिग्गज लगभग 400 बिलियन डॉलर वाली अमेरिकी आईटी कंपनी एप्पल ने भारतीय मूल के सबीह खान को मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के पद पर पदोन्नत किया है। वहइस माह के अंत में जेफ विलियम्स से यह पदभार ग्रहण करेंगे। उन्होंने 2019 में एप्पल में परिचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यकारी टीम ज्वाइन किया था। सत्र खान का जन्म 1966 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में हुआ था, जहां उन्होंनेअंग्रेज़ी माध्यम वाले स्कूल में पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई की, उसके बाद उनका परिवार सिंगापुर चला गया। जहां उन्होंने अच्छे अंग्रेज़ी माध्यम वाले स्कूल में पढ़ाई की और अच्छे ग्रेड से पास हुए। उसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका चले गये। वहाँकी टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स व मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके ड्यूल स्नातक किया । उसके बाद रेनसेलर पॉलिटेक्निक संस्थान से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की। उनके बारे में एप्पल ने एक बयान में कहा, "जेफविलियम्स इस महीने के अंत में मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका एप्पल के परिचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सबीह खान को सौंप देंगे, जो लंबे समय से नियोजित उत्तराधिकार का हिस्सा है।" विलियम्स एपल के सीईओ टिम कुक कोरिपोर्ट करते रहेंगे और एप्पल की विश्वस्तरीय डिज़ाइन टीम व एप्पल वॉच के साथ-साथ कंपनी की स्वास्थ्य पहलों की देखरेख भी करेंगे। विलियम्स के साल के अंत में सेवानिवृत्त होने के बाद, एप्पल की डिजाइन टीम सीधे कुक को रिपोर्ट करेगी। सबीहखान एप्पल की आपूर्ति श्रृंखला व विनिर्माण कार्यों की देखरेख करते रहे हैं। खान की पदोन्नति पर कुक ने कहा, "एप्पल की आपूर्ति श्रृंखला की देखरेख करते हुए, उन्होंने उन्नत विनिर्माण में नई प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में मदद की, संयुक्त राज्यअमेरिका में एप्पल के विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार की देखरेख की, तथा यह सुनिश्चित करने में मदद की कि एप्पल वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सके।" सबीर खान के इस प्रगति और विश्व की टॉप 6 कंपनियों में से एक में इतने बड़े पदपर पहुंचने से मुरादाबाद के लोग बहुत खुश हैं। उनके परिवार को जानने वाले लोग बताते हैं कि सबीर खान बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा था। वह अच्छे अध्यापक वाले अच्छे स्कूल में पढ़ा और अंग्रेजी तथा गणित में तेज था। पाँचवीं के बाद सिंगापुर जानेसे उसके बेहतर शिक्षा और प्रतिभा निखरने का और अच्छा मौका मिल गया। जिसका परिणाम आज सबके सामने हैं।

मुरादाबाद के लोग सबीह के इस प्रगति से बहुत खुश हैं

क्षमता निर्माण और नियमन से बदली भारत की आपदा प्रबंधन रणनीति : डॉ. मिश्रा

बैंगलोर । एजेंसी

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि वित्तपोषण तंत्र, संस्थागत विकास और क्षमता निर्माण में निवेश का उद्देश्य मापनयोग्य परिणाम प्रदान करना है। डॉ. मिश्रा ने जोर देकर कहा कि भारत की विकसित होती आपदा जोखिम प्रबंधन प्रणाली की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक आपदा-संबंधी मृत्यु दर में कमी है। डॉ. पी.के. मिश्रा भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर में सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी (सीपीपी) के रजत जयंती स्थापना दिवस के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कैसे एक व्यापक दृष्टिकोण वाले गुजरात भूकंप भरपाई कार्यक्रम ने देश की आपदा प्रबंधन प्रणाली को बदलने में मदद की। डॉ. पी.के. मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि बेहतर पूर्व-चेतावनी प्रणालियों, सशक्त संस्थानों, बेहतर योजना और अधिक संवेदनशील वित्तपोषण के संयुक्त प्रभाव से, तीव्र और धीमी शुरुआत वाले, दोनों ही प्रकार के खतरों में मृत्यु दर में लगातार गिरावट देखी गई है। डॉ. मिश्रा ने यह भी कहा कि यह आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क के तहत मूल प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिस पर भारत एक हस्ताक्षरकर्ता है। गुजरात से म्यांमार तकः पिछले 25 वर्षों में भारत की आपदा प्रबंधन नीति और कार्यप्रणाली का विकास" विषय पर अपने व्याख्यान पर विस्तार से चर्चा करते हुए, डॉ. पी.के. मिश्रा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन से प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले दो-तीन दशकों में भारत की आपदा प्रबंधन नीतियां और कार्यप्रणाली कैसे विकसित हुई हैं।

- भारत ने हालिया वर्षों में कई अंतरराष्ट्रीय आपदाओं में सक्रिय रूप से सहायता पहुंचाई
- डॉ. मिश्रा ने युवाओं को लोक सेवा और नीति के क्षेत्र में भागीदारी के लिए प्रेरित किया

डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि भारत में आपदा जोखिम प्रबंधन की कार्यप्रणाली में कई बदलाव आए हैं। डॉ. मिश्रा ने अपने विचार-विमर्श में 1991 के ओडिशा सुपर साइक्लोन, 2001 के गुजरात भूकंप और 2004 के हिंद महासागर में आई सुनामी के बारे में बताया, जिससे कई सबक मिले। डॉ. मिश्रा ने कहा कि 1993 का लातूर भूकंप और 2005 का कश्मीर भूकंप जैसी अन्य घटनाएं भी हुईं। उन्होंने यह भी कहा कि इसके अलावा, वैश्विक नीति प्रक्रियाओं जैसे कि प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक (आईडीएनडीआर) 1990-1999, ह्योगो फ्रेमवर्क फॉर एक्शन (एचएफए) 2000-2015 और सेंडाई फ्रेमवर्क 2015-2030 ने हमारी सोच और व्यवहार को बहुत प्रभावित किया है।

व्यापक प्रत्युत्तर और पुनर्निर्माण, तथा दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य के महत्वपूर्ण मोर्चे पर, डॉ. पी.के. मिश्रा ने कानूनी ढांचे, नियामक सुधारों, प्रशिक्षण और ज्ञान नेटवर्क, भवन नियमन और खतरा प्रतिरोधी निर्माण के माध्यम से आपदा प्रबंधन को संस्थागत बनाने के लिए प्रभावी और निर्णायक कदमों पर प्रकाश डाला। गुजरात पहल के महत्व पर बात करते हुए, डॉ. मिश्रा ने गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) द्वारा की गई विविध गतिविधियों से अवगत कराया, जो प्रत्युत्तर और राहत से कहीं आगे बढ़कर, भूकंप पुनर्निर्माण कार्य; नीतियों और कानूनों का निर्माण; आपदा प्रबंधन योजनाओं की तैयारी; तैयारी संबंधी पहल; क्षमता निर्माण; शमन उपाय; और जागरूकता एवं सामुदायिक तैयारी, आदि।

"वित्त एक आधार के रूप मेंः आपदा जोखिम वित्तपोषण का विकास" विषय पर चर्चा करते हुए, डॉ. पी.के. मिश्रा ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नए वित्तपोषण ढांचे का एक सबसे महत्वपूर्ण वैचारिक योगदान यह मान्यता है कि आपदा प्रबंधन में विभेदित किन्तु परस्पर निर्भर कार्य शामिल हैं - प्रत्युत्तर और राहत, भरपाई और पुनर्निर्माण, तैयारी और शमन। हाल के दिनों में आपदा प्रबंधन में भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर बोलते हुए, डॉ. पी.के. मिश्रा ने प्रमुख उपलब्धियों की पुष्टि की।

दिल्ली में प्रदूषण से आम आदमी का जीवन हो रहा कम : गडकरी

अगर हम अभी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो जीवन खोने का जोखिम भी उठाते हैं

ब्यूरो

नई दिल्ली। बिना लाग लपेट बोलने के लिए प्रसिद्ध केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर इतना चिंता जनक है कि जब दिल्ली में आता हूँ तो सोचता हूँ कि कब यहाँ से जाना है , और पहले टिकट जाने का निकाल लेता हूँ। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर यहां के लोगों की जीवन प्रत्याशा को कम कर रहा है। गडकरी गौतम बुद्ध नगर में फरीदाबाद-नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट रोड पर वृक्षारोपण अभियान 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' में भाग लेने आए हुए थे। उन्होंने कहा कि आप इस को गंभीरता से लो कि दिल्ली में जो प्रदूषण है उस कारण आम आदमी का जीवन कम हो रहा है।

नितिन गडकरी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा, 'मैं दिल्ली में दो या तीन दिन रहता हूं। जब आता हूं तो सोचता हूं कब वहां से जाना है। मैं पहले टिकट जाने का निकालता हूं। आप इस को गंभीरता से लो कि दिल्ली में जो प्रदूषण है उस कारण आम आदमी का जीवन कम हो रहा है।' दिल्ली में प्रदूषण के खतरनाक लेवल को लेकर गडकरी ने कहा, 'आज यहां (फरीदाबाद-नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट रोड) ऑक्सीजन का स्तर बहुत ज्यादा है, एक बार जब एयरपोर्ट बन जाएगा और ज्यादा वाहन इस क्षेत्र में एंट्री करेंगे तो पर्यावरण और भी खराब हो सकता है। गडकरी ने कहा, 'जब मैं पहली बार मंत्री बना था, तब भारत ऑटोमोबाइल क्षेत्र में ग्लोबल लेवल पर 13वें या 14वें नंबर पर था। आज, हम जापान से आगे निकल गए हैं और दुनिया में तीसरे नंबर पर हैं और ऑटोमोबाइल क्षेत्र अर्थव्यवस्था में 22 लाख करोड़ रुपये का योगदान देता है।' उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी ने 4.5 करोड़ से ज्यादा युवाओं को रोजगार दिया है।

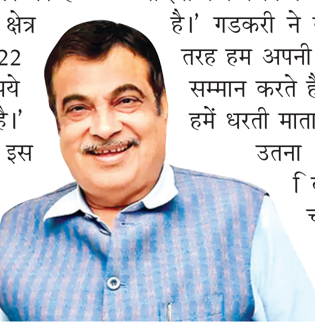

नितिन गडकरी ने यह भी माना कि देश में पॉल्यूशन के लिए ट्रांसपोर्ट सेक्टर का योगदान भी 40 %है। उन्होंने कहा, 'हम प्रदूषण के मामले में भी नंबर एक पर हैं। इसलिए हमारा विभाग पौधारोपण और प्रत्यारोपण प्रयासों के माध्यम से इसे कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।' गडकरी ने कहा, 'जिस तरह हम अपनी माताओं का सम्मान करते हैं, उसी तरह हमें धरती माता के प्रति भी उतना ही सम्मान दिखाना चाहिए। इस कार्यक्रम का सांस्कृतिक और नैतिक दोनों ही तरह से महत्व है।' गडकरी ने बताया कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का किस तरह से इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सभी पौधों को ई-टैग किया जाएगा ताकि पेड़ों की लंबे वक्त तक देखभाल हो सके। उन्होंने कहा, 'इससे हमें एक पौधे के विकास को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। दुनिया तेजी से बदल रही है। अगर हम अभी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो हम इस (नोएडा) जैसी जगहों पर मौजूद प्राकृतिक जीवन को खोने का जोखिम उठाते हैं। इसे बचाना हमारा काम है।

छात्र प्रदर्शनकारी जहां दिखें गोलियां चला दो

- बांग्लादेश में बवाल मचा देने वाला ऑडियो हो गया वायरल

बांग्लादेश। लीक हुई ऑडियो रिकॉर्डिंग से पता चला है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पिछले साल सुरक्षा बलों को छात्र प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाने का आदेश दिया था, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 1,400 लोग मारे गए थे। यह अशांति सरकारी नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों से उपजी थी, जिसके बारे में कई लोगों का दावा था कि यह प्रणाली मेधावी उम्मीदवारों के साथ भेदभाव करती है।

आलिया भट्ट की पूर्व सेक्रेटरी 76 लाख की 'चोरी' के आरोप में गिरफ्तार

आलिया भट्ट आज इंडस्ट्री की शीर्ष अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनके प्रशंसकों की संख्या बहुत ज्यादा है और वह एक दशक से भी ज़्यादा समय से लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। अभिनेत्री सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार सही वजहों से नहीं। ताज़ा खबरों के अनुसार, जुहू पुलिस ने अभिनेत्री की पूर्व निजी सहायक वेदिका प्रकाश शेट्टी को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर आलिया के प्रोडक्शन हाउस - इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और यहां तक कि उनके खातों से भी पैसे की हेराफेरी करने का आरोप है। इस साल जनवरी में जुहू पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। वेदिका पिछले 5 महीनों से फरार थी, लेकिन उसे बेंगलुरु में गिरफ्तार कर लिया गया और अदालत में पेश किया गया। उसे 10 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। गौरतलब है कि यह गिरफ्तारी आलिया की माँ सोनी राजदान द्वारा वेदिका के खिलाफ धन की हेराफेरी की शिकायत दर्ज कराने के लगभग पाँच महीने बाद हुई है। सोनी राजदान की शिकायत पर कुछ महीने पहले एफआईआर दर्ज होने के बाद से, जाँच जारी है। घोटाले के पूरे दायरे का पता लगाने और यह पता लगाने के लिए कि क्या कोई और व्यक्ति इसमें शामिल था, अधिकारी वर्तमान में वित्तीय आंकड़ों की सावधानीपूर्वक जाँच कर रहे हैं। काम की बात करें तो, आलिया को आखिरी बार वसन बाला की 'जिग्रा' में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी।